वर्ष-14 - अंक 140
पृष्ट-08 मूल्य : 02 रुपया

सीतापुर
रविवार,30 अगस्त 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.......
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

एसआईईएफ को यूपी की आईटी नीति के तहत 3
हर अंचल को उद्योग, हर हाथ को काम, प्रदेश सरकार का 4
ग्राम पंचायत सिसई पंडित के भ्रष्टाचार को रोकना बीडीओ कुदरहा के................ 08

सीएम योगी का सपा पर हमला, कहा- 'डकैतों का गिरोह'

उत्तर प्रदेश में एक तरफ सभी राजनीतिक दल आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ सूबे में बयानबाजी भी तेज हो गई है. इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री ने एक बार फिर से समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला किया. उन्होंने लखनऊ की सबसे चर्चित इमारत जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (JPNIC) को निजी हाथों में दिए जाने को लेकर लेकर सपा को घेरा. उन्होंने कहा कि सपा ने अपनी विचारधारा के मुखिया को भी नहीं छोड़ा. देवरिया में शनिवार को सीएम योगी ने 305 करोड़ रुपए से अधिक की 80 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण-शिलान्यास किया. इस दौरान उन्होंने एक जनसभा को संबोधित करते हुए सपा पर जमकर निशाना साधा. उन्होंने समाजवादी पार्टी पर प्रहार करते हुए सीएम योगी ने आरोप लगाया कि सपा का मतलब है लूट-खसोट, सपा का मतलब है डकैतों का एक गिरोह. उन्होंने कहा '2017 से पहले कहावत थी देख सपाई, बिटिया घबराई'.

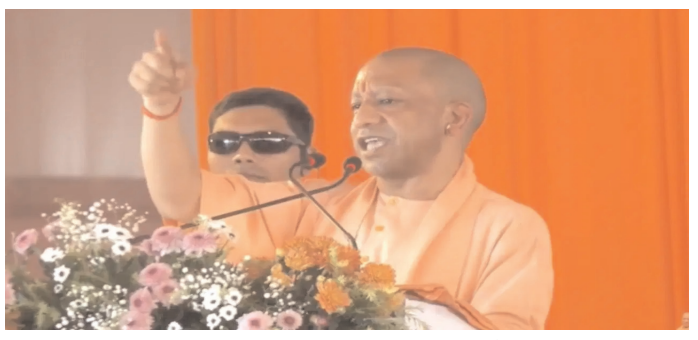

योगी ने SP पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

इस दौरान सीएम योगी ने लखनऊ स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय केंद्र (JPNIC) के निर्माण में भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि अपनी अय्याशी के लिए सपा मुखिया ने प्रदेश के खजाने में जो डकैती डाली, उसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए. उन्होंने कहा कि सपा ने अपनी विचारधारा के मुखिया को भी नहीं छोड़ा. उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआती लागत 200 करोड़ रुपए थ, लेकिन सपा ने 864 करोड़ खर्च कर दिया और तब भी अधूरा है. तो, इनकी साजिश क्या थी ? 200 करोड़ सैफई सिंडिकेट का पैसा नहीं है, जनता का पैसा है.

'JPNIC को प्राइवेट कंपनी के जरिए चलाने की साजिश थी'

सीएम योगी ने कहा कि JPNIC पूरा कराने में अब 150-200 करोड़ और खर्च होंगे. उन्होंने कहा कि इनकी साजिश सरकार के खजाने से 900 से 1000 करोड़ खर्च करके एक सपा जैसी प्राइवेट लिमिडेट कंपनी बनाने की थी. जिसमें एक ही परिवार के सब लोग होंगे. उन्होंने कहा कि छ्क्क्ह्ढ्ष्ट को प्राइवेट कंपनी के जरिए चलाने की साजिश थी. प्राइवेट कंपनी में डिंपल यादव, अखिलेश यादव और धर्मेंद्र यादव थे. उन्होंने कहा कि छ्क्क्ह्ढ्ष्ट की कमाई परिवार तक पहुंचाने की साजिश थी. उसमें होटल, जिम और क्लब सब कुछ रहेगा और कमाई इनके घर में रहेगी. उसमें अखिलेश यादव हैं, डिंपल यादव हैं, धर्मेंद्र यादव और इनके शागिर्द हैं.

'अखिलेश को माफी मांगनी चाहिए'

अपने संबोधन में सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में कब्रिस्तान की बाउंड्री के नाम पर पैसा खर्च होता था. उन्होंने कहा कि सपा का मतलब लूट खसोट,सपा का मतलब डकैतों का गिरोह !. उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव से मांग की कि अपने कुशासन और इस बड़े भ्रष्टाचार के लिए उन्हें जनता के सामने सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए.

'बबुआ १२ बजे सोकर उठेंगे तो दिमाग कहां काम करेगा'

सीएम योगी ने कहा कि जब हम फ्री में बस यात्रा का शुभारंभ कर रहे थे, तब समाजवादी पार्टी के बबुआ की नींद टूटी, उन्होंने जल्दीबाजी में प्रेस वार्ता बुलाई. उन्होंने कहा कि अखिलेश भूल गए कि क्या बोलना है,कहने लगे कि 4 लाख लेंगे,40 हजार लेंगे इन लोगों से. हमने कहा लेना नहीं देना है इनको. योगी ने कहा कि ये बबुआ 12 बजे सोकर उठेंगे, तो कहां उनका दिमाग काम करेगा, केवल झुंझलाहट ही बनी रहेगी. उन्होंने कहा कि एक बार हमने सुना था कि एक पत्रकार के गले पर तलवार रख दी थी.

'सपा सरकार में स्कूल जर्जर स्थिति में थे'

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि उस दौर में प्रदेश में रोजगार, गरीबों के आवास, बिजली और सड़क जैसी बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब थी. उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय स्कूलों की व्यवस्था भी ठीक नहीं थी और बेसिक शिक्षा परिषद के कई स्कूल जर्जर स्थिति में थे. उन्होंने पूर्वांचल में जुलाई से नवंबर के बीच रहने वाले कथित भय और दहशत के माहौल का भी जिक्र किया. मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पहले प्रदेश में माफियाओं की समानांतर सत्ता चलती थी, लेकिन आज उत्तर प्रदेश अपने नाम के अनुरूप बन चुका है और अब कोई प्रदेश को बीमारू राज्य या प्रश्न प्रदेश नहीं कहता. उन्होंने कहा कि अब यूपी में एक जिला- एक माफिया नहीं, एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज है. उन्होंने कहा कि हमने माफिया को मिट्टी में मिलाया है तो इंसेफेलाइटिस को समाप्त कर दिया है.

घर से बुलाया, चाकूओं से गोदकर ले ली जान मुजफ्फरनगर में पिता की बेइज्जती नहीं सह पाए बेटे

उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले में पिता की बेइज्जती का बदला लेने के लिए एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है. पुलिस के मुताबिक, मृतक ने कुछ दिन पहले चाय की दुकान पर आरोपियों के पिता के साथ गाली-गलौज की थी और उसकी दाढ़ी खींचकर बेइज्जती की थी. इसी बात से आहत होकर उसके दो बेटों ने अपने पिता और अन्य साथियों के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची. पुलिस ने मामले में दो सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है. मामला खतौली थाना क्षेत्र का है. पुलिस के अनुसार, 26 अगस्त की शाम सरदार आलम को कुछ लोग घर से बुलाकर अपने साथ ले गए थे. आरोप है कि इसके बाद उस पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला किया गया और गंभीर रूप से घायल हालत में छोड़कर आरोपी मौके से फरार हो गए. बाद में सरदार आलम की मौत हो गई. घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया. मृतक के बेटे की शिकायत पर खतौली थाना पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की. मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी और घटना के खुलासे के लिए पांच पुलिस टीमें गठित की गईं. पुलिस ने जांच के दौरान महज दो दिन के भीतर घटना में शामिल लोगों की पहचान कर ली.

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया सच

पुलिस ने दो सगे भाइयों शाहजेब और सालिब को गिरफ्तार किया है. पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि उनके पिता सरताज उर्फ कल्लू और मृतक सरदार आलम के बीच चाय की दुकान पर विवाद हुआ था. आरोप है कि विवाद के दौरान सरदार आलम ने गाली-गलौज करते हुए कल्लू की दाढ़ी खींच दी थी, जिससे उसे सार्वजनिक रूप से बेइज्जती महसूस हुई. इसी घटना के बाद परिवार ने बदला लेने की योजना बनाई. पुलिस के मुताबिक, दोनों भाइयों ने अपने पिता और अन्य साथियों के साथ मिलकर सरदार आलम को रास्ते से हटाने की साजिश रची. योजना के तहत उसे घर से बुलाया गया और फिर चाकू से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया. पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने उसे अधमरी हालत में छोड़ दिया था, जिसके बाद उसकी मौत हो गई.

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

सीओ खतौली रूपाली राव ने बताया कि हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है. पूछताछ और जांच के आधार पर वारदात में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान की गई है. पुलिस के अनुसार, फरार आरोपियों में मृतक से विवाद करने वाला कल्लू और अन्य संदिग्ध शामिल हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार दबिश दे रही हैं. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया आलाकत्ल भी बरामद करने का दावा किया है. दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है. पुलिस उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

संक्षिप्त खबरें

चाय से लेकर मिठाई तक महंगाई का असर! मुंबई में 1 सितंबर से 9 रुपए लीटर महंगा होगा दूध

मुंबई में दूध के दाम बढ़ने जा रहे हैं. त्योहारों के सीजन से पहले आम लोगों को महंगाई का एक और झटका लग सकता है. मुंबई दुग्ध उत्पादक संघ ने ताजे भैंस के दूध के थोक भाव में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी का फैसला किया है. नई दरें 1 सितंबर 2026 से लागू होने की बात कही गई है. इसके बाद फिलहाल 93 रुपये प्रति लीटर मिलने वाला ताजा भैंस का दूध थोक बाजार में 102 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा. खुदरा बाजार में भी दूध की कीमत बढ़ने की संभावना है और इसका भाव 105 से 107 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच सकता है. मुंबई दुग्ध उत्पादक संघ के अनुसार, पशुपालकों की बढ़ती लागत को देखते हुए दूध के दाम बढ़ाने का फैसला लिया गया है. संघ का कहना है कि पिछले कुछ समय में दुधारू पशुओं की कीमतों के साथ-साथ उनके रखरखाव और पशु आहार की लागत में भी लगातार इजाफा हुआ है. दाना, तूर चूनी, चना चूनी, खली, घास और पिंडा समेत अन्य पशु आहार की कीमतों में करीब 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी का दावा किया गया है. ऐसे में दूध उत्पादन की लागत बढ़ने के कारण उत्पादकों ने थोक कीमत में बढ़ोतरी का निर्णय लिया.

९ रुपए प्रति लीटर महंगा होगा दूध

नई दरों के तहत ताजा भैंस के दूध का थोक भाव 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये प्रति लीटर हो जाएगा. यानी एकमुश्त 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है. हालांकि, थोक भाव बढ़ने के बाद खुदरा बाजार में अंतिम कीमत कितनी होगी, यह वितरण लागत और स्थानीय विक्रेताओं के मार्जिन पर निर्भर करेगा. फिलहाल खुदरा बाजार में करीब 98 रुपये प्रति लीटर मिलने वाला ताजा दूध 105 से 107 रुपये प्रति लीटर तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है. इस संबंध में 31 अगस्त को अंतिम रेट लिस्ट तय होने की संभावना है.

बाजार पर भी पढ़ेगा असर

दूध की कीमत बढ़ने का असर सिर्फ घरों के बजट तक सीमित नहीं रह सकता है. दूध महंगा होने से चाय, मिठाई, दही, लस्सी, घी और अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है. त्योहारों के दौरान दूध और उससे बने उत्पादों की मांग बढ़ जाती है, ऐसे में कीमतों में बढ़ोतरी आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ डाल सकती है. नई दरें 1 सितंबर 2026 से 28 फरवरी 2027 तक छह महीने के लिए लागू रहने की बात कही गई है. इसके बाद उत्पादन लागत और बाजार की परिस्थितियों की समीक्षा के आधार पर आगे की कीमतों पर फैसला किया जा सकता है. अब सबकी नजर 31 अगस्त को तय होने वाली अंतिम खुदरा रेट लिस्ट पर टिकी है.

गोरखपुर में 10वीं की छात्रा से रेप, स्कूल प्रबंधक के बेटे पर शहर में पढ़ने और खर्च उठाने का लालच देकर शोषण करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां एक 15 साल की नाबालिग छात्रा ने अपने स्कूल प्रबंधक के बेटे के ऊपर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया है. प्राइवेट स्कूल की 10वीं की छात्रा का आरोप है कि स्कूल प्रबंधक के बेटा शहर में पढ़ने और पूरा खर्चा उठाने का लालच देकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा. छात्रा के मना करने पर प्रबंधक के बेटे ने उसके साथ गाली गलौज की. यही नहींबातचीत का ऑडियो भी वायरल कर दिया. छात्रा का आरोप है कि स्कूल प्रबंधक के बेटे ने उससे कहा कि वो उसके साथ संबंध बनाए तो वह उसे शहर के स्कूल में पढ़ाएगा और उसकी शादी का खर्च भी उठाएगा. फिलहाल शुक्रवार को गोला थाने में पुलिस ने छात्रा की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ रेप और पास्को एक्ट में सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है.

मामले में पुलिस ने क्या बताया ?

क्षेत्राधिकार गोला दरवेश कुमार ने बताया कि इस मामले में पीड़िता की तहरीर पर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है. आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई हैं. दबिश दी जा रही है. जल्द ही आरोपी स्कूल प्रबंधक के बेटे को गिरफ्तार कर लिया जाएगा. छात्रा का कहना है कि आरोपी ने उसके साथ रेप किय दरवेश कुमार ने कहा कि पीड़ित छात्रा ने बताया कि आरोपी उसे शहर में अच्छे स्कूल में पढ़ाने और उसके सारे खर्चे उठाने का लालच देकर उसके साथ लगातार शारीरिक संबंध बनाता रहा. जब उसने इस काम के लिए उसे मना किया तो उसने उसको गाली देते हुए कहा कि तुम्हें शहर में पढ़ना है या नहीं. तुम्हारा पूरा खर्चा मैं उठाऊंगा. बस तुम मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाती रहो.

पिता के साथ थाने पहुंची पीड़िता

जब छात्रा ने कहा कि ये सब करके मुझे नहीं पढ़ना है, तो स्कूल प्रबंधक के बेटे ने उसके साथ फोन पर बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया. इसकी जानकारी छात्रा और उसके परिवार को हुई तो छात्रा अपने पिता के साथ गोला थाने पहुंची और प्रबंधक के बेटे के खिलाफ तहरीर दी, जिसके बाद स्कूल प्रबंधक के बेटे के खिलाफ रेप और पास्को एक्ट सहित गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया. 15 वर्षीय दसवीं की छात्रा का यह भी आरोप है कि स्कूल प्रबंधक के बेटे प्रतीक त्रिपाठी उसे हमेशा परेशान करता रहता था. छुट्टी के बाद वह उसे अपने केबिन में बुला लेता था. उसने बताया कि स्कूल प्रबंधक के बेटे ने उसे उसकी बात ना मानने पर फेल करने की धमकी भी दी थी. धमकी देकर भी आरोपी ने उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाया. बता दें कि फिलहाल इस मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है और आरोपी प्रबंधक के बेटे की गिरफ्तारी के लिए दबिश की कार्रवाई कर रही है.

IIT दिल्ली में फिर सड़क पर उतरे छात्र, मोबाइल फ्लैश मार्च निकालकर ऋषिकेश की मौत का जताया विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

IIT दिल्ली के M.Sc. फिजिक्स छात्र ऋषिकेश कुमार (31) की मौत के मामले में छात्रों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है. डायरेक्टर के साथ छात्र प्रतिनिधिमंडल की बैठक के बाद अब गुरुवार रात सैकड़ों छात्रों ने मोबाइल फोन की फ्लैश लाइट जलाकर विरोध मार्च निकाला. छात्रों ने इस मार्च के जरिए ऋषिकेश की मौत की निष्पक्ष जांच, जिम्मेदारी तय करने और परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग दोहराई.झ छात्रों ने स्वतंत्र जांच समिति के गठन के IIT दिल्ली प्रशासन के फैसले का स्वागत किया है, लेकिन समिति के कार्यक्षेत्र को और व्यापक करने की मांग की है. छात्रों के मुताबिक, समिति के अध्यक्ष को बदलने और प्रदर्शनकारी छात्रों की ओर से समिति में छात्र सदस्यों को नामित किए जाने पर निदेशक की सहमति बनी. छात्रों ने निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए कार्यवाहक एसोसिएट डीन (हॉस्टल मैनेजमेंट) और कार्यवाहक एसोसिएट डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) की नियुक्ति की मांग की है.

१ करोड़ रुपए मुआवजे की मांग- छात्र ऋषिकेश कुमार के परिवार के लिए 1 करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग कर रहे हैं. छात्रों के मुताबिक, IIT दिल्ली प्रशासन ने बेनेवोलेंट फंड, चिकित्सा खर्च की कवरेज और फंडरेजर के जरिए आर्थिक मदद जुटाने का प्रस्ताव दिया है. छात्र चाहते हैं कि 1 करोड़ रुपए की राशि जुटाने की जिम्मेदारी IIT दिल्ली प्रशासन ले. साथ ही प्रशासन राशि जुटाने की समयसीमा स्पष्ट करे और अगर फंडरेजर के जरिए पूरी राशि नहीं जुट पाती है तो बाकी रकम की व्यवस्था के लिए वैकल्पिक माध्यम तलाशने की प्रतिबद्धता दे. छात्रों का कहना है कि मुआवजे से संबंधित बातचीत ऋषिकेश के परिवार और उनके बैचमेट्स के साथ IIT दिल्ली प्रशासन को करनी चाहिए.

एसोसिएट डीन के इस्तीफे की मांग

प्रदर्शनकारी छात्रों ने एसोसिएट डीन (स्टूडेंट वेलफेयर) के इस्तीफे की मांग भी दोहराई है. छात्रों का कहना है कि वे अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से ऋषिकेश की मौत के लिए जिम्मेदार नहीं ठहरा रहे हैं, लेकिन उनका आरोप है कि छात्रों की नैतिक प्रोफाइलिंग, कथित असंवेदनशील टिप्पणियों और मदद मांगने वाले छात्रों को फटकारे जाने से संस्थान की सपोर्ट सिस्टम पर छात्रों का भरोसा कमजोर हुआ है.

प्रदर्शन की रिकॉर्डिंग पर भी सवाल

छात्रों ने IIT दिल्ली के मुख्य भवन के विंड टनल क्षेत्र में सादे कपड़ों में दिल्ली पुलिस द्वारा प्रदर्शनकारी छात्रों की कथित रिकॉर्डिंग किए जाने पर भी आपत्ति जताई है. छात्रों ने प्रशासन से प्रदर्शन करने, न्याय की मांग उठाने और जवाबदेही की मांग करने के अपने अधिकार की रक्षा करने की स्पष्ट प्रतिबद्धता की मांग की है.

पुल टूटे, सड़कें बहीं और सभी रास्ते बंद चित्रकूट में बाढ़ से बिगड़े हालात

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट में बाढ़ का कहर लगातार बढ़ता जा रहा है. मंदाकिनी नदी के रौद्र रूप ने जिले में हालात बेहद चुनौतीपूर्ण बना दिए हैं. नदी का जलस्तर खतरे के निशान से काफी ऊपर पहुंचने के बाद प्रशासन ने सुरक्षा के मद्देनजर बड़े स्तर पर राहत और बचाव अभियान शुरू कर दिया है. जिले से आने-जाने वाले प्रमुख संपर्क मार्गों पर आवागमन रोक दिया गया है, जबकि बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे करने के लिए सरकार की ओर से दो हेलीकॉप्टर भेजे गए हैं. प्रशासन की प्राथमिकता बाढ़ में फंसे लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाना और किसी भी तरह की जनहानि को रोकना है. रामघाट पर मंदाकिनी नदी का खतरे का निशान 126 मीटर है, जबकि नदी का जलस्तर 135 मीटर से ऊपर पहुंच गया है. जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी और नदी के तेज बहाव के कारण नदी किनारे बसे इलाकों में खतरा बढ़ गया है. प्रशासन ने मारकुंडी से मानिकपुर, थाना कर्वी क्षेत्र और नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया है. लोगों से अपील की जा रही है कि वे प्रशासन के निर्देशों का पालन करें और खतरे वाले इलाकों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं. बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए चित्रकूट से जुड़े प्रमुख संपर्क मार्गों पर तत्काल रोक लगा दी गई है. बांदा, कौशांबी, प्रयागराज, झांसी और फतेहपुर की ओर जाने वाले रास्तों पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई है. चित्रकूट पुलिस की टीमें जिले की सीमाओं और प्रमुख बॉर्डर प्वाइंट पर तैनात हैं. जगह-जगह बैरिकेडिंग कर लोगों को आगे जाने से रोका जा रहा है. पुलिस और प्रशासन लोगों से अनावश्यक यात्रा न करने की अपील कर रहे हैं. रामघाट और उसके आसपास के इलाकों में बाढ़ का सबसे अधिक असर दिखाई दे रहा है. मतगजेंद्रनाथ मंदिर समेत नदी के बीच और आसपास स्थित कई मंदिरों तथा मकानों में लोगों के फंसे होने की सूचना पर राहत और बचाव टीमें सक्रिय हो गई हैं. तेज बहाव के बीच मोटरबोट और नावों की मदद से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जा रहा है. प्रशासन के सामने चुनौती यह भी है कि अलर्ट के बावजूद कुछ लोग अपने घरों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं. ऐसे लोगों को समझाने के साथ जरूरत पड़ने पर रेस्क्यू किया जा रहा है.

देश का गद्दार कपल दिल्ली में बैठकर पाकिस्तान के लिए काम कर रहे थे साहिल-समीरा, ISI ने दी थी ये जिम्मेदारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की नॉर्दर्न रेंज ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर जासूसी कर रहे एक मॉड्यूल का खुलासा करते हुए दिल्ली के एक युवा दंपती को गिरफ्तार किया है. पुलिस के मुताबिक, दोनों वर्ष 2024 से सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान के खुफिया एजेंटों के संपर्क में थे और उनके लिए काम कर रहे थे. गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 25 वर्षीय मोहम्मद साहिल और उसकी 21 वर्षीय पत्नी समीरा के रूप में हुई है. पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन जब्त किए हैं. फॉरेंसिक जांच में फोन से पाकिस्तानी हैंडलर्स के साथ हुई आपत्तिजनक और संदिग्ध चैट बरामद हुई है.

इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था साहिल

पुलिस के मुताबिक, साहिल वर्ष 2024 में अपनी पत्नी समीरा के जरिए इंस्टाग्राम पर एक पाकिस्तानी एजेंट के संपर्क में आया था. बाद में इसी एजेंट ने साहिल और समीरा की पहचान एक पाकिस्तानी इंटेलिजेंस ऑपरेटिव (PIO) से कराई. PIO ने दोनों को अपने नेटवर्क में शामिल कर लिया और बदले में आर्थिक मदद का भरोसा दिया. जांच में सामने आया कि साहिल और समीरा ने वर्ष 2024 और 2025 के दौरान 8 भारतीय सिम कार्ड पाकिस्तान भेजे. इन सिम कार्डों को दुबई के रास्ते पाकिस्तान पहुंचाया गया. इसके बदले पाकिस्तानी हैंडलर्स ने दोनों को करीब 30 हजार रुपये दिए. पुलिस का दावा है कि पाकिस्तान पहुंचने के बाद इन भारतीय नंबरों पर व्हाट्सऐप अकाउंट सक्रिय किए गए. इन अकाउंट के जरिए पाकिस्तानी एजेंट कुछ भारतीय व्हाट्सऐप ग्रुप में शामिल हुए और वहां से भारतीय रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी जुटाने की कोशिश की. इन नंबरों का इस्तेमाल भारत में लोगों से संपर्क करने के लिए भी किया गया.

कैंटोनमेंट इलाकों की रेकी के लिए लोगों को जोड़ने का आरोप

जांच के दौरान यह भी पता चला कि साहिल को भारत के अलग-अलग हिस्सों में मौजूद कैंटोनमेंट इलाकों की रेकी के लिए लोगों को भर्ती करने का काम दिया गया था. इसके अलावा उसे उन सैन्यकर्मियों की जानकारी जुटाने को कहा गया था, जिनके कोर्ट मार्शल से जुड़े मामले ट्रिब्यूनल में लंबित हैं. स्पेशल सेल के मुताबिक, साहिल की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ में उसकी पत्नी समीरा की भूमिका सामने आई. पुलिस का कहना है कि सिम कार्ड पाकिस्तान भेजने में समीरा की भूमिका अहम थी. इसके बाद उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया.

संक्षिप्त खबरें

युवक का शव गांव के बाहर संदिग्ध हालत में मिला, हत्या की आशंका

उन्नाव। असोहा थाना क्षेत्र के सूर्यबली खेड़ा मजरा कांथा गांव में शनिवार सुबह सनसनी फैल गई। गांव से करीब 300 मीटर दूर एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में पड़ा मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान 28 वर्षीय विकास पुत्र स्वर्गीय कन्हाई निवासी सूर्यबली खेड़ा, असोहा के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार विकास शुक्रवार शाम घर से निकला था। शनिवार सुबह उसका शव गांव से बाहर संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। शव मिलने की जानकारी पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि जिस तरह गांव से दूर शव मिला है, उससे प्रतीत होता है कि हत्या कर शव को वहां फेंका गया है। परिजनों ने मामले की गहन जांच और निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। परिजनों ने यह भी बताया कि वर्ष 2024 में गांव में हुए एक विवाद के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। इस मामले में विकास और उसके दो भाई जेल गए थे। विकास और उसका एक भाई इसी नवंबर में जेल से रिहा होकर आया था, जबकि तीसरा भाई अभी भी जेल में बंद है। वहीं पुलिस का कहना है कि अभी मौत के कारणों का खुलासा नहीं हुआ है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि वर्तमान घटना का पुराने मामले से कोई संबंध है या नहीं। इस संबंध में असोहा थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारण स्पष्ट हो सकेंगे।

इलाज के बाद मासूम की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

उन्नाव। बांगरमऊ नगर में इलाज के बाद छह साल की बच्ची की मौत का मामला सामने आया है। बच्ची के पिता ने मोहल्ला गढ़ी स्थित निजी क्लीनिक चलाने वाले कथित डॉक्टर रहीस पर इलाज में लापरवाही और गलत उपचार का गंभीर आरोप लगाया है। घटना के बाद स्वास्थ्य विभाग भी सक्रिय हो गया है। मृतका के परिजनों के अनुसार बच्ची को मामूली बुखार था। इसी के चलते उसके पिता विनय कुमार उसे इलाज के लिए मोहल्ला गढ़ी स्थित कथित डॉक्टर रहीस के निजी क्लीनिक पर ले गए थे। आरोप है कि क्लीनिक में इलाज शुरू होने के कुछ देर बाद ही उसकी हालत अचानक बिगड़ने लगी। बच्ची की तबीयत तेजी से खराब होते देख परिजनों में अफरा तफरी मच गई। पिता का आरोप है कि बच्ची की हालत गंभीर होने पर कथित डॉक्टर ने उन्हें कहीं और इलाज कराने की सलाह दी और बच्ची को वहां से भेज दिया। इसके बाद परिजन बच्ची को लेकर बांगरमऊ के सरकारी अस्पताल पहुंचे। सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्ची की जांच की, लेकिन उसकी हालत बेहद गंभीर थी। जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पिता विनय कुमार का कहना है कि क्लीनिक पहुंचने से पहले बच्ची की हालत इतनी गंभीर नहीं थी। इलाज के बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ी और कुछ ही समय में उसकी मौत हो गई। उन्होंने कथित डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले की जानकारी मिलने के बाद मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय कुमार ने शनिवार को जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा है कि बच्ची की मौत की वास्तविक वजह जांच और चिकित्सकीय रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय लोगों का दावा है कि कथित डॉक्टर रहीस लंबे समय से मोहल्ला गढ़ी में निजी क्लीनिक संचालित कर रहा है। लोगों ने उसके इलाज को लेकर पूर्व में भी शिकायतें होने की बात कही है। इस घटना के बाद क्षेत्र में बिना वैध योग्यता के इलाज करने वालों को लेकर चर्चा तेज हो गई है और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

हौज में मिला 9 साल के बच्चे का शव, हत्या की आशंका

उन्नाव। गंगाघाट थाना क्षेत्र के बदुआखेड़ा गांव के पास शनिवार दोपहर फैक्ट्री एरिया की पानी की हौज में 9 वर्षीय हर्ष का शव मिलने से हड़कंप मच गया। हर्ष शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे मैच देखने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। शनिवार दोपहर हौज में शव मिलने की सूचना पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बच्चे की हत्या की आशंका जताई है। पुलिस घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार, मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद स्पष्ट होगा। मामले की जांच जारी है।

दृष्टि बैठक में विकास योजनाओं की समीक्षा, पात्र परिवारों को आवास का लाभ देने के निर्देश

सम्पर्क मार्ग एवं विद्युतीकरण कार्यों की तकनीकी टीम करेगी जांच, निर्माण कार्यों के नियमित स्थलीय निरीक्षण पर जोर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – जनपद में संचालित विकास योजनाओं को धरातल पर गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध ढंग से पूरा कराने को लेकर शनिवार को विकास भवन में जिला स्तरीय विकास कार्य अनुश्रवण समिति दृष्टि की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। राज्य मंत्री, समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग संजीव कुमार गोड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक में विधानमंडल क्षेत्र विकास निधि सहित विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक में राज्यमंत्री ने कहा कि विकास कार्यों की सार्थकता तभी है, जब वे समय से पूरे हों और उनकी गुणवत्ता लंबे समय तक जनता के उपयोग के अनुरूप बनी रहे। निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाए तथा अधिकारी नियमित रूप से स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखें। उन्होंने कहा कि बैठक में दिए गए निर्देश केवल कार्यवाही तक सीमित न रहें, बल्कि उनका प्रभाव धरातल पर दिखाई देना चाहिए। निर्देशों के अनुपालन एवं कार्यों की प्रगति की अगली बैठक में पुनः समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण की समीक्षा करते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। जनपद में आवास योजना के लिए पात्र परिवारों का नियमानुसार एवं पारदर्शी ढंग से चयन सुनिश्चित करते हुए उन्हें योजना से लाभान्वित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि पात्रता की जांच पूरी गंभीरता से की जाए, जिससे कोई भी पात्र परिवार आवास की सुविधा से वंचित न रहने पाए। जनपद में कराए जा रहे सम्पर्क मार्गों एवं विद्युतीकरण कार्यों की समीक्षा के दौरान राज्य मंत्री ने गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्थाएं नियमित निरीक्षण करें तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप ही कार्य कराए जाएं। बैठक में राज्य मंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि विकास एवं निर्माण कार्य प्रारम्भ होने से पूर्व उनका शिलान्यास तथा पूर्ण हो चुके कार्यों का लोकार्पण संबंधित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाए। बैठक में औषधि विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए राज्य मंत्री ने मेडिकल स्टोरों का नियमित निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना वैध पंजीकरण एवं निर्धारित प्रावधानों के नारकोटिक एवं नियंत्रित श्रेणी की औषधियों की बिक्री किसी भी दशा में न होने पाए। उन्होंने निर्देशित किया कि मेडिकल स्टोरों के निरीक्षण के दौरान औषधियों के क्रय-विक्रय से संबंधित अभिलेखों एवं निर्धारित मानकों की भी जांच की जाए। नियमों के उल्लंघन अथवा अनधिकृत बिक्री का मामला सामने आने पर संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राज्य मंत्री ने कहा कि विकास योजनाओं के क्रियान्वयन से लेकर जनहित से जुड़े विषयों तक संबंधित विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें। शासन की योजनाओं एवं विकास कार्यों का लाभ आमजन तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। बैठक में विधायक राबर्ट्सगंज, विधायक घोरावल के प्रतिनिधिगण, प्रमुखगण, खण्ड विकास अधिकारी, कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि, परियोजना निदेशक, उपायुक्त श्रम रोजगार, जिला विकास अधिकारी, समिति में नामित विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एवं ग्राम प्रधानगण सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना, सबके अधरों पे गीत लिख देना

सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वावधान में हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – सोन संगीत फाउंडेशन के तत्वावधान में पावस उमा माहेश्वर काव्य संध्या का आयोजन शनिवार शाम शहर में किया गया, जिसमें एक से बढ़कर एक गीत सुनाया गया। अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अजय चतुर्वेदी कक्का ने किया। मुख्य अतिथि समाजसेवी सरदार कमलेश सिंह खांबे रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि कवि दिवाकर द्विवेदी मेघ रहे। वाणी वंदना पश्चात निदेशक शहीद स्थल प्रबंध समिति करारी प्रदुम्न त्रिपाठी ने मीरा मोहन सी प्रीत लिख देना सबके अधरों पे गीत लिख देना, श्रृंगार की रचना सुनाकर वाहवाही लूटी। सुशील मिश्रा ने भोले बाबा को समर्पित पूर्वी सुनाकर गतिज उर्जा दिये सराहे गये। सुधाकर पांडेय स्वदेशप्रेम ने, जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाया। कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने आपस में नफरत आपस में तकरार, मानव जीवन की है, सबसे बड़ी हार सुनाया। कवयित्री दिव्या राय ने , भर आती है आंख माँ की उदासी देखकर सुनाकर पीड़ा को स्वर दिया। दयानंद दयालू ने पावस को समर्पित कजली सुनाया। धर्मेश चौहान ने बड़ा ही सुंदर बड़ा ही मनहर अपना हिंदुस्तान सुनाया।अशोक तिवारी ने संचालन करते हुए, लानत है ऐसे रहनुमाओं पर जिसने लिया सिर्फ लिया दिया कुछ नहीं सुनाकर तंज कसा। अध्यक्षता करते अजय चतुर्वेदी कक्का ने अपनी रचना हुए स्वार्थ की बलि वेदिका पर देश को चढ़ने न देगें जाति धर्म मजहब में देश को बंटने न देगें सुनाकर राष्ट्र आराधना किये। विशिष्ट अतिथि दिवाकर दिवेदी मेघ ने,घुमंतू कुत्ता घर का न घाट का, जहाँ जो मिल जाय पत्तल वहीं चाटे सुनाकर देर तक हंसाते रहे। मुख्य अतिथि कमलेश खांबे ने देश की दशा, दिशा व समाज, घर ,परिवार की संवेदना को बचाने की वकालत किये।विवेक चतुर्वेदी ने शायरी से शमां रौशन की। आभार अध्यक्ष सोन संगीत फाउंडेशन सुशील मिश्रा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी, त्रिपुरारी मिश्रा, लालता प्रसाद मिश्र, ठाकुर कुशवाहा, फारुख अली आदि रहे।

36.5 किलो गांजा के साथ चार अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र। ऑपरेशन शुद्धि के तहत रॉबर्ट्सगंज पुलिस और एसओजी टीम ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी का खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 36.500 किलो अवैध गांजा, एक स्कॉर्पियो, पांच मोबाइल फोन और 550 रुपये नकद बरामद हुए। बरामद गांजे की कीमत करीब 18 लाख और वाहन की कीमत करीब 12 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 28 अगस्त की रात चन्द्रयान तिराहा, भण्डार खुर्द हाईवे पर चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर हिन्दुआरी की ओर से आ रही स्कॉर्पियो को रोकने का प्रयास किया गया। पुलिस को देखकर चालक ने वाहन मोड़कर भागने की कोशिश की, लेकिन घेराबंदी कर चारों आरोपियों को पकड़ लिया गया। तलाशी में वाहन से 37 बंडलों में गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपियों ने उड़ीसा के सम्भलपुर से गांजा लाकर बलिया पहुंचाने की बात स्वीकार की। पुलिस के मुताबिक, तस्करी के लिए उन्हें वाहन, धनराशि और दिशा-निर्देश उपलब्ध कराए जाते थे। प्रत्येक व्यक्ति को इस काम के बदले करीब 15 हजार रुपये मिलने थे। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विधिचन्द्र यादव (मऊ), साजिद अली, रईस खान और आदित्य जायसवाल (कुशीनगर) के रूप में हुई है। कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह, एसओजी प्रभारी नागेश कुमार सिंह समेत पुलिस टीम ने की।

शक्तिनगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रेम-प्रसंग में पति की हत्या की घटना का 24 घंटे के अंदर सफल अनावरण

सोनभद्र। थाना शक्तिनगर पुलिस ने संदिग्ध सड़क दुर्घटना के रूप में सामने आई हत्या की घटना का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा करते हुए मृतक की पत्नी, उसके प्रेमी समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, हत्या के बाद शव को सड़क किनारे पहुंचाकर और उसे वाहन से चोट पहुंचाकर घटना को सड़क हादसे का रूप देने की कोशिश की गई थी। पुलिस ने तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। पुलिस के मुताबिक, 23 अगस्त को थाना शक्तिनगर क्षेत्र के बीना स्टेडियम/जमशीला के पास बीना कॉलोनी निवासी रमाशंकर मिश्रा का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे मिला था। रमाशंकर मिश्रा एनसीएल बीना में सीनियर ओवरमैन के पद पर कार्यरत थे। शुरुआत में मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा था, लेकिन घटनास्थल की परिस्थितियां संदिग्ध मिलने पर पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी। मामले की विवेचना के दौरान पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल कॉल डिटेल, लोकेशन तथा अन्य उपलब्ध तथ्यों की जांच की। पुलिस टीम ने घटना से जुड़े लोगों से पूछताछ कर साक्ष्यों की कड़ियों को आपस में जोड़ा। इसके बाद हत्या की साजिश और उसे दुर्घटना दिखाने की कथित योजना सामने आई। जांच के दौरान पुलिस को जानकारी मिली कि मृतक की पत्नी प्रियंका मिश्रा और विकास चौहान के बीच काफी समय से प्रेम-प्रसंग चल रहा था। पुलिस के अनुसार, 22 अगस्त की रात रमाशंकर मिश्रा ने अपनी पत्नी प्रियंका और विकास चौहान को घर पर देख लिया था। इसके बाद घर में विवाद हुआ और स्थिति गंभीर हो गई। पुलिस का आरोप है कि विवाद के दौरान प्रियंका मिश्रा और विकास चौहान ने रमाशंकर मिश्रा का गला दबाया तथा उसका सिर पत्थर के फर्श पर पटक दिया, जिससे उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपियों ने हत्या को छिपाने और पुलिस को गुमराह करने के लिए इसे सड़क दुर्घटना का रूप देने की योजना बनाई। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद विकास चौहान ने अपने सहयोगी अनुराग सिंह उर्फ बादल और सोनू गुप्ता को भी योजना में शामिल किया। आरोप है कि चारों ने मृतक के शव को चादर और गमछे में लपेटकर घर से बाहर निकाला और सड़क किनारे पहुंचाया। इसके बाद शव को सड़क पर लिटाकर वाहन से चोट पहुंचाई गई, ताकि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो। हालांकि, घटनास्थल की परिस्थितियों और अन्य साक्ष्यों ने पुलिस को शुरू से ही संदेह में डाल दिया। इसके बाद तकनीकी जांच और पूछताछ के जरिए पुलिस ने घटना की परतें खोलनी शुरू कीं। कॉल डिटेल और लोकेशन सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने आरोपियों तक पहुंचकर घटना का महज 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में विकास चौहान, मृतक की पत्नी प्रियंका मिश्रा, अनुराग सिंह उर्फ बादल और सोनू गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस कार्रवाई में थाना शक्तिनगर के प्रभारी निरीक्षक सत्येन्द्र कुमार राय के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अजय कुमार श्रीवास्तव, कांस्टेबल सत्यम सरोज, अरुण कुमार, अमन सिंह और अमृत लाल शामिल रहे। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से संदिग्ध सड़क हादसे के पीछे छिपी कथित हत्या की साजिश सामने आने पर क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।

महिला की संदिग्ध मौत, पिता ने लगाया हत्या का आरोप

उन्नाव। पुरवा थाना क्षेत्र में शनिवार को एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आशंका है कि महिला ने जहरीला पदार्थ निगल लिया था। मृतका के पिता ने बेटी की हत्या का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच और न्याय की मांग की है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका की पहचान बबली 32 पत्नी सुशील के रूप में हुई है। उसकी ससुराल पुरवा थाना क्षेत्र के बैगांव मगतखेड़ा में है, जबकि मायका अजगैन थाना क्षेत्र के कीर्तिखेड़ा नवाबगंज में है। घटना मायके में ही हुई है। बबली की शादी करीब 8 साल पहले हुई थी और उसके दो बच्चे हैं। परिजनों के अनुसार पति सुशील दिल्ली में काम करते हैं। वह दो महीने पहले दिल्ली गए थे। बबली पिछले करीब एक साल से अपने मायके में रह रही थी। पति पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। हाल ही में सुशील दिल्ली से वापस आए थे, जिसके बाद फिर झगड़ा हुआ और वह वापस दिल्ली चले गए।

असोहा में भाजपा नेता के पिता का निधन, हजारों लोगों ने दी अंतिम विदाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

असोहा, उन्नाव। असोहा में भाजपा नेता संजय शुक्ला के पिता जनार्दन शुक्ला का शनिवार सुबह निधन हो गया। उनके अंतिम दर्शन के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। बक्सर घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया।कन्दरपुर असोहा निवासी 86 वर्षीय जनार्दन शुक्ला ने शनिवार सुबह 5 बजे अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फैलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर जुटने लगे। अंतिम दर्शन के लिए पहुंचने वालों में पूर्व विधायक उदयराज यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख बीतेंद्र यादव, राजकुमार रावत, प्रधान हरिकेश यादव, रमेश यादव, जिला भाजपा उपाध्यक्ष आनंद अवस्थी, ब्लॉक प्रमुख हिलौली दिलीप दीक्षित, जिला महामंत्री नूतन सिंह, सहकारी ग्राम विकास बैंक अध्यक्ष संजीव त्रिवेदी और भाजपा नेता अरुण कुमार दीक्षित सहित हजारों लोग शामिल थे। सभी ने घर से लेकर बक्सर घाट तक अंतिम यात्रा में हिस्सा लिया जनार्दन शुक्ला एक रिटायर्ड सरकारी अध्यापक थे। वे अपने मिलनसार और हंसमुख स्वभाव के लिए जाने जाते थे। लोग उनके साथ घंटों बैठकर बातचीत करना पसंद करते थे। वे अपने पीछे तीन छोटे भाई भगवान शंकर शुक्ला, सुधांशु शुक्ला, अनिल शुक्ला, दो बेटे संजय शुक्ला, अभय शुक्ला, भतीजे आशू, विकास शुक्ला, मयंक शुक्ला, प्रियंक शुक्ला और नाती सोहम, आकाश, तेजस, राजशेखर छोड़ गए हैं।

शासन के निर्देश के क्रम में निर्माण श्रमिकों को यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप से जोड़ने के निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

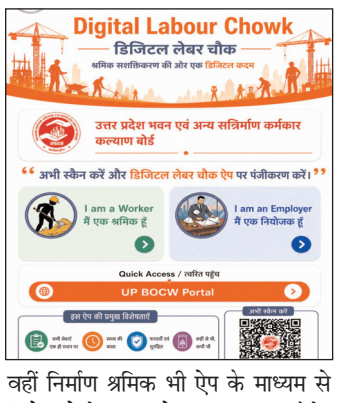

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश – शासन के निर्देश के क्रम में जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों को यूपी डिजिटल लेबर चौक मोबाइल ऐप से अधिक से अधिक जोड़ने तथा ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा विकसित यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों के बीच एक प्रभावी डिजिटल प्लेटफॉर्म के रूप में कार्य करेगा। इसके माध्यम से निर्माण श्रमिकों को रोजगार के अवसर प्राप्त होने के साथ ही श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं पात्रतानुसार उनका लाभ प्राप्त करने में सुविधा होगी। ऐप के माध्यम से सेवायोजक, बिल्डर, ठेकेदार, निर्माण एजेंसियां एवं अन्य प्रतिष्ठान अपना पंजीकरण कर आवश्यकता के अनुरूप श्रमिकों से सीधे संपर्क स्थापित कर सकेंगे। वहीं निर्माण श्रमिक भी ऐप के माध्यम से नियोजकों से जुड़कर रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। इससे श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा नियोजकों को आवश्यकता के अनुरूप कुशल श्रमिक उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जनपद में कार्यरत निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों के बीच इस ऐप का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा उन्हें ऐप डाउनलोड कर पंजीकरण कराने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक पात्र निर्माण श्रमिकों को शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित कराने के लिए डिजिटल माध्यमों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त निर्माण श्रमिकों एवं नियोजकों से अपील की है कि वे अपने एंड्रॉयड मोबाइल फोन में गूगल प्ले स्टोर से यूपी डिजिटल लेबर चौक ऐप डाउनलोड कर इसका अधिकतम उपयोग करें तथा अपने आसपास कार्यरत अन्य श्रमिकों एवं नियोजकों को भी इसके संबंध में जागरूक करें। ऐप के संचालन अथवा पंजीकरण में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या होने पर निम्न हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है- सुरेश कुमार, सहायक लेखाकार - 9935907680, प्रवीण मदक, कम्प्यूटर ऑपरेटर - 7499938952, दुर्गा शंकर मिश्रा, कम्प्यूटर ऑपरेटर - 7800556560,राजेश शर्मा, कम्प्यूटर ऑपरेटर 9451575696,दीपक कुमार मदक, कम्प्यूटर ऑपरेटर - 9936012820

रास्ता है या स्विमिंग पूल, एक दर्जन गांवों के लोगों और बच्चों को आवागमन में परेशानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सफीपुर, उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर स्थित मियागंज विकास खंड क्षेत्र में लखनऊ बांगरमऊ मार्ग से तियर तक जाने वाला 7 किलोमीटर लंबा मुख्य मार्ग जर्जर हो गया है। गड्ढों में तब्दील होने और पानी की निकासी न होने के कारण यह सड़क तालाब में बदल गई है। इससे लगभग पचास हजार की आबादी और एक दर्जन गांवों के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग पर ब्लॉक संसाधन केंद्र, कंपोजिट विद्यालय और राजकीय बालिका हाई स्कूल भी स्थित हैं, जिससे स्कूल जाने वाले बच्चों को आवागमन में अत्यधिक कठिनाई हो रही है। यह मार्ग औरास और संडीला तक पहुंचने के लिए एक महत्वपूर्ण और निकटतम रास्ता भी माना जाता है। बांगरमऊ से औरास जाने वाले छोटे वाहन इस मार्ग का उपयोग कर लगभग 20 किलोमीटर की दूरी बचाते हैं। आसीवन, मुरव्वतपुर, मुजफ्फरपुर सर्रा, रायपुर, मल्हीमऊ, कनीगांव, गौरा कला, मखदूमपुर शाह सफी, ऐनी खुर्द, ऐनी बुजुर्ग, देवसापुर, कान खेड़ा और बल्देव खेड़ा जैसे गांवों के निवासियों को बांगरमऊ, औरास और संडीला तक जाने के लिए इसी मार्ग से गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों जिनमें दीपक, सुनील, संदीप, अनूप, श्यामू, अरुण, अजय, अंकित और रसूल बक्श शामिल हैं ने बताया कि इस सड़क का निर्माण सात वर्ष पूर्व जिला पंचायत द्वारा कराया गया था। ग्रामीणों के अनुसार निर्माण के बाद से सड़क की कोई देखरेख नहीं हुई, जिसके कारण जगह जगह गहरे गड्ढे हो गए हैं। इन गड्ढों में वाहन गिरने से कई लोग घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सड़क का निर्माण नहीं हुआ तो आगामी चुनावों में जनप्रतिनिधियों को क्षेत्रवासियों के सवालों का सामना करना पड़ेगा। इस संबंध में जिला पंचायत सदस्य फरहान रहमान सफवी ने बताया कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायतें भेजी हैं लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पानी कम होने के बाद विभागीय तकनीकी टीम द्वारा सड़क का निरीक्षण कराया जाएगा और उसके बाद निर्माण कार्य शुरू करने का प्रयास किया जाएगा।

एच 1 एन 1 के लिए जिला अस्पताल में 10 बेड रिजर्व, घबराएं नहीं, सावधानी बरतना जरूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। जिले में इन्फ्लुएंजा वायरस एच 1 एन 1 के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला अस्पताल प्रशासन अलर्ट हो गया है। एहतियात के तौर पर अस्पताल में 10 बेड आरक्षित किए गए हैं। अस्पताल प्रशासन ने संक्रमण की स्थिति को देखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. सुनील शुक्ला ने शनिवार को बताया कि एच 1 एन 1 सहित सांस से फैलने वाली बीमारियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। मरीजों की संख्या और उनकी स्थिति का आकलन करने के बाद 10 बेड रिजर्व किए गए हैं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर मरीजों को भर्ती कर उपचार और चिकित्सकीय निगरानी में रखा जा सके। चिकित्सकों के अनुसार एच 1 एन 1 की शुरुआत में खांसी, बुखार, गले में खराश और नाक बहने जैसे लक्षण दिखाई दे सकते हैं। अधिकांश मामलों में मरीज की स्थिति गंभीर नहीं होती और चिकित्सकीय सलाह पर घर पर रहकर भी उपचार संभव है। हालांकि संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए मरीज को आइसोलेशन में रखना महत्वपूर्ण है। डॉक्टर ने सलाह दी है कि यदि किसी व्यक्ति को खांसी, बुखार या गले में परेशानी हो तो वह घर पर रहे, जांच कराए और चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दवा ले। ऐसे व्यक्तियों को परिवार के अन्य सदस्यों से दूरी बनाए रखने और मास्क पहनने की सलाह दी गई है। मरीज को छूने या उसके संपर्क में आने के बाद हाथों को अच्छी तरह धोना आवश्यक है। चिकित्सकों के मुताबिक यदि मरीज को तेज बुखार के साथ सांस फूलने लगे, सांस लेने में अत्यधिक परेशानी हो या हालत बिगड़ने लगे तो उसे तत्काल अस्पताल ले जाना चाहिए। ऐसे गंभीर मरीजों को भर्ती कर चिकित्सकीय निगरानी में रखने की आवश्यकता पड़ सकती है।

भाजपा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को वेंटिलेटर पर पहुंचाया : अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर उत्तर प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था को बर्बाद करने का आरोप लगाया है। शनिवार को समाजवादी पार्टी प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने 'समाजवादी ऑडिट वेंटिलेटर पर स्वास्थ्य विभाग' नामक पुस्तिका जारी की। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश का स्वास्थ्य विभाग खुद इलाज का मोहताज हो गया है। अस्पतालों में डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी है और इलाज में लापरवाही के कारण मरीजों की जान जा रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल करेगी। सपा की सरकार बनने पर गरीबों से अस्पतालों में किसी प्रकार का कार्ड नहीं मांगा जाएगा और उनका इलाज मुफ्त कराया जाएगा। अखिलेश यादव ने दावा किया कि प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में करीब 41 प्रतिशत पद रिक्त हैं। डॉक्टरों के लगभग छह हजार और नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ के करीब 24 हजार पद खाली हैं। उन्होंने कहा कि गोरखपुर एम्स में डॉक्टरों के 604 पद रिक्त हैं। रायबरेली एम्स में भी करीब 600 डॉक्टरों की कमी बताई गई है। उन्होंने कहा कि गोरखपुर और रायबरेली एम्स के लिए जमीन समाजवादी पार्टी की सरकार के समय उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन भाजपा सरकार इन संस्थानों को पर्याप्त संसाधनों के साथ संचालित नहीं कर पा रही है। अखिलेश ने दावा किया कि प्रदेश में करीब 16 हजार की आबादी पर एक डॉक्टर उपलब्ध है, जबकि मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकारी अस्पतालों में इलाज के दौरान गंभीर लापरवाही की शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि कई जिलों में इलाज के दौरान मरीजों और जच्चा-बच्चा की मौत के मामले सामने आए हैं। उन्होंने लखनऊ, सहारनपुर और गोरखपुर समेत कई जिलों का उल्लेख करते हुए स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाए। अखिलेश यादव ने कहा कि उनकी ओर से जारी पुस्तिका में वाराणसी, बस्ती, प्रयागराज, लखनऊ, आगरा सहित विभिन्न मंडलों और जिलों के आंकड़े शामिल किए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि अस्पतालों में चिकित्सा उपकरणों और अन्य जरूरी सुविधाओं की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार में गरीबों के मुफ्त इलाज की व्यवस्था पर जोर दिया गया था। उन्होंने लखनऊ के लोहिया अस्पताल का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां गरीब मरीजों के इलाज में किसी तरह की परेशानी नहीं होती थी। उन्होंने कैंसर के बढ़ते मामलों का जिक्र करते हुए कहा कि कैंसर का इलाज बेहद महंगा है। सपा सरकार के कार्यकाल में लखनऊ में विश्वस्तरीय कैंसर संस्थान की स्थापना की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने संस्थान का नाम बदल दिया, लेकिन वहां मरीजों को अपेक्षित इलाज और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकारी अस्पतालों की संख्या घट रही है, जबकि निजी अस्पताल लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने सीतापुर, पीलीभीत, कौशाम्बी, बस्ती और अयोध्या समेत कई जिलों का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि गरीब और कमजोर वर्ग के लोगों को इलाज के लिए एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल भटकना पड़ रहा है। सपा की सरकार बनने पर स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और गरीबों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने को प्राथमिकता दी जाएगी।

एसआईईएफ को यूपी की आईटी नीति के तहत मान्यता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ की पहल SMS Incubation and Entrepreneurial Foundation (SIEF) को उत्तर प्रदेश सरकार की ढ्ढ्ढ Policy 2022 / Uttar Pradesh Startup Policy के अंतर्गत मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर के रूप में अनुमोदित कर StartinUP Portal पर सक्रिय किया गया है। SIEF को प्रदेश में हाल ही में अनुमोदित 12 अतिरिक्त इन्क्यूबेटरों में शामिल किया गया है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि Policy Implementation Unit (PIU) की 22 जून 2026 को आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय एवं अनुमोदन के पश्चात प्राप्त हुई है। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा SIEF की मान्यता के संबंध में जारी आधिकारिक सूचना में पुष्टि की गई है कि इन्क्यूबेटर को StartinUP Portal पर मान्यता प्राप्त इन्क्यूबेटर के रूप में स्वीकृत एवं सक्रिय कर दिया गया है। आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा लखनऊ स्थित लोकभवन में आयोजित समारोह के दौरान प्रदेश में नवाचार एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में 24,000 से अधिक स्टार्टअप उत्तर प्रदेश की प्रगति में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया। यह भी बताया कि प्रदेश में 12 नए इन्क्यूबेटरों स्वीकृत एवं मान्यता से उनका योगदान भी प्रदेश के विकास में सराहनीय होगा। यह भी उल्लेखनीय है कि SIEF लखनऊ में स्ववित्तपोषित संस्थानों की श्रेणी में मान्यता प्राप्त करने वाला प्रथम चयनित इन्क्यूबेशन संस्थान है, जो स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। मान्यता प्राप्त होने के साथ SIEF अब StartinUP Portal पर उपलब्ध संबंधित सुविधाओं का उपयोग करते हुए पात्र स्टार्टअप्स एवं उद्यमियों के लिए नीति के अंतर्गत उपलब्ध लाभ, प्रोत्साहन, सहायता एवं योजनाओं से संबंधित पात्र आवेदन एवं प्रस्ताव प्रस्तुत कर सकेगा। यह मान्यता SIEF को उत्तर प्रदेश के स्टार्टअप एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को और अधिक मजबूत करने तथा युवा उद्यमियों को संस्थागत सहयोग प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। इस अवसर पर शरद सिंह, सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज, लखनऊ ने कहा कि SIEF को मिली यह मान्यता SMS तथा SIEF की नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण प्रमाण है। उन्होंने कहा कि संस्थान का प्रयास विद्यार्थियों एवं युवाओं में उद्यमशीलता की भावना को प्रोत्साहित करते हुए उन्हें अपने नवीन विचारों को व्यावहारिक रूप देने के लिए आवश्यक मंच और संसाधन उपलब्ध कराना है। प्रो. भरत राज सिंह, निदेशक, SIEF, ने कहा कि SIEF का उद्देश्य विद्यार्थियों, युवा उद्यमियों, शोधकर्ताओं और नवाचारकर्ताओं को एक ऐसा सशक्त मंच उपलब्ध कराना है, जहाँ उनके नवीन विचारों को मेंटोरशिप, तकनीकी मार्गदर्शन, व्यवसायिक परामर्श, इन्क्यूबेशन, नेटवर्किंग और सरकारी योजनाओं से जोड़कर व्यवहारिक एवं सफल उद्यमों में परिवर्तित किया जा सके।

भाजपा मंडल मंत्री के बंद मकान में लाखों की चोरी, जेवरात व नकदी पार

.......रक्षाबंधन मनाने परिवार के साथ मौसी के घर गई थीं भाजपा नेत्री, डीसीपी व एसीपी ने मौके पर पहुंचकर किया निरीक्षण।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के फुलवारिया मोड़ स्थित ज्योति नगर रोड पर भाजपा मोहनलालगंज मंडल की मंत्री विमलेश शर्मा के बंद मकान को बेखौफ चोरों ने निशाना बनाते हुए लाखों रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और करीब 50 हजार रुपये नकद पार कर दिए। पीड़िता के अनुसार वह शुक्रवार को बेटे, बहू और मां के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाने अपनी मौसी के घर गई थीं। इसी दौरान चोरों ने मुख्य गेट और कमरों के ताले तोड़कर घर में प्रवेश किया तथा अलमारी और बक्सों के ताले तोड़कर सोने का हार, झाले, चेन, तीन अंगूठियां, मांगटीका, मंगलसूत्र, लॉकेट समेत बेटे-बहू के अन्य सोने-चांदी के जेवरात और मां की पेंशन के रखे करीब 50 हजार रुपये चोरी कर लिए। घर लौटने पर पड़ोसी के फोन से चोरी की जानकारी मिली तो परिवार में हड़कंप मच गया। सूचना पर इंस्पेक्टर रामबाबू सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे, वहीं डीसीपी दक्षिण मोहम्मद मुस्ताक और एसीपी मोहनलालगंज राजेश कुमार सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने डॉग स्क्वायड और फील्ड यूनिट की मदद से साक्ष्य जुटाए तथा आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। एसीपी ने बताया कि पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और जल्द घटना के खुलासे व आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमों को लगाया गया है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्रवासियों में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ गई है।

सात दिन बाद पंजाब में मिले आश्रयालय से लापता दो नाबालिग

.......सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों से पुलिस ने ट्रेस की लोकेशन, बुआ के घर से दोनों को सकुशल बरामद किया।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के अतरौली स्थित डॉन बॉस्को आश्रयालय से बिना बताए निकले 14 और 13 वर्षीय दो नाबालिगों को पुलिस ने सात दिन के भीतर पंजाब से सकुशल बरामद कर लिया। दोनों किशोर 18 अगस्त की रात आश्रयालय से निकले थे और वापस नहीं लौटे थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल जांच के जरिए उनकी लोकेशन ट्रेस की और पंजाब पहुंचकर दोनों को उनकी बुआ के घर से सकुशल बरामद कर लिया। जानकारी के मुताबिक, अतरौली स्थित डॉन बॉस्को आश्रयालय के डायरेक्टर बिमल क्रेकेटा ने दोनों नाबालिगों के बिना बताए आश्रयालय से चले जाने और काफी समय तक वापस नहीं लौटने पर मोहनलालगंज कोतवाली में प्रार्थना पत्र दिया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों की तलाश शुरू कर दी। प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह ने नाबालिगों की बरामदगी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित कीं। पुलिस टीमों ने आश्रयालय और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही दोनों के आने-जाने वाले संभावित रास्तों की जानकारी जुटाई। इसके अलावा तकनीकी साक्ष्यों और मैनुअल जांच के जरिए उनकी गतिविधियों का सुराग तलाशा गया। जांच के दौरान पुलिस को दोनों नाबालिगों के पंजाब के सासनगर क्षेत्र में होने की जानकारी मिली। इसके बाद मोहनलालगंज पुलिस की टीम पंजाब के थाना सिटी खरार पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से दोनों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने सासनगर में बताए गए स्थान पर पहुंचकर छानबीन की तो दोनों नाबालिग अपनी बुआ के घर पर सकुशल मिल गए। पुलिस ने दोनों को अपनी अभिरक्षा में लेकर आवश्यक पूछताछ की। पूछताछ में दोनों नाबालिगों ने बताया कि उन्हें डॉन बॉस्को आश्रयालय में अच्छा नहीं लगता था। इसी कारण उन्होंने 18 अगस्त की रात मौका देखकर आश्रयालय से बाहर निकलने का फैसला किया और वहां से पंजाब में रहने वाली अपनी बुआ के घर पहुंच गए। पुलिस के मुताबिक, दोनों नाबालिगों को सकुशल बरामद कर लिया गया है और मामले में नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस की तत्परता, सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी जांच के चलते दोनों नाबालिगों को सात दिन के भीतर दूसरे राज्य से सकुशल बरामद किया जा सका।

11वें दिन भी डटे रहे किसान, एक सितंबर को वन विभाग कार्यालय घेरने का ऐलान

.......कुबहरा-कमलापुर बिचिलखा माइनर मार्ग के डामरीकरण के लिए एनओसी की मांग, विभिन्न संगठनों ने दिया समर्थन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज विकास खंड के कुबहरा गांव स्थित सामुदायिक मिलन केंद्र पर कच्चे मार्ग के डामरीकरण की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का धरना शनिवार को 11वें दिन भी जारी रहा। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि वन विभाग ने जल्द अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर मार्ग निर्माण का रास्ता साफ नहीं किया तो एक सितंबर को मोहनलालगंज स्थित वन विभाग कार्यालय का घेराव किया जाएगा। किसानों का आरोप है कि वन विभाग की ओर से एनओसी जारी न किए जाने के कारण कुबहरा से कमलापुर-बिचिलखा माइनर तक कच्चे मार्ग के डामरीकरण का मामला लंबे समय से अटका हुआ है। धूप, बारिश और उमस भरी रातों में मच्छरों के आतंक के बावजूद किसान अपनी मांग को लेकर धरने पर डटे हुए हैं। धरने को समर्थन देने पहुंचे लोकजनशक्ति के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार उर्फ रिंकू ने सैकड़ों समर्थकों के साथ किसानों के बीच मंच साझा किया। उन्होंने किसान एकता का परिचय देते हुए मार्ग निर्माण की मांग को लेकर चल रहे आंदोलन में पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया और धरने पर बैठे किसानों का उत्साह बढ़ाया। संगठन के मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह ने धर्मेंद्र कुमार और उनके साथ आए पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए आगामी एक सितंबर को वन विभाग कार्यालय के घेराव में सहयोग की अपील की। ब्लॉक अध्यक्ष रमेश कुमार ने कहा कि किसानों की मांग पूरी तरह जायज है और संगठन आंदोलन में पूरी ताकत से सहयोग करेगा। प्रदेश महासचिव दिनेश यादव ने कहा कि प्रशासन यह भ्रम न पाले कि किसान संगठन अलग-अलग गुटों में बंटे हुए हैं। किसानों के हितों की बात आने पर सभी संगठन एक मंच पर खड़े होंगे। उन्होंने कहा कि लोकजनशक्ति के जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार द्वारा धरने को समर्थन दिया जाना इसका उदाहरण है। इस दौरान किसानों ने 'हम सब एक हैं' के नारे भी लगाए। धरने में प्रदेश महासचिव दिनेश यादव, जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार, मंडल महामंत्री हरिपाल सिंह, केशव राम लोधी, धरना प्रबंधक रामकुमार, प्रधान पति, जिला कोषाध्यक्ष राम प्रसाद फौजी, युवा ब्लॉक अध्यक्ष योगेंद्र कुमार समेत सैकड़ों क्षेत्रीय किसान मौजूद रहे। किसानों ने दोहराया कि जल्द एनओसी जारी नहीं होने पर एक सितंबर को वन विभाग कार्यालय मोहनलालगंज का घेराव किया जाएगा।

फर्राटा पंखे में उतरे करंट से विवाहिता की मौत, पति समेत तीन पर दहेज हत्या का मुकदमा

.......मायके पक्ष ने लगाया कम दहेज के लिए प्रताड़ित करने और करंट लगाकर हत्या करने का आरोप, पुलिस जांच में जुटी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक स्वतंत्र प्रभात www.swatantraprabhat.com जो लिखेगा, वही टिकेगा
पुलिस 112 आपात सेवाएं

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के राजाखेड़ा मजरा मऊ गांव में फर्राटा पंखे में उतरे करंट की चपेट में आने से एक विवाहिता की मौत हो गई। घटना के बाद मायके पक्ष ने पति समेत ससुराल पक्ष के तीन लोगों पर कम दहेज के लिए प्रताड़ित करने, मारपीट करने और करंट लगाकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति, ससुर और सास के खिलाफ दहेज हत्या समेत सुसंगत धाराओं और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक उन्नाव जनपद के असोहा थाना क्षेत्र के मदारीखेड़ा निवासी रामगुलाम की पुत्री गीता देवी की शादी राजाखेड़ा मजरा मऊ निवासी हरीलाल के पुत्र प्रमोद कुमार उर्फ लवकुश के साथ हुई थी। आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग गीता को कम दहेज को लेकर प्रताड़ित करते थे। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बीते 13 अगस्त की सुबह गीता घर में लगे फर्राटा पंखे के संपर्क में आ गई। पंखे में करंट उतरने से वह गंभीर रूप से झुलस गई और उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं, मायके पक्ष ने इसे हादसा मानने से इनकार करते हुए ससुरालियों पर गंभीर आरोप लगाए। मृतका के परिजनों ने मोहनलालगंज थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि गीता को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था और उसके साथ मारपीट की जाती थी। उन्होंने ससुराल पक्ष पर करंट लगाकर हत्या करने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर पति प्रमोद कुमार उर्फ लवकुश, ससुर हरीलाल और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया विवाहिता की मौत फर्राटा पंखे में उतरे करंट की चपेट में आने से हुई, जबकि मायके पक्ष ने ससुरालियों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाया है। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है और मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कच्ची दीवार गिरने से 5 वर्षीय बालक की मौत

बिसवां थाना रामपुर कला क्षेत्र के ग्राम लकवा बोझी में कच्ची दीवार गिरने से मलबे में दबकर पांच वर्षीय बालक आर्यन पुत्र सहज राम की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना रामपुर कला क्षेत्र के ग्राम खेतमनी निवासी सहज राम का पुत्र आर्यन रक्षाबंधन पर अपनी मां के साथ मामा के घर आया था। शनिवार को आर्यन घर के अंदर सो रहा था तभी अचानक कच्ची दीवार भरभराकर उसके ऊपर गिर गई। परिजन उसे मलबे से निकालकर सीएचसी बिसवां ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर तहसीलदार अनिल कुमार राम पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

आठ साल पुराने पॉक्सो मामले में आरोपी राजकुमार उर्फ राजा दोषमुक्त

.......साक्ष्य के अभाव में विशेष पॉक्सो न्यायालय ने दिया संदेह का लाभ, आरोपी करीब चार साल रह चुका है जेल में।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। निगोहां थाना क्षेत्र में वर्ष 2018 में दर्ज नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाने और दुष्कर्म के आरोप से जुड़े मुकदमे में विशेष पॉक्सो न्यायालय, लखनऊ ने अभियुक्त राजकुमार उर्फ राजा को साक्ष्य के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। करीब आठ वर्ष पुराने इस मामले में आरोपी लगभग चार वर्ष जेल में भी रह चुका है। मामले के अनुसार, 20 जनवरी 2018 को निगोहां थाना क्षेत्र निवासी प्रेमचन्द्र ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप लगाया था कि राजकुमार उर्फ राजा उनकी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। मामले की विवेचना के दौरान निगोहां पुलिस ने किशोरी को बिहार से सकुशल बरामद किया था और आरोपी राजकुमार उर्फ राजा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस ने विवेचना पूरी करने के बाद आरोपी के खिलाफ धारा 363, 366 और 376 भादवि के साथ ही पॉक्सो एक्ट की धारा 3/4 के तहत आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। इसके बाद मामले का विचारण विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट, लखनऊ की अदालत में चला। विचारण के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से लगाए गए आरोपों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य साबित नहीं हो सके। इस पर विशेष पॉक्सो न्यायालय ने आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए सभी आरोपों से दोषमुक्त कर दिया। अभियुक्त की ओर से अधिवक्ता अजीत प्रताप सिंह यादव ने न्यायालय में पक्ष रखा। बताया गया कि बिहार निवासी राजकुमार उर्फ राजा मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता है। इस मुकदमे के सिलसिले में उसे करीब चार वर्ष जेल में बिताने पड़े। लंबे समय तक चली न्यायिक प्रक्रिया के बाद अदालत से दोषमुक्त होने पर अब उसके सामने सामान्य जीवन की ओर लौटने का रास्ता खुल गया है।

गाली-गलौज का विरोध करने पर महिला को पीटा, हाथ में दांत से काटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

क्राइम
स्वतंत्र प्रभात

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के भावाखेड़ा गांव में गाली-गलौज का विरोध करने पर एक महिला के साथ मारपीट करने और हाथ में दांत से काटकर घायल करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर मोहनलालगंज पुलिस ने दो नामजद समेत तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, भावाखेड़ा गांव निवासी श्रीमती सीमा रावत पत्नी रामकुमार ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीते 25 अगस्त की शाम करीब पांच बजे वह अपने घर के दरवाजे पर मौजूद थीं। आरोप है कि इसी दौरान राजा पुत्र शिवकुमार, शिवा पुत्र शिवकुमार और राजा की पत्नी वहां पहुंच गए और गाली-गलौज करने लगे। सीमा रावत के विरोध करने पर आरोपियों ने लात-घूंसों से उनकी पिटाई कर दी। आरोप है कि मारपीट के दौरान उनके दाहिने हाथ में दांत से काटकर घायल कर दिया गया। पीड़िता ने आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संपादकीय

राष्ट्रीय लघु उधोग दिवस आज

लघु उद्योगों से मजबूत होती आत्मनिर्भर भारत की नींव,रोजगार, उद्यमिता और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने वाले छोटे उद्यमों की बड़ी भूमिका

देश की आर्थिक प्रगति केवल बड़े कारखानों, बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बड़े निवेश से तय नहीं होती। गांवों, कस्बों और छोटे शहरों में चलने वाली हजारों-लाखों छोटी औद्योगिक इकाइयां भी अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इन्हीं उद्यमों के महत्व, योगदान और संभावनाओं को रेखांकित करने के लिए भारत में हर वर्ष 30 अगस्त को राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस मनाया जाता है। यह दिन उन छोटे उद्यमियों, कारीगरों और श्रमिकों के योगदान को सम्मान देने का अवसर है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद उत्पादन, रोजगार और स्थानीय कारोबार को आगे बढ़ाने में जुटे हैं। राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस की पृष्ठभूमि वर्ष 2000 से जुड़ी है। 30 अगस्त 2000 को केंद्र सरकार ने लघु उद्योग क्षेत्र के विकास के लिए व्यापक नीतिगत पैकेज की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य छोटे उद्योगों के सामने मौजूद ढांचागत, तकनीकी और अन्य व्यावहारिक बाधाओं को कम करना तथा उन्हें विकास के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना था। इसी पहल के बाद 30 अगस्त को राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस के रूप में मनाने की परंपरा शुरू हुई। वर्ष 2001 में इस अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन का आयोजन भी किया गया, जिसमें छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित करने और उनकी उपलब्धियों को पहचान देने की दिशा में पहल हुई। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में लघु उद्योगों की उपयोगिता और भी अधिक है। बड़े उद्योग सामान्यतः सीमित औद्योगिक क्षेत्रों में केंद्रित होते हैं, जबकि छोटे उद्यम कम पूंजी और स्थानीय संसाधनों के आधार पर गांवों और छोटे शहरों में भी स्थापित किए जा सकते हैं। इससे स्थानीय लोगों को अपने ही क्षेत्र में काम के अवसर मिलते हैं और रोजगार के लिए बड़े शहरों की ओर पलायन का दबाव कम होता है। यही कारण है कि लघु उद्योगों को संतुलित क्षेत्रीय विकास का महत्वपूर्ण माध्यम माना जाता है।

लघु उद्योगों की सबसे बड़ी ताकत रोजगार पैदा करने की क्षमता है। कम पूंजी में अधिक लोगों को काम देने वाले अनेक व्यवसाय इस क्षेत्र से जुड़े हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प, हथकरघा, लकड़ी का काम, धातु शिल्प, चमड़ा उत्पाद, बांस और स्थानीय उत्पादों से जुड़े उद्योग लंबे समय से लोगों की आजीविका का आधार रहे हैं। महिलाओं और युवाओं के लिए भी छोटे उद्यम स्वरोजगार का रास्ता खोलते हैं। स्थानीय स्तर पर कारोबार शुरू करने से परिवार की आय बढ़ने के साथ आसपास की अर्थव्यवस्था में भी गतिविधियां तेज होती हैं। भारत की पारंपरिक हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग परंपरा को बचाए रखने में भी लघु उद्योगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। देश के अलग-अलग हिस्सों में पीढ़ियों से चली आ रही बुनाई, कढ़ाई, मिट्टी के बर्तन, आभूषण निर्माण, लकड़ी और धातु शिल्प जैसी कलाएं छोटे उद्यमों के माध्यम से आज भी जीवित हैं। इन उद्योगों में केवल वस्तुओं का निर्माण नहीं होता, बल्कि स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक ज्ञान भी अगली पीढ़ी तक पहुंचता है। हथकरघा और वस्त्र क्षेत्र इसका प्रमुख उदाहरण है, जिसने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ-साथ भारतीय कला और पहचान को भी मजबूत किया है। समय के साथ लघु उद्योगों का स्वरूप भी बदला है। पहले जहां अधिकांश छोटे उद्यम स्थानीय बाजार पर निर्भर रहते थे, वहीं डिजिटल तकनीक और इंटरनेट ने उनके लिए बाजार का दायरा देश और दुनिया तक बढ़ा दिया है। अब छोटे कारोबारी अपने उत्पादों की जानकारी डिजिटल माध्यम से ग्राहकों तक पहुंचा सकते हैं। ऑनलाइन कारोबार, डिजिटल भुगतान और आधुनिक संचार साधनों ने छोटे उद्यमियों के लिए नए अवसर पैदा किए हैं। हालांकि तकनीक का लाभ उठाने के लिए प्रशिक्षण, पूंजी और डिजिटल जानकारी की जरूरत बनी हुई है।

लघु उद्योगों के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। पूंजी की कमी इनमें सबसे प्रमुख समस्या है। कई छोटे उद्यमियों के पास कारोबार शुरू करने या उसका विस्तार करने के लिए पर्याप्त धन नहीं होता। बैंक ऋण प्राप्त करने में दस्तावेज, गारंटी और अन्य औपचारिकताएं उनके लिए कठिन हो सकती हैं। इसके अलावा कच्चे माल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, बिजली और परिवहन लागत, आधुनिक तकनीक तक सीमित पहुंच, कुशल श्रमिकों की कमी और बड़े कारोबारियों से प्रतिस्पर्धा भी उनके सामने बड़ी चुनौती है। कई इकाइयों के लिए तैयार माल को उचित बाजार तक पहुंचाना और समय पर भुगतान प्राप्त करना भी कठिन रहता है।

लघु उद्योग क्षेत्र को मजबूत करने के लिए सरकार ने समय-समय पर नीतिगत कदम उठाए हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विकास अधिनियम, 2006 ने इस क्षेत्र के लिए एक व्यापक कानूनी ढांचा उपलब्ध कराया। वर्तमान समय में उद्यमों का वर्गीकरण निवेश और कारोबार के आधार पर किया जाता है तथा उद्यम पंजीकरण की व्यवस्था के माध्यम से छोटे कारोबारों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयास किया गया है। इससे सरकारी सहायता, ऋण, बाजार और अन्य सुविधाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। वास्तव में छोटे उद्योगों की मजबूती का अर्थ केवल कुछ कारोबारों का विस्तार नहीं है। इसका सीधा संबंध रोजगार, स्थानीय उत्पादन, ग्रामीण विकास, महिला सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता से है। जब किसी छोटे शहर में खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित होती है तो केवल वहां काम करने वाले लोगों को रोजगार नहीं मिलता, बल्कि किसानों, परिवहनकर्ताओं, पैकेजिंग से जुड़े लोगों और स्थानीय दुकानदारों के लिए भी आर्थिक अवसर पैदा होते हैं। इस प्रकार एक छोटी औद्योगिक इकाई अपने आसपास की पूरी आर्थिक श्रृंखला को प्रभावित करती है। आज राष्ट्रीय लघु उद्योग दिवस ऐसे समय में मनाया जा रहा है, जब भारत आत्मनिर्भरता, स्थानीय उत्पादन और रोजगार आधारित विकास पर जोर दे रहा है। ऐसे में छोटे उद्यमों को केवल सहायता प्राप्त करने वाले क्षेत्र के रूप में देखने के बजाय उन्हें आर्थिक विकास के साझेदार के रूप में विकसित करना जरूरी है। आसान वित्त, आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण, मजबूत बाजार व्यवस्था और समय पर भुगतान जैसी सुविधाएं छोटे कारोबारों की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकती हैं।

कांतिलाल मांडोत

कानून सबके लिए बराबर है तो कार्रवाई में फर्क क्यों?

राजीव शुक्ला -(संपादक)

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यह विश्वास है कि देश में कानून सर्वोच्च है और कानून की नजर में हर नागरिक बराबर है। संविधान का मूल भाव भी यही है कि किसी व्यक्ति के साथ उसके पद, पैसे, प्रभाव, पहचान या राजनीतिक पहुंच के आधार पर अलग व्यवहार नहीं होना चाहिए। लेकिन जब आम आदमी अपने आसपास की व्यवस्था को देखता है तो उसके मन में एक असहज सवाल जरूर उठता है–अगर कानून सबके लिए बराबर है, तो कार्रवाई में फर्क क्यों दिखाई देता है? यह सवाल केवल किसी एक शहर, विभाग या सरकार का नहीं है। यह उस व्यवस्था से जुड़ा सवाल है, जिसमें कानून बनाने से लेकर उसे लागू करने तक की पूरी प्रक्रिया शामिल है। एक गरीब व्यक्ति सड़क किनारे कुछ सामान रख देता है तो अतिक्रमण हटाने का अभियान तुरंत पहुंच जाता है। उसका ठेला हट जाता है, सामान जब्त हो जाता है और कभी-कभी जुर्माना भी लग जाता है। दूसरी ओर, वर्षों से सार्वजनिक जमीन, फुटपाथ या नाले पर प्रभावशाली लोगों के कब्जे की शिकायतें होती रहती हैं, लेकिन कार्रवाई की गति अचानक धीमी पड़ जाती है। सवाल यह नहीं कि अतिक्रमण हटना चाहिए या नहीं। सवाल यह है कि क्या कानून की कसौटी सबके लिए समान है? यही स्थिति पुलिस और शिकायतों के स्तर पर भी दिखाई देती है। आम नागरिक थाने में शिकायत लेकर जाता है तो उससे कई बार सबूत, गवाह और दस्तावेजों की लंबी सूची मांगी जाती है। प्रभावशाली व्यक्ति की शिकायत पर व्यवस्था कितनी तेजी से सक्रिय होती है, यह अनुभव कई लोगों के मन में व्यवस्था के प्रति सवाल पैदा करता है। यदि शिकायत सही है तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए, चाहे शिकायतकर्ता गरीब हो या प्रभावशाली।

और यदि शिकायत गलत है तो केवल दबाव या पहचान के आधार पर किसी निर्दोष को परेशान नहीं किया जाना चाहिए। कानून का असली सम्मान तभी होगा जब उसका इस्तेमाल व्यक्ति देखकर नहीं, अपराध देखकर हो। हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती कानूनों की कमी नहीं, बल्कि उनके निष्पक्ष और समान अनुपालन की है। कानून की किताब में धाराएं सभी के लिए समान हो सकती हैं, लेकिन जमीन पर उनका इस्तेमाल समान है या नहीं–यही लोकतंत्र की वास्तविक परीक्षा है। अक्सर कार्रवाई की शुरुआत छोटे लोगों से होती है क्योंकि उन पर कार्रवाई करना आसान होता है। मजदूर, दुकानदार, ठेले वाला, गरीब परिवार या कमजोर व्यक्ति प्रशासन के सामने अपनी बात मजबूती से रखने की स्थिति में नहीं होता। लेकिन यही स्थिति व्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा पैदा करती है। यदि कमजोर व्यक्ति को लगे कि कानून केवल उसी पर चलता है और ताकतवर व्यक्ति उससे बच सकता है, तो कानून के प्रति विश्वास कमजोर होने लगता है। न्याय व्यवस्था का आधार केवल सजा देना नहीं, बल्कि निष्पक्षता का भरोसा पैदा करना भी है। यह भी समझना होगा कि हर कार्रवाई को राजनीतिक चश्मे से देखना उचित नहीं है। प्रशासन को अतिक्रमण हटाना है तो हटाना चाहिए, अवैध निर्माण पर कार्रवाई करनी है तो करनी चाहिए, अपराध पर मुकदमा दर्ज करना है तो दर्ज करना चाहिए। लेकिन कार्रवाई की पारदर्शिता और समानता अनिवार्य होनी चाहिए। यदि एक ही प्रकार के मामलों में दो अलग-अलग मानदंड अपनाए जाएंगे तो सवाल उठेंगे ही। सरकारें बदलती रहती हैं, अधिकारी आते-जाते रहते हैं, लेकिन संस्थाएं स्थायी होती हैं। इसलिए किसी भी व्यवस्था की सफलता इस बात से तय नहीं होनी चाहिए कि उसने कितनी कार्रवाइयां कीं, बल्कि इससे तय होनी चाहिए कि उसकी कार्रवाई कितनी निष्पक्ष, पारदर्शी और कानूनसम्मत थी। आज जरूरत इस बात की है कि प्रशासन अपने हर बड़े अभियान के साथ यह भी स्पष्ट करे कि कार्रवाई का आधार क्या है। किस नियम के तहत कार्रवाई की गई? किन लोगों को नोटिस दिया गया? किन्हें समय दिया गया? कितनी शिकायतें मिलीं? कितनों पर कार्रवाई हुई? और क्या समान परिस्थितियों वाले अन्य मामलों में भी वही कार्रवाई की गई? ऐसी पारदर्शिता से केवल जनता के सवालों का जवाब नहीं मिलेगा, बल्कि ईमानदार अधिकारियों को भी राजनीतिक और बाहरी दबाव से बचाने में मदद मिलेगी। कानून का राज तब नहीं माना जाएगा जब केवल कानून की किताबें मौजूद हों। कानून का राज तब माना जाएगा जब एक साधारण नागरिक भी यह विश्वास कर सके कि उसके सामने खड़ा व्यक्ति कितना भी ताकतवर क्यों न हो, गलत करेगा तो कानून उसके दरवाजे तक पहुंचेगा। लोकतंत्र में सत्ता की असली ताकत विरोधियों को दबाने में नहीं, बल्कि अपने समर्थकों पर भी वही कानून लागू करने में होती है। प्रशासन की असली निष्पक्षता कमजोर पर कार्रवाई करने में नहीं, बल्कि ताकतवर के सामने भी नियमों को कायम रखने में दिखाई देती है। इसलिए आज सबसे जरूरी सवाल यही है–क्या हम ऐसा भारत बना रहे हैं जहां कानून व्यक्ति की पहचान नहीं, उसके कृत्य को देखता है? यदि जवाब हां है तो हर कार्रवाई में समानता दिखाई देनी चाहिए। और यदि कहीं कार्रवाई में फर्क दिखाई देता है तो व्यवस्था को रक्षात्मक होने के बजाय आत्ममंथन करना चाहिए। क्योंकि जनता को केवल कार्रवाई नहीं चाहिए–उसे न्याय चाहिए। और न्याय वही है जिसमें कानून की नजर में न गरीब छोटा हो, न अमीर बड़ा; न आम नागरिक कमजोर हो, न प्रभावशाली व्यक्ति कानून से ऊपर। कानून का डर सबको हो और कानून पर भरोसा भी सबको हो–यही सुशासन की पहली

कानून के राज की असली परीक्षा

कानून की नजर में हर नागरिक समान होना चाहिए। कार्रवाई व्यति की पहचान, पद या प्रभाव देखकर नहीं, बल्कि उसके कृत्य और कानून के उल्लंघन के आधार पर होनी चाहिए। गरीब और कमजोर पर तुरंत कार्रवाई तथा प्रभावशाली लोगों के मामलों में देरी से जनता का कानून और व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होता है। अतिक्रमण, अवैध निर्माण या अपराध के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है, लेकिन समान परिस्थितियों में समान मानदंड अपनाना भी उतना ही जरूरी है। प्रशासन की निष्पक्षता तभी साबित होगी, जब कानून ताकतवर और कमजोर दोनों के लिए एक समान हो। जनता को केवल कार्रवाई नहीं, निष्पक्ष न्याय और व्यवस्था पर भरोसा चाहिए।

हर अंचल को उद्योग, हर हाथ को काम, प्रदेश सरकार का संतुलित औद्योगिक विकास

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की विशालता उसकी पहचान भी है और विकास नीति की सबसे बड़ी पहल भी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की औद्योगिक आवश्यकताएं पूर्वांचल से अलग हैं, बुंदेलखंड की भौगोलिक परिस्थितियां मध्य उत्तर प्रदेश से भिन्न हैं और प्रत्येक क्षेत्र के पास अपनी विशिष्ट आर्थिक एवं मानव शक्ति की क्षमता है। ऐसे प्रदेश में वास्तविक औद्योगिक विकास वही होगा जो किसी एक महानगर या औद्योगिक पट्टी तक सीमित न रहकर हर अंचल की ताकत को उसकी आर्थिक पहचान में बदल सके। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में विकसित हो रहे औद्योगिक पार्क और क्लस्टर इसी संतुलित औद्योगिकीकरण की व्यापक परिकल्पना हैं। प्रदेश की कृषि शक्ति को उद्योग से जोड़ने के लिए बरेली में मेगा फूड पार्क महत्वपूर्ण औद्योगिक पार्क है। उत्तर प्रदेश की कृषि उपज यदि स्थानीय स्तर पर प्रसंस्कृत होकर बाजार तक पहुंचती है तो मूल्य संवर्धन का बड़ा हिस्सा प्रदेश के भीतर रह सकता है। इससे किसान को बेहतर बाजार, उद्योग को कच्चा माल और स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। मध्य उत्तर प्रदेश में उन्नाव की ट्रांसगंगा सिटी लखनऊ-कानपुर आर्थिक क्षेत्र की संभावनाओं को नया आधार प्रदान करती है। दो बड़े शहरी एवं आर्थिक केंद्रों के बीच स्थित होने के कारण यह क्षेत्र उद्योग, आवास और सेवा क्षेत्र के विकास की व्यापक संभावना रखता है।

पूर्वांचल में गोरखपुर का गारमेंट पार्क और प्लास्टिक पार्क औद्योगिक गतिविधियों के विकेंद्रीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। स्थानीय स्तर पर उद्योगों के विस्तार से रोजगार के लिए बड़े शहरों की ओर होने वाले पलायन को कम करने की संभावना बनती है और क्षेत्रीय बाजार को नई क्रय शक्ति मिलती है। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में विकसित हो रही परियोजनाएं उत्तर प्रदेश की औद्योगिक विविधता का अलग स्वरूप प्रस्तुत करती हैं। यहां फिल्म सिटी, टॉय पार्क, अपैरल पार्क और हैंडीक्राफ्ट पार्क जैसे अलग-अलग क्षेत्रों के केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। एक ही भौगोलिक क्षेत्र में मनोरंजन, खिलौना निर्माण, वस्त्र और हस्तशिल्प जैसी विविध आर्थिक गतिविधियों का संगम रोजगार की अनेक श्रेणियां पैदा करने की क्षमता रखता है। इसी क्षेत्र में मेडिकल डिवाइस पार्क उच्च तकनीक आधारित उत्पादन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। चिकित्सा उपकरणों की बढ़ती घरेलू मांग को देखते हुए इनके निर्माण को प्रोत्साहित करना औद्योगिक विकास के साथ देश की आत्मनिर्भरता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। औद्योगिक मानचित्र में बुंदेलखंड की बदलती भूमिका विशेष ध्यान आकर्षित करती है। ललितपुर-झांसी क्षेत्र में 1,472 एकड़ भूमि पर फार्मा पार्क विकसित करने की पहल उस क्षेत्र में आधुनिक उद्योग की नई संभावनाओं का द्वार खोलती है जिसे लंबे समय तक सीमित औद्योगिक अवसरों के संदर्भ में देखा जाता था। फार्मा जैसा उच्च मूल्य वाला क्षेत्र बुंदेलखंड में निवेश, तकनीकी रोजगार और सहायक उद्योगों के लिए नई जमीन तैयार कर सकता है।

उत्तर प्रदेश के टेक्सटाइल क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री मित्र योजना के अंतर्गत लखनऊ-हरदोई में मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे लगभग 3 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की संभावना है। तीन लाख रोजगार का अर्थ केवल एक बड़ी औद्योगिक परियोजना नहीं, बल्कि लाखों परिवारों की आय और आसपास के क्षेत्र की अर्थव्यवस्था में व्यापक परिवर्तन की क्षमता है। टेक्सटाइल और अपैरल उद्योग महिलाओं के लिए भी बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है।

उत्तर प्रदेश की पुरानी औद्योगिक पहचान को नई शक्ति देने के लिए हरदोई-कानपुर क्षेत्र में मेगा लेदर क्लस्टर का विकास भी महत्वपूर्ण है। कानपुर की ऐतिहासिक चमड़ा उद्योग क्षमता को आधुनिक क्लस्टर आधारित व्यवस्था से जोड़ना उत्पादन, गुणवत्ता और बाजार विस्तार के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। इसी प्रकार विभिन्न जनपदों में केमिकल एवं फार्मा पार्क विकसित करने की दिशा प्रदेश की औद्योगिक विविधता को और विस्तार देती है। क्लस्टर आधारित उद्योगों का सबसे बड़ा लाभ यह है कि समान प्रकृति की इकाइयों को साझा आधारभूत सुविधाएं, कुशल मानव संसाधन और सप्लाई चेन एक ही क्षेत्र में उपलब्ध हो सकती हैं। इन सभी परियोजनाओं को एक साथ विकसित होने पर मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी की औद्योगिक दृष्टि का एक महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। हर क्षेत्र को उसकी क्षमता के अनुरूप आर्थिक भूमिका देना सरकार की नीति है। बरेली में खाद्य प्रसंस्करण है तो गोरखपुर में गारमेंट और प्लास्टिक; यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र में फिल्म, खिलौना और मेडिकल डिवाइस हैं तो बुंदेलखंड में फार्मा; लखनऊ-हरदोई में टेक्सटाइल है तो हरदोई-कानपुर में लेदर क्लस्टर है।

यह केवल औद्योगिक पार्कों की सूची नहीं, उत्तर प्रदेश के नए आर्थिक भूगोल की संरचना है। विकास जब क्षेत्रीय सीमाओं को पार करता है तभी उसकी सामाजिक स्वीकार्यता और आर्थिक शक्ति दोनों बढ़ती हैं। किसी पिछड़े क्षेत्र में स्थापित उद्योग वहां रोजगार के साथ समृद्धि भी पैदा करती है। वह स्थानीय युवा को यह विकल्प देता है कि भविष्य बनाने के लिए उसे अपना घर और जिला छोड़ना ही आवश्यक नहीं है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में औद्योगिकीकरण का यह विस्तार उत्तर प्रदेश की विशालता को आर्थिक विविधता में बदलने की क्षमता रखता है। यहां उद्देश्य केवल बड़े उद्योग स्थापित करना नहीं, बल्कि प्रदेश के अलग-अलग अंचलों को उत्पादन और रोजगार की नई पहचान देना है। जब बरेली का किसान फूड प्रोसेसिंग से, गोरखपुर का युवा गारमेंट उद्योग से, बुंदेलखंड का नौजवान फार्मा से, लखनऊ-हरदोई का परिवार टेक्सटाइल से और यमुना एक्सप्रेसवे क्षेत्र का युवा आधुनिक तकनीकी उद्योगों से जुड़ेगा, तभी निवेश का आंकड़ा जनजीवन की उपलब्धि बनेगा। मुख्यमंत्री जी के औद्योगिक उत्तर प्रदेश की सबसे सार्थक तस्वीर यही है कि विकास कुछ केंद्रों का विशेषाधिकार नहीं बल्कि हर अंचल का अवसर बने।

जयेन्द्र सिंह
सहयुक्त संपादक

दैनिक राशिफल

मेष–मेष राशि के जातकों की नई नौकरी की तलाश पूरी हो सकती है। जो लोग रोजगार के अवसरों की तलाश में हैं, उन्हें आज अच्छे प्रस्ताव मिलने की पूरी संभावना है। हालांकि पारिवारिक जीवन में थोड़ा संयम रखने की आवश्यकता है, क्योंकि अपनों के साथ संबंधों में कुछ तनाव उत्पन्न हो सकता है।

वृषभ–वृषभ राशि के जातकों को जीवन के सभी क्षेत्रों में संतुलन बनाकर चलने की आवश्यकता होगी। आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा।

मिथुन–मिथुन राशि के जातकों को अपने काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहने से बचना होगा, अन्यथा कार्यों की गति धीमी पड़ सकती है।

कर्क–कर्क राशि के जातकों को उनकी मेहनत और बौद्धिक क्षमता का सही संतुलन समाज में मान–प्रतिष्ठा दिलाएगा। राजनीति से जुड़े जातकों के लिए नए प्रयोग सफल साबित होंगे।

सिंह–सिंह राशि के जातकों को दूसरों को अवसर देते हुए धैर्य बनाए रखना होगा और नतीजों का सकारात्मक रूप से इंतजार करना होगा। इस दौरान आपकी पुरानी बचत का कुछ हिस्सा खर्च हो सकता है, लेकिन इससे मन में प्रसन्नता बनी रहेगी।

कन्या–कन्या राशि के जातक आज अपने शैक्षणिक और बौद्धिक कार्यों में बेहतर एकाग्रता महसूस करेंगे। यदि आप अपने दैनिक कार्यों का समयबद्ध नियोजन करते हैं तो उच्च स्तर की सफलता प्राप्त होगी। अपनी ऊर्जा और सोच को सकारात्मक बनाए रखने के लिए नकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों से दूरी बनाकर रखें।

तुला–तुला राशि के जातक अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए अत्यधिक मेहनत करेंगे और बेहतर परिणाम देने का प्रयास करेंगे। इवेंट प्रबंधन और बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन नए अनुबंध और बड़े अवसर दिलाने वाला सिद्ध हो सकता है।

वृश्चिक–वृश्चिक राशि के जातकों का संपत्ति से जुड़े विवादों में पलड़ा भारी रहेगा। निर्माण और बुनियादी ढांचे से जुड़े व्यवसाय में सफलता मिलने के प्रबल योग हैं। प्रेम संबंधों में चल रही पुरानी समस्याओं के स्थाई समाधान पर सकारात्मक बातचीत हो सकती है।

धनु–धनु राशि के जातकों के लिए जिद और टकराव का रास्ता छोड़कर सरलता और सहनशीलता से काम लेने का समय है। माता–पिता के स्वास्थ्य को लेकर मन में कुछ चिंता रह सकती है।

मकर–मकर राशि के जातकों की कार्यक्षमता और निष्ठा देखकर उच्च अधिकारियों का विश्वास आप पर बढ़ेगा। व्यक्तिगत और भावनात्मक संबंधों में अपने साथी को भी अपनी बात खुलकर कहने का पूरा अवसर दें।

कुंभ–कुंभ राशि के जातकों को राजनीतिक और सार्वजनिक मामलों में विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। करीबी लोगों से धोखा मिलने की संभावना बन रही है, इसलिए सतर्क रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, हालांकि पारिवारिक मोर्चे पर परिजनों का पूरा सहयोग मिलेगा।

मीन–मीन राशि के जातकों को कार्यस्थल पर सहकर्मियों और मेहनती लोगों का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। पुराना रुका हुआ धन वापस मिलने के आसार हैं, जिसके लिए थोड़ा प्रयास करना होगा। इसके अतिरिक्त अचल संपत्ति में वृद्धि के नए अवसर भी प्राप्त हो सकते हैं।

कौशांबी में एग्री जंक्शन योजना: स्वरोजगार और कृषि, सशक्तिकरण की नई पहल

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण तथा शिक्षित युवाओं को स्थानीय स्तर पर स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से 'प्रशिक्षित कृषि उद्यमी स्वावलंबन योजना' (एग्री जंक्शन - वन स्टॉप शॉप) का संचालन पूरे राज्य में प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। जनपद कौशांबी में इस महत्वाकांक्षी योजना को धरातल पर उतारने के लिए जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक विकासखंड स्तर पर एग्री जंक्शन केंद्रों की स्थापना सुनिश्चित की जा रही है। यह पहल कृषि और संबद्ध विषयों के डिग्री व डिप्लोमाधारी युवाओं को उद्यमिता से जोड़ते हुए स्थानीय अन्नदाताओं को एक ही छत के नीचे खेती-किसानी से जुड़ी समस्त आधुनिक सुविधाएं, वैज्ञानिक परामर्श और गुणवत्तापूर्ण इनपुट्स उपलब्ध कराने की दिशा में एक युगांतरकारी कदम सिद्ध हो रही है। जनपद कौशांबी की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार कृषि और उद्यानिकी है, जहां गंगा और यमुना के दोआब क्षेत्र में धान, गेहूं, दलहन, तिलहन और अमरूद की बड़े पैमाने पर खेती की जाती है। इस समृद्ध भौगोलिक पृष्ठभूमि में किसानों को उत्तम बीज, संतुलित रासायनिक व जैविक खाद, कीटनाशक दवाएं और उन्नत कृषि यंत्र प्राप्त करने के लिए अक्सर दूर-दराज के बाजारों या निजी व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ता था। इससे न केवल उनके बहुमूल्य समय और धन का अपव्यय होता था, बल्कि गुणवत्ताहीन उत्पादों के कारण फसलों को नुकसान का जोखिम भी बना रहता था। जनपद के समस्त विकासखंडों-मंझनपुर, सिराथू, चायल, मूरतगंज, कड़ा, सरसवां, नेवादा और कौशांबी में एग्री जंक्शन केंद्रों की स्थापना से किसानों को उनके गांव के समीप ही सभी प्रामाणिक सामग्री सुलभ हो रही है। इस योजना के अंतर्गत कृषि स्नातक, कृषि व्यवसाय प्रबंधन स्नातक और स्नातकोत्तर युवाओं को केंद्र संचालन के लिए पात्र माना गया है। इसके अतिरिक्त, उद्यानिकी, वानिकी, दुग्ध विज्ञान, पशुपालन, पशु चिकित्सा और मत्स्य पालन जैसे संबद्ध क्षेत्रों में डिग्री या अनुभव रखने वाले डिप्लोमाधारी अभ्यर्थी भी इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदक की अधिकतम आयु सीमा 40 वर्ष निर्धारित है, जिसमें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला अभ्यर्थियों को नियमानुसार 5 वर्ष की छूट अनुमन्य है। जिला प्रशासन की देखरेख में गठित चयन समिति द्वारा पारदर्शी रूप से अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है, जिसमें स्थानीय ब्लॉक के निवासी युवाओं को वरीयता दी जाती है। चयनित अभ्यर्थियों को कृषि व्यवसाय प्रबंधन, वित्तीय अनुशासन, ग्राहक सेवा, फसल सुरक्षा तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर आधारित 12 दिवसीय विशेष आवासीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण होने के पश्चात अभ्यर्थियों को उर्वरक, बीज एवं कीटनाशक दवाओं के व्यावसायिक विक्रय हेतु अनिवार्य लाइसेंस बिना किसी विलंब के त्वरित प्रक्रिया से जारी किए जाते हैं। इससे युवाओं को सरकारी दफ्तरों के औपचारिक फेर से मुक्ति मिलती है और वे पारदर्शिता के साथ अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान का संचालन प्रारंभ कर पाते हैं। युवा उद्यमियों को वित्तीय स्थिरता प्रदान करने के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा संस्थागत बैंकों के माध्यम से 5 लाख रुपये तक की परियोजना लागत पर सुगम ऋण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। इस ऋण पर लगने वाले ब्याज को कम करने के लिए शासन द्वारा अधिकतम 60,000 रुपये तक का ब्याज उपादान (सब्सिडी) प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही, केंद्र स्थापना के प्रारंभिक दबाव को कम करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठान के किराए पर एक वर्ष की अवधि के लिए 50 प्रतिशत अथवा अधिकतम 1,000 रुपये प्रतिमाह का अनुदान भी दिया जा रहा है। इस बहुस्तरीय वित्तीय सहयोग से ग्रामीण युवाओं की प्रारंभिक पूंजी लागत काफी घट जाती है और वे सुदृढ़ आधार के साथ अपना उद्यम संचालित करते हैं। एग्री जंक्शन केंद्र केवल दुकानों तक सीमित न रहकर बहुआयामी सेवा केंद्रों के रूप में कार्य कर रहे हैं। इन केंद्रों पर अत्याधुनिक मृदा परीक्षण (सॉइल टेस्टिंग) प्रयोगशाला उपकरण उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मिट्टी के नमूनों की वैज्ञानिक जांच के उपरांत संचालक किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के आधार पर संस्तुति देते हैं कि खेत में किस पोषक तत्व की कमी है। इससे किसान अंधाधुंध रासायनिक उर्वरक डालने के बजाय आवश्यक मात्रा में जैव उर्वरक, माइक्रोन्यूट्रिएंट्स, जिंक, बोरॉन और वर्मी कंपोस्ट का संतुलित प्रयोग कर रहे हैं। इसके फलस्वरूप उत्पादन लागत में भारी गिरावट आ रही है और भूमि की उर्वरता भी लंबे समय के लिए सुरक्षित हो रही है। जनपद कौशांबी के अधिकांश किसान लघु एवं सीमांत श्रेणी में आते हैं, जिनके लिए आधुनिक, महंगे और स्वचालित कृषि यंत्रों को निजी तौर पर खरीदना आर्थिक रूप से व्यावहारिक नहीं होता। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए एग्री जंक्शन केंद्रों पर 'कस्टम हायरिंग सेंटर' की सुविधा विकसित की गई है। इन केंद्रों से किसान नाममात्र के किराए पर ट्रैक्टर चालित रोटावेटर, रीपर, सीड-कम-फर्टिलाइजर ड्रिल, डिस्क हैरो, पावर टिलर और आधुनिक बैटरी स्प्रेयर प्राप्त कर सकते हैं। इसके साथ ही, इन केंद्रों पर कृषि उपकरणों की मरम्मत एवं तकनीकी अनुरक्षण की व्यवस्था भी दी जा रही है, जिससे जुताई और कटाई के महत्वपूर्ण समय पर किसानों के कृषि कार्य बाधित नहीं होते। एग्री जंक्शन व्यवस्था कौशांबी के शिक्षित युवाओं को रोजगार की तलाश में बड़े शहरों की ओर पलायन करने के बजाय अपने ही क्षेत्र में 'जॉब सीकर' से 'जॉब क्रिएटर' बनने का मंच दे रही है। एक केंद्र के माध्यम से न केवल संचालक को रोजगार मिलता है, बल्कि उपकरण संचालन, ढुलाई, मरम्मत और फील्ड कार्य में अन्य स्थानीय युवाओं को भी प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होता है। कौशांबी जनपद में एग्री जंक्शन योजना का यह सुव्यवस्थित नेटवर्क कृषि क्षेत्र में एक व्यापक बदलाव ला रहा है। युवाओं की तकनीकी विशेषज्ञता और किसानों के पारंपरिक अनुभव के समन्वय से जनपद के गांवों में उत्पादकता, गुणवत्ता और लाभप्रदता का एक नया वातावरण निर्मित हुआ है। यह व्यवस्था जनपद कौशांबी को कृषि आत्मनिर्भरता और ग्रामीण समृद्धि के नए शिखर पर ले जाने में अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

सूचनाधिकारी जनपद कौशांबी/
डॉ0 सीमा गुप्ता (से0नि0 सहा0निदे0)

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

चडराऊ गांव में बिजली गुल होने और खराब ट्रांसफार्मर (डीपी) न बदले जाने से फूटा ग्रामीणों गुस्सा

पुलिस ने ग्रामीणों को जल्द ही आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन देकर जाम खुलवा कर आवागमन कराया सुचारू

महरौनी रोड पर ध्वस्त विद्युत आपूर्ति की समस्या को लेकर ग्रामीणों का चक्का जाम

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

वैसे तो योगी सरकार ने शहरी इलाके में 24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 18 घंटे की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की है। लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता की चलते आज भी जनपद के कई ग्रामीण क्षेत्र विद्युत आपूर्ति से वंचित हैं, क्योंकि यहां पर कभी विद्युत लाइनों में फाल्ट है, तो कहीं का ट्रांसफार्मर जल गया है, जो बदला नहीं जा रहा, जिससे विद्युत विभाग के खिलाफ ग्रामीणों में गुस्सा फूट रहा है। ऐसे ही एक मामले में ध्वस्त विद्युत आपूर्ति को लेकर जनपद के ग्राम मिर्चवारा विधुत सब स्टेशन पर ग्रामीणों का गुस्सा फूटा और करीब एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने विद्युत सब स्टेशन का घेराव करते हुए महरौनी की मुख्य सड़क को जमकर जमकर धरना प्रदर्शन किया। हालांकि धरना प्रदर्शन की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को इलाके की जल्द ही विद्युत आपूर्ति बहाल करने का आश्वासन देकर धरना प्रदर्शन शांत कराया।

मिली जानकारी के अनुसार जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कई विद्युत सब स्टेशन बनाये गये हैं, जहां से अलग-अलग फीडरों की विद्युत आपूर्ति तय की जाती है। लेकिन जिम्मेदारों की उदासीनता के चलते कई विद्युत सभी स्टेशनों पर कम समय से नहीं किया जाता जिससे ग्रामीण क्षेत्र की आपूर्ति बाधित रहती है और ग्रामीणों में आक्रोश पनपता रहता है, जबकि शासन के निर्देशानुसार शहरी क्षेत्र में 24 घंटे और ग्रामीण इलाकों में लगभग 18 घंटे की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है, ताकि लोगों को किसी भी तरह की सुविधा न हो। बताया गया है कि महरौनी रोड पर स्थित ग्राम मिर्चवारा में एक विद्युत सबस्टेशन बनाया गया है जो, महरौनी विकासखंड के अंतर्गत खितवांस फीडर में आने वाले करीब एक दर्जन से अधिक गांव की विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करता है। लेकिन मिर्चवारा सब स्टेशन पर तैनात कर्मचारियों की लापरवाही के कारण खितवांस फीडर में खितवास फीडर के चडराऊ गांव में खराब ट्रांसफार्मर (डीपी) पिछले करीब 20 दिन से खराब होने के कारण इस गांव और आसपास के इलाकों की विद्युत आपूर्ति बाधित है, और कई शिकायत करने के बाद भी जिसकी सुनवाई नहीं हो रही थी। जब विद्युत आपूर्ति सुचारू करने के लिए ग्रामीणों की सुनवाई नहीं हुई, तो करीब एक सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों ने शनिवार की सुबह करीब 9:00 बजे एक राय होकर महरौनी रोड पर मिर्चवारा विद्युत सब स्टेशन के सामने जाम लगाकर जमकर प्रदर्शन किया और विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारियों के साथ-साथ प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने सड़क के दोनों तरफ बड़ी-बड़ी पेड़ों की डालियां रखकर पूरी तरह जाम कर दिया और किसी को भी नहीं निकलने दिया। सड़क पर चक्का जाम होने के कारण दोनों तरफ वाहनों की लंबी-लंबी कतार लग गई और यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। करीब एक घंटे तक चल धरना प्रदर्शन के बाद जब इस घटना की जानकारी पुलिस को हुई, तब पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को इलाके की जल्द ही विद्युत आपूर्ति से चारों करने का अस्वसन देकर जाम खुलवाया और यातायात से चालू कराया।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन्स में शनिवार को पुलिस परिवार के बच्चों एवं पुलिसकर्मियों के परिवारजनों के लिए विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस परिवार के बच्चों में खेल के प्रति रुचि एवं उत्साह बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें शारीरिक रूप से स्वस्थ एवं फिट रहने के लिए प्रेरित करना रहा।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान योगा, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट सहित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस परिवार के बच्चों द्वारा उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया गया। बच्चों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा, अनुशासन, टीम भावना एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। बताया गया कि नियमित खेल एवं व्यायाम से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी बेहतर रहता है तथा व्यक्ति में अनुशासन, आत्मविश्वास, एकाग्रता एवं टीम भावना का विकास होता है। विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

संक्षिप्त खबरें

कारी पहाड़ी में गाली गलौज मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने का आरोप

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम कारी पहाड़ी में दो ग्रामीणों के बीच उत्पन्न हुए विवाद के दौरान एक पक्ष के दो लोगों ने मिलकर एक राय होकर विपक्षी को दबोच कर उसके साथ गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। घटना के संबंध में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों पर मामला दर्ज किया है।

ग्राम कारी पहाड़ी निवासी श्याम पुत्र भूवन रैकवार ने थाना जखौरा पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 27 अगस्त 2026 को रात्रि करीब 11:00 बजे उसकी कहासुनी गांव में ही रहने वाले उसके पड़ोसी तउ पुत्र हरिराम रैकवार से हो गई थी। इस दौरान दोनों के बीच जमकर कहासुनी हुई। इस कहासुनी से आक्रोशित विपक्षी ने उसे मौके पर दबोच लिया और अपने एक सहयोगी के बल पर उसके साथ सरेआम गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। थाना जखौरा पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर दोनों आरोपियों के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

गांव के दबंग पर लगाया विवाद के दौरान गाली गलौज मारपीट कर धमकी देने का आरोप पीड़ित की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बानौनी निवासी राजा जु पुत्र अशोक यादव ने थाना बानपुर पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया कि दिनांक 27 अगस्त 2026 को शाम 7:00 बजे वह गांव में जा रहा था, तभी उसकी कहासुनी विपक्षी कंछेदी पुत्र जुगते लुहार से हो गई थी। इस दौरान आक्रोशित कंछेदी ने उसे मौके पर दबोच कर उसके साथ सरेआम गाली गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। थाना बानपुर पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर आरोपी विपक्षी के खिलाफ 115(2), 352, 351(3) धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

प्रशासन की नाक के नीचे 'मज़ार जिहाद' का खुला खेल

सरस धाम के पास आनंदपुर के सामने वाली गली अवैध मजार निर्माण करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रदेश में भले ही हिंदुत्व वाली महंत योगी आदित्यनाथ की सरकार चल रही हो लेकिन यहां पर अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय द्वारा कहीं भी कभी भी अनाधिकृत रूप से किसी की भी जमीन या किसी सरकारी जमीन पर अवैध रूप से छोटी सी मजार का निर्माण कर बाद में उसे बड़ा रूप दे दिया जाता है और अपनी आस्था का स्थल बता दिया जाता है। ऐसे कई प्रकरण संज्ञान में आने के बाद विवाद की स्थिति खड़ी होती है। ऐसे ही मामले को लेकर एक हिंदूवादी नेता ने सोशल मीडिया पर प्रतिक्रिया जाहर करते हुए शहर के बाहरी क्षेत्र में एक अवैध मजार निर्माण करने का हवाला देते हुए आक्रोश व्यक्त किया और जिला प्रशासन से मामले की जांच करते हुए कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग उठाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार में आज भी अल्पसंख्यक मुस्लिम समुदाय द्वारा बिना किसी अनुमति के जब मर्जी, जहां मर्जी सरकारी और सार्वजनिक जमीनों पर मजारों का अवैध निर्माण खड़ा कर देना किस कानून के तहत आता है, यह बात समझ से परे है। ऐसे ही एक मामले को लेकर हिंदूवादी ने तब बृजेंद्र सिंह गौर ने अपनी फेसबुक आईडी पर शहर के राजघाट रोड पर स्थित सरस धाम के पास आनंदपुर के सामने वाली गली में एक और मजार का अवैध निर्माण करने का दावा किया है और इस मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल किया। इसके बाद फेसबुक के माध्यम से ही हिंदूवादी नेता ने जिला प्रशासन से इस पूरे मामले की जांच करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्यवाही एवं अवैध रूप से निर्मित की गई मजार को हटवाने की मांग उठाई है। इस दौरान उन्होंने प्रशासन से सवाल किया है कि क्या ललितपुर का प्रशासन सो रहा है? क्या सरकारी नियमों और अनुमति की धज्जियाँ उड़ाने की खुली छूट सिर्फ एक विशेष समुदाय को है? बिना प्रशासनिक अनुमति के सार्वजनिक रास्तों और जमीनों पर यह अतिक्रमण क्यों और किसकी शह पर हो रहा है? यह सिर्फ एक अवैध निर्माण नहीं, बल्कि शहर के सौहार्द और व्यवस्था को चुनौती देने की सोची-समझी साजिश है। आज अगर हम चुप रहे, तो कल हमारी गलियों और रास्तों पर निकलना दूभर हो जाएगा। हमारी मांग है कि प्रशासन तुरंत इस अवैध निर्माण का संज्ञान ले, इसकी जांच कराए और इसे तत्काल ध्वस्त कर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करे। क्योंकि कानून सबके लिए बराबर होना चाहिए। जैसे ही यह पोस्ट फोटो वीडियो के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हुई, वैसे ही कई हिंदूवादी संगठनों ने इस पर प्रतिक्रिया जाहिर की और जिला प्रशासन से मामले की जांच करवाकर कार्रवाई की मांग उठाई, अन्यथा की दृष्टि में वृहद धरना प्रदर्शन आंदोलन करने की चेतावनी दी। अब इस मामले में देखने वाली बात यह होगी कि जब फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से यह पोस्ट वायरल हुई है, तो फिर जिला प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई अमल में लाता है। बताते चलें कि शहर के अंदर और शहर के बाहर ऐसे कई स्थान है, जहां पर मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय द्वारा छोटी सी मजार का निर्माण कराया गया और बाद में धीरे-धीरे इसे बड़ा स्वरूप दे दिया गया और अब वहां से उन्हें हटा पाना नामुमकिन के नजर आ रहा है। जिसका जीता जागता प्रमाण मेडिकल कॉलेज के बाहर स्थित एक छोटी सी मजार का है, जो वर्तमान में बड़ी मस्जिद के रूप में परिवर्तित होती दिखाई दे रही है और दूसरा प्रकरण फूटा बंगाल का है, जहां पर एक छोटी सी मजार बनी थी और अभी है मजार बड़ा रूप ले चुकी है, जिसे अब हटा पाना नामुमकिन नजर आ रहा है। इसके साथ ही बानपुर कस्बे में भी बनी हुई एक मजार भी सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर बनाई गई मजार बताई जा रही है।

मेजर ध्यानचंद की जयंती खेल प्रतियोगिताओं के साथ हुई सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल में हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी की जयंती बड़े हर्ष एवं उल्लास के साथ खेल दिवस के रूप में मनाई गयी। कार्यक्रम का शुभारम्भ मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय गतिविधियों के प्रभारी आर०पी० सिंह ने एवं ध्यानचंद सदन के छात्रों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किये। भव्य जैन एवं छात्रा यात्रिका जैन ने मेजर ध्यानचंद जी के जीवन परिचय एवं खेल जगत में उनके योगदान पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डाला।

तदुपरान्त विद्यार्थियों के लिये विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई जिनमें विद्यार्थियों ने बड़े ही उमंग एवं उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। विविध खेल प्रतियोगिताओं में कक्षा पीसी में आइसक्रीम बॉल रेस, नर्सरी में बैलेंस रेस, एलकेजी में स्टेप बाय स्टेप रेस, यूकेजी में स्नेक रेस, कक्षा 1 में हूप बॉल रेस, कक्षा 2 में बॉल बकेट रेस, कक्षा 3 में क्रैब वाल्क रेस (छात्र), पेन्सिल बैलेन्स रेस (छात्रा) एवं कक्षा 4 से 8 के छात्र-छात्राओं द्वारा भी खो-खो, कबड्डी, रेस आदि का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। विद्यालय प्रभारी आर०पी० सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि आज से 115 वर्ष पूर्व आज ही के दिन 29 अगस्त 1905 को हॉकी के इस महान जादूगर का जन्म इलाहाबाद में हुआ था। उन्हें भारत एवं विश्व हॉकी के क्षेत्र में सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। वे तीन बार ओलम्पिक स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य रहे जिनके गौरवशाली प्रतिनिधित्व में 1928 का एम्सटर्डम ओलम्पिक, 1932 का लॉस एंजिल्स ओलम्पिक शामिल है। मेजर ध्यानचंद जी के जन्म दिन को भारत में राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाना विद्यालय के संस्थापक एवं तत्कालीन सांसद पं० विश्वनाथ शर्मा जी के प्रयासों का प्रतिफल है। दद्दा ने अपनी सतत साधना, अभ्यास, लगन, संघर्ष एवं दृढ़ संकल्प के सहारे यह प्रतिष्ठा हासिल की थी। 42 वर्ष की आयु तक खेलने के बाद वर्ष 1948 में हॉकी से सन्यास लेकर कैंसर जैसी बीमारी से लड़ते-लड़ते सन् 1979 में हॉकी के इस जादूगर ने हमेशा के लिये हमसे विदा ली। इस अवसर पर रानी लक्ष्मीबाई पब्लिक स्कूल झाँसी में अन्तर्विद्यालयीन विभिन्न खेल प्रतिस्पर्द्धाओं में प्रतिभाग करने एवं अपनी खेल प्रतिभा को निखारने के लिये प्रतिभागियों का एक दल व्यायाम शिक्षक जाविद अली एवं वर्षा साहू के संरक्षण में रवाना हुआ।

पेड़ों को राखी बांधकर लिया वृक्षों की रक्षा का संकल्प

गोविंद सागर बांध की तलहटी में डैम ग्रुप के तत्वावधान में हुआ अनूठा कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

डैम ग्रुप के तत्वावधान में शनिवार को गोविंद सागर बांध की तलहटी में लगाए गए वृक्षों को रक्षा सूत्र (राखी) बांधकर उनकी सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्वामी अनुराग अमर ने की, जबकि कार्यक्रम का नेतृत्व बुंदेलखंड सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने किया।

कार्यक्रम के दौरान डैम ग्रुप के सदस्यों ने बांध की तलहटी में लगे विभिन्न पेड़ों को राखी बांधी और उनकी नियमित देखभाल, सुरक्षा तथा संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पेड़ों को मानव जीवन का अभिन्न अंग बताया गया। बुंदेलखंड सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू ने कहा कि वृक्ष हमें जीवन प्रदान करते हैं। जीवनदायिनी ऑक्सीजन के साथ-साथ फल, फूल और अनेक उपयोगी संसाधन हमें पेड़ों से प्राप्त होते हैं। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल मनुष्य के लिए ही उपयोगी नहीं हैं, बल्कि पशु-पक्षियों और सभी प्रकार के जीव-जंतुओं को आश्रय, भोजन और जीवन का आधार भी प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार हम अपने परिवार के सदस्यों की रक्षा करते हैं, उसी प्रकार पेड़ों की भी रक्षा करना हमारा दायित्व है। वृक्षों से हमें प्रकृति के प्रति समर्पण और निःस्वार्थ सेवा की सीख मिलती है।

यदि हम पर्यावरण को सुरक्षित रखना चाहते हैं तो अधिक से अधिक पौधे लगाने के साथ-साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा भी सुनिश्चित करनी होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे स्वामी अनुराग अमर ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम पांच वृक्ष अवश्य लगाने चाहिए और उनकी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मनुष्य सहित प्रत्येक जीव के लिए ऑक्सीजन आवश्यक है और प्रकृति में ऑक्सीजन के संतुलन को बनाए रखने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि वे पौधरोपण के साथ उनके संरक्षण को भी अपनी जिम्मेदारी समझें, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए पर्यावरण हरा-भरा और स्वच्छ बना रहे। कार्यक्रम के दौरान डैम ग्रुप के विभिन्न सदस्यों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया और वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि वे लगाए गए वृक्षों की नियमित देखभाल करेंगे और अधिक से अधिक लोगों को वृक्ष संरक्षण के लिए प्रेरित करेंगे। स्वामी अनुराग अमर, हरीश कपूर टीटू, लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा आचार्य जी, महेन्द्र अग्निहोत्री,अमित सोनी पत्रकार, विजय श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, कमलापति रिछारिया, सलीम मंसूरी, अमित प्रिय जैन, एड रूपनारायण विश्वकर्मा चोटी स्वामी, स्वदेश अग्रवाल डब्बू, भरत लाल सेन, हेमन्त रोड़ा, जयपाल ऐरा, सुनील जैन, इं. बहादुर पस्तोर, आशाराम शर्मा, रजनीश पुरोहित, अनिल सैनी, राजेन्द्र यादव, संदीप तिवारी, जयवीर यादव, संजय मटका, मनोज मिश्रा, पप्पू यादव, हंस स्वामी, करोड़ी लाल कुशवाहा, लखनलाल विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग महिला की गई जान, सीएससी जखौरा में किया मृतक घोषित

ललितपुर। जखौरा थाना क्षेत्र के सीरोन कला गांव में शनिवार को एक सड़क हादसे में बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। महिला को टक्कर मारने के बाद चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतिका शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम सीरोन कला निवासी 62 वर्षीय इंद्राणी पत्नी भुज्जा सहरिया शनिवार को गांव में थीं। बताया गया कि सत्यभान पुत्र देवी सहरिया अपने दोस्त की बाइक लेकर अपनी मां को लेने जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में बाइक अनियंत्रित हो गई और इंद्राणी से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि इंद्राणी गंभीर रूप से घायल हो गई और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों और परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन तुरंत इंद्राणी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जखौरा में इलाज के लिए भर्ती कराया । सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चिकित्सकों ने जांच के बादइंद्राणी को मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में मातम छा गया। घटना के बाद बाइक चालक मौके से फरार हो गया। पटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मृतिका के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया इसके साथ ही वह बाइक चालक की तलाश में जुट गई है।

सोंरई स्वास्थ्य उपकेंद्र में चोरी, बैटरी व इनवर्टर ले गए चोर

ललितपुर। विकासखंड मडावरा अंतर्गत ग्राम सोंरई स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाते हुए ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और वहां रखे बैटरी व इनवर्टर पर हाथ साफ कर दिया। घटना की जानकारी आसपास के लोगों को होने पर उन्होंने स्वास्थ्य उपकेंद्र पर तैनात सीएचओ को सूचना दी। सीएचओ द्वारा घटना की सूचना पीआरवी-112 व थाना मड़ावरा पुलिस को देते हुए लिखित शिकायत सौंपी गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। सीएचओ हेमंत सागर ने बताया कि उन्हें आसपास के लोगों द्वारा सूचना मिली कि उपकेंद्र का ताला टूटा है जिसके बाद वह और ग्राम प्रधान भगवानदास रजक मौके पर पहुंचे। अंदर जाकर देखा तो बैटरी व इनवर्टर गायब थे। इसके अलावा अन्य सभी सामान यथावत रखा हुआ था। घटना की सूचना डायल 112 को दी गई व सम्बंधित थाना मड़ावरा पुलिस को दी गई। फिलहाल सीएचओ ने पुलिस से जाँच व वैधानिकता कार्यवाही की मांग की, तो वहीं ग्राम प्रधान ने भी घटना के सीघ्र पटाक्षेप की मांग की है। ताकि इस प्रकार की घटनाओं पर अंकुश लग सकें।

जैन मंदिरों में धूमधाम से मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

ललितपुर । नगर के सभी जैन मंदिरों में रक्षाबंधन का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रातःकाल से हीअक्षय जीत अभिनंदन उदय .श्री पारसनाथ अटा मंदिर, नई बस्ती मंदिर, आदिनाथ मंदिर, सिविल लाइन, आदिनाथ मंदिर, नया जैन मंदिर, बड़ा जैन मंदिर, दिगंबर मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान भगवान श्री 1008 महावीर स्वामी जी अभिनंदन नाथ जा पारसनाथ जी का विशेष अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन किया गया। इधर उपस्थित जनसमूह ने कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर जैन समाज के अध्यक्षों ने कहा कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का त्योहार नहीं है, बल्कि यह प्रेम, विश्वास और एक-दूसरे की रक्षा के संकल्प का पर्व है। जैन धर्म में भी इस पर्व का विशेष महत्व है, जब मुनिराजों की रक्षा के लिए 700 मुनियों के तप की कथा को याद किया जाता है।इस अवसर पर सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष डॉ अक्षय टडैया आकाश जैन महामंत्री सनत खजुरिया संयोजक अनिल जैन अंच ल वरिष्ठ प्रबंधक पूर्व पार्षद मोदी पंकज जैन अशोक जैन देलवारा प्रबंधक नरेंद्र जैन सुशील जैन गुच्छे प्रभात सरार्फ सतीश नजा आनंद जैन सहित समाज के वरिष्ठ जन, युवा मंडल एवं महिला मंडल की बड़ी संख्या में उपस्थिति रहे।

व्यापारी मंडल की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

तालबेहट। बाँसी व्यापार मंडल की ओर से रविवार को व्यापारी सम्मेलन एवं कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 11 बजे बाँसी स्थित जैन ढाबा पर होगा। इसमें तालबेहट तहसील इकाई एवं नगर बौंसी व्यापार मंडल की कार्यकारिणी के पदाधिकारी शपथ ग्रहण करेंगे। कार्यक्रम में व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष पंडित मनीष सेंगर एवं उद्योग मंच के प्रांतीय उपाध्यक्ष कमलेश सराफ द्वारा मनोनीत पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। व्यापार मंडल की ओर से क्षेत्र के व्यापारियों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। समारोह में व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं और संगठन को मजबूत करने को लेकर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

तीन वर्ष से लंबित वैवाहिक वाद का सफल निस्तारण अधिवक्ता राजकुमार जैन के माध्यम से हुआ

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं यादवेन्द्र सिंह, प्रभारी जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार देवप्रिय सारस्वत, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्षता में मध्यस्थता के माध्यम से विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यस्थता के माध्यम से 03 वर्ष से लंबित वैवाहिक वाद का सफल निस्तारण अद्योहस्ताक्षरी की अध्यक्षता में दिनांक 22 अगस्त 2026 को मध्यस्थता के माध्यम से मध्यस्थ राजकुमार जैन देवरान जी के अथक प्रयासों से वाद संख्या 276/2025, श्रीमती नेहा बनाम अभय श्रीवास्तव, धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम के अंतर्गत लंबित वाद का सफलतापूर्वक निस्तारण किया गया।

बताया गया है कि उक्त वाद विगत लगभग 03 वर्षों से न्यायालय में लंबित था। मध्यस्थ राजकुमार जैन देवरान द्वारा दोनों पक्षों से निरंतर संवाद स्थापित करते हुए उनके मध्य उत्पन्न मतभेदों को दूर करने तथा आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाने का प्रयास किया गया। मध्यस्थता की प्रक्रिया के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे की बातों को समझते हुए आपसी सहमति से विवाद का समाधान स्वीकार किया। मध्यस्थता के माध्यम से वाद के निस्तारण से न केवल दोनों पक्षों के मध्य विवाद समाप्त हुआ, बल्कि न्यायालय में लंबित वाद का भी शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान संभव हुआ। अद्योहस्ताक्षरी द्वारा मध्यस्थ राजकुमार जैन देवरान जी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा गया कि मध्यस्थता विवादों के त्वरित, सुलभ एवं सौहार्दपूर्ण समाधान का प्रभावी माध्यम है। इससे पक्षकारों के समय एवं धन की बचत होने के साथ-साथ आपसी संबंधों को बनाए रखने में भी सहायता मिलती है। मध्यस्थता एक ऐसी वैकल्पिक विवाद समाधान प्रक्रिया है, जिसमें पक्षकारों के बीच उत्पन्न विवाद का समाधान आपसी सहमति एवं संवाद के माध्यम से कराया जाता है। इसमें प्रशिक्षित मध्यस्थ दोनों पक्षों को निष्पक्ष रूप से सुनते हुए उनके बीच समझौता कराने का प्रयास करता है। मध्यस्थता की प्रक्रिया में पक्षकारों के आपसी संबंधों को बनाए रखने तथा समय एवं धन की बचत पर विशेष जोर दिया जाता है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद, संपत्ति संबंधी विवाद, धनराशि संबंधी विवाद, बैंकिंग एवं ऋण संबंधी मामले तथा अन्य ऐसे विवाद, जिनका विधि के अनुसार मध्यस्थता के माध्यम से समाधान संभव है, में पक्षकारों को मध्यस्थता का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

मध्यस्थता के माध्यम से विवाद का समाधान होने पर पक्षकारों को लंबी न्यायिक प्रक्रिया से बचने का अवसर मिलता है तथा दोनों पक्षों की सहमति से ऐसा समाधान प्राप्त किया जा सकता है, जो उनके हितों के अनुरूप हो। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा आमजन से अपील की गई है कि विवादों को अनावश्यक रूप से बढ़ाने के स्थान पर आपसी संवाद एवं मध्यस्थता के माध्यम से समाधान का प्रयास करें। जरूरतमंद व्यक्ति जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से संपर्क कर निःशुल्क विधिक सहायता एवं मध्यस्थता के माध्यम से अपने विवादों के शीघ्र एवं सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु मध्यस्थता जैसे वैकल्पिक विवाद समाधान तंत्र का अधिकाधिक लाभ उठाएं।

लाभांश बढ़ाने पर उचित दर विक्रेताओं ने मुख्यमंत्री खाद्य एवं रसद मंत्री का धन्यवाद कर पत्र डीएम को सौंपा

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रदेश के समस्त उचित दर विक्रेताओ के लाभांश को 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रू0 प्रति कुंतल अर्थात 35 रू0 प्रति कुंतल की वृद्धि किये जाने पर जनपद के अधिक संख्या में उपस्थित उचित दर विक्रेताओं द्वारा मुख्यमंत्री उ0प्र0 सरकार लखनऊ एवं खाद्य एवं रसद विभाग मंत्री मनोज कुमार पांडेय का हृदय से आभार एवं धन्यवाद जिलाधिकारी के माध्यम से व्यक्त किया है।

उचित दर विक्रेताओं ने अपने धन्यवाद पत्र में लाभांश को 90 रुपये से बढ़ाकर 125 रू0 प्रति कुन्टल अर्थात् 35 रू0 प्रति कुन्टल की वृद्धि पर यह भी उल्लेख किया है कि उचित दर विक्रेता सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से प्रदेश के गरीब, जरूरतमंद एवं पात्र परिवारों तक खाद्यान्न पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। लाभांश में यह वृद्धि हमारे आर्थिक हितों को मजबूती देने के साथ-साथ हमारी सेवा कार्य के प्रति सरकार की सम्वेदनशीलता एवं सम्मान को भी दर्शाती है। इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए हम मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्रति हृदय से कृतज्ञता व्यक्त करते है। इसके साथ ही खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय जी का विशेष आभार व्यक्त करते है, जिन्होने उचित दर विक्रेताओं की समस्याओं एवं हितों को गम्भीरता से लेते हुये हमारे लाभाश में वृद्धि के लिए प्रभावी प्रयास किये है तथा हमारे बात को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा। हमे विश्वास है कि आपके कुशल नेतृत्व एवं मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय जी के मार्गदर्शन में उचित दर विक्रेताओं के हित में आगे भी सकारात्मक निर्णय लिये जाते रहेगें। भेजे गए धन्यवाद पत्र पर जुगल किशोर, जिलाध्यक्ष, महेन्द्रजैन, पुरानी बजरिया, नरेश तिवारी गॉधीनगर, मानसिंह कुम्हैडी, रामकुमार बिजरौठा, मनोहर सिंह खिरकापुरा, वीरेन्द्र जैन चैबयाना, अकील अहमद कसाईमण्डी, अभिषेक निरंजन,सिविल लाइन, चन्द्रप्रकाश बंट, बिक्रम नीमखेरा, रामविलास मनगुवा, उर्मिला गनगोरा, पुक्खनदेवी मैलार, राजराज गुरसौरा, फूलसिंह, सलैया, शिवसिंह मैनवार, लखनलाल महरौनी, विजय पाल सिंह मिदरववाहा आदि के हस्ताक्षर बने हुए हैं।

बारिश से कई गांवों का संपर्क मार्ग बंद, आवागमन ठप

» खांदी, मऊ, मुकटौरा, भदौना समेत दर्जनों गांवों के रास्ते जलमग्न

» रेलवे पुल के नीचे चार से पांच फीट पानी भरा, रजपुरा-जिजरवारा मार्ग भी कटा

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

रजपुरा-जिजरवारा मार्ग बारिश में कटा

ग्राम रजपुरा से जिजरवारा को जाने वाली मंडी परिषद की सड़क भी बरसात के कारण कट गई है। इससे झूमरनाथ-रजपुरा संपर्क मार्ग बाधित हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार पिछले वर्ष भी बारिश के दौरान सड़क कट गई थी। उस समय निजी साधन से मिट्टी आदि डलवाकर रास्ते को किसी तरह आवागमन योग्य कराया गया था। ग्रामीणों ने बताया कि मौके पर पुलिया बनी हुई है, लेकिन सड़क कटने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। समस्या के स्थायी समाधान के लिए पुलिया के आसपास सुरक्षा दीवार का निर्माण जरूरी है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत अथवा क्षेत्र पंचायत के माध्यम से भी सुरक्षा दीवार का निर्माण कराया जा सकता है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मौके का निरीक्षण कर शीघ्र स्थायी समाधान कराने की मांग की है।

लगातार हो रही बारिश से क्षेत्र के कई ग्रामों के संपर्क मार्गों पर जलभराव और सड़क कटने से ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। खांदी, मऊ, मुकटौरा, भदौना समेत दर्जनों गांवों को जोड़ने वाले मार्ग पर रेलवे पुल के नीचे चार से पांच फीट तक पानी भर गया है। इससे ग्रामीणों को आने-जाने में भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

थानगांव क्षेत्र के कई मजरों के संपर्क मार्ग भी जलभराव के कारण प्रभावित हैं। रास्तों पर पानी भरने से ग्रामीणों का मुख्य मार्गों से संपर्क टूट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दौरान हर वर्ष इन रास्तों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न होती है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं हो सका है।

आखिरकार इस बड़ी समस्या का कब होगा समाधान

स्वशासी मेडिकल कॉलेज के बंद तीसरा मुख्यमंत्री द्वारा बना परेशानी का सबब

इमरजेंसी वार्ड के पास स्थित तीसरा गेट न खुलने के कारण एंबुलेंस के आवागमन में हो रही परेशानी, बनी रहती है जाम की स्थिति

कई बार मेडिकल कॉलेज प्रशासन को अवगत कराने के बाद भी लापरवाही बरतने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार जनपद को भले ही स्वशासी मेडिकल कॉलेज की सौगात मिल गई हो लेकिन इस मेडिकल कॉलेज में जिम्मेदारों की लचर कार्यप्रणाली के चलते गंभीर मरीजों के साथ-साथ एंबुलेंस चालकों को बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि मेडिकल कॉलेज का तीसरा गेट प्रधानाचार्य के निर्देश पर स्थाई रूप से ताला डालकर बंद कर दिया गया है और शेष मुख्य द्वारों के माध्यम से आवागमन की सुविधा बरकरार रखी गई है। हालांकि पहले गेट पर सड़क निर्माण कार्य के चलते वह भी बंद जैसी स्थिति में है, सिर्फ एक मुख्य द्वार है, जिससे एंबुलेंस के साथ-साथ स्थानीय मरीजों के वहां आते जाते हैं, जिस कारण में इमरजेंसी वार्ड में जाम जैसी स्थिति रहती है और एंबुलेंस चालकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी होने के बावजूद प्रधानाचार्य ने इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं की, जिस कारण यहां पर असंतोष फैल रहा है।

जिला मुख्यालय पर स्वशासी मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने के बाद यहां पर विकास कार्य लगातार हो रहे हैं, ताकि यहां पर आने वाले सभी तरह के मरीजों को समुचित चिकित्सीय सुविधाएं मिल सकें। बताते चलें कि स्वशासी मेडिकल कॉलेज की सुविधा जनपद के पूर्व जिला अस्पताल को मिली है, जिसमें आवागमन के लिए तीन मुख्य दरवाजा का निर्माण कराया गया था, जो आज भी जस की तस स्थिति में है। निर्माण कार्य के दौरान मेडिकल कॉलेज के पहले गेट की सड़क निर्माण का कार्य लगा हुआ है, जिस कारण वहां पर बड़ी मात्रा में निर्माण सामग्री पड़ी हुई है और उसी के कारण यह मुख्य द्वार अवरुद्ध है और इस मुख्य द्वार से एंबुलेंस नहीं आ जा सकती। इस कॉलेज का दूसरा मुख्य द्वार पूरी तरह संचालित है और इसी द्वारा से एंबुलेंस के साथ-साथ मरीजों के अपने निजी वाहन और दोपहिया वाहन का भी आवागमन बना हुआ है। इस मेडिकल कॉलेज में तीसरा मुख्य द्वार बना हुआ है, जहां पर सीसीयू यूनिट के साथ-साथ इमरजेंसी वार्ड भी बना हुआ है, जहां 24 घंटे गंभीर मरीजों का आवागमन एंबुलेंस और निजी साधनों से होता है। मेडिकल कॉलेज के तत्कालीन प्रधानाचार्य मयंक शुक्ला द्वारा मेडिकल कॉलेज के तीसरे मुख्य द्वार को पूरी तरह ताला डालकर बंद करवा दिया गया है, जो पिछले करीब चार महीना से बंद है और इस दरवाजे का मेडिकल कॉलेज के लिए कोई उपयोग नहीं है।

अब इस मेडिकल कॉलेज में दूसरा द्वारा मुख्य दरवाजे के रूप में इस्तेमाल हो रहा है, जिस कारण वहां पर हमेशा जाम की स्थिति रहती है और एंबुलेंस के आने जाने में भी काफी बाधा उत्पन्न हो रही है। इतना ही नहीं मेडिकल कॉलेज परिसर में आने वाले मरीज और उनके परिजनों की बाइकें भी बड़ी संख्या में इधर-उधर खड़ी रहती हैं, जिस कारण वाहनों की आवाजाही में काफी परेशानी होती है और खास तौर पर एंबुलेंस के तो आवागमन में बड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। आलम है कि यदि काफी गंभीर मरीज को 108 एंबुलेंस या निजी साधना के माध्यम से लाया जाए, तो उसे मुख्य दरवाजे से इमरजेंसी वार्ड तक पहुंचने में 15 से 20 मिनट का समय लगता है और कभी-कभी तो वह इमरजेंसी वार्ड के गेट तक नहीं पहुंचती, बल्कि उसके पहले ही मरीज को उतार कर उसे इमरजेंसी वार्ड तक लाया जाता है। अब यह परेशानी पिछले कई महीनों से बनी हुई है, लेकिन इस पर मेडिकल कॉलेज प्रधानाचार्य का ध्यान नहीं जा रहा। जबकि मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर के साथ-साथ अन्य स्टाफ और पत्रकारों ने कई बार उन्हें इस समस्या से अवगत कराया और तीसरे बंद मुख्य द्वार को खोलने के लिए भी कहा, लेकिन उनकी कानों पर जूं नहीं रेंगी, जिस कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है। अब इस मामले में देखने वाली बात यह होगी कि मेडिकल कालेज प्रधानाचार्य इस मामले में क्या ठोस कदम उठाते हैं या फिर मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाएं ऐसे ही चलती रहती हैं।

बानपुर पुलिस ने चार वारंटी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

वांछित एवं वारंटी अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बानपुर पुलिस ने शनिवार को चार वारंटी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सभी आरोपियों को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया। पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार बाजपेई के निर्देशन तथा एएसपी कालू सिंह और क्षेत्राधिकारी महरौनी अरविन्द्र कुमार पाण्डेय के पर्यवेक्षण में यह कार्रवाई की गई। थाना बानपुर पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए वारंटियों में ग्राम डगराना निवासी वृषभान उर्फ वृगभाग पुत्र ऊदल, मानसिंह पुत्र नन्दलाल, राजेश पुत्र इमरत तथा जगदीश पुत्र गोकुल प्रसाद शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक वृषभान उर्फ वृगभाग, मानसिंह और राजेश के विरुद्ध केस संख्या 45/15, धारा 147, 323, 504 एवं 506 भादवि से संबंधित न्यायालयी वारंट लंबित था। वहीं जगदीश के विरुद्ध केस संख्या 65/12 एवं 84/23, धारा 60(1) आबकारी अधिनियम से संबंधित वारंट लंबित थे। चारों अभियुक्तों को 29 अगस्त 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक मजिस्ट्रेट/सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के समक्ष पेश किया गया। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाध्यक्ष अरुण कुमार तिवारी, उपनिरीक्षक रामप्रकाश तिवारी, हेड कांस्टेबल जुबैर आलम, कांस्टेबल प्रताप सिंह तथा महिला कांस्टेबल भावना शर्मा, थाना बानपुर शामिल रहे।

संक्षिप्त खबरें

कडेसरा कलां हाईवे पर गहरे गड्ढे में बाइक गिरने से सवार दंपति सहित दो मासूम गंभीर रूप से घायल

झाँसी रेफर होने के बाद उपचार के दौरान दंपति ने मेडिकल कॉलेज में तोड़ा दम

ललितपुर। शनिवार की देर रात झांसी नेशनल हाईवे पर स्थित कोतवाली तालबेहट क्षेत्र के अंतर्गत कडेसरा कला के पास हुए भीषण सड़क हादसे में एक दंपति की जान चली गई जबकि उसके दो मासूम बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। हालांकि इस दौरान चारों को इलाज के लिए सीएससी तालबेहट में भर्ती कराया गया जहां से प्राथना उपचार के बाद सभी को झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया जहां उनकी मौत हो गई, जबकि दोनों घायल बच्चों का इलाज चल रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना जखौरा अंतर्गत ग्राम राजपुर कोटरा निवासी 30 वर्षीय शिशुपाल पुत्र प्रकाश अपनी 25 वर्षीय पत्नी छाया व 03 वर्षीय पुत्री अर्पिता और 05 वर्षीय पुत्र अरमान के साथ अपनी बाइक से झांसी जनपद के अंतर्गत थाना बबीना के घिसौली अपनी ससुराल रक्षाबंधन पर गया हुआ था। बताया गया है कि रक्षाबंधन का त्यौहार मना करो वह अपनी पत्नी और बच्चों के साथ रात्रि में वापसी अपने घर राजपुर कोटरा जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम कडेसरा कला हाईवे पर गहरे गड्ढे में बाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिसमें चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। कहीं से सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पीआरबी 2595 के सिपाहियों के द्वारा उन्हें तत्काल उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टरों के द्वारा दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान पति पत्नी शिशुपाल व छाया ने दम तोड़ दिया, वही दोनों मासूम का उपचार जारी है। इसके बाद दोनों का पोस्टमार्टम झांसी में ही कराया गया और सूचना पर पहुंचे परिजन दोनों के शवों को लेकर गांव पहुंचे, जहां परिवार में कोहराम मच गया तो गांव का माहौल गमगीन हो गया। गांव में ही दोनों का अंतिम संस्कार कराया गया।

हॉकी के जादूगर दद्दा ध्यानचंद की ललितपुर से जुड़ी यादें आज भी हैं जीवंत

बचपन के सखा मथुरा बाबू ने 1957 में कराया था सम्मान में ऐतिहासिक हॉकी शो मैच

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले महान खिलाड़ी दद्दा ध्यानचंद का नाम भारतीय खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उनकी हॉकी की जादुई कला की चर्चाएं आज भी होती हैं, लेकिन ललितपुर की धरती से जुड़ी उनकी कुछ ऐसी यादें भी हैं, जो खेल प्रेमियों के लिए किसी धरोहर से कम नहीं। वर्ष 1957 में ललितपुर के पुलिस लाइन ग्राउंड में दद्दा ध्यानचंद के सम्मान में एक ऐतिहासिक हॉकी शो मैच का आयोजन किया गया था। इस आयोजन की पहल दद्दा के बचपन के सखा और स्वयं बेहतरीन हॉकी खिलाड़ी रहे स्वर्गीय बाबू मथुरा प्रसाद श्रीवास्तव ने की थी। मैच की रेफरीशिप मथुरा बाबू और याकूब साहब ने संयुक्त रूप से की थी।

बताया जाता है कि इस मुकाबले के लिए ललितपुर के खिलाड़ियों ने मथुरा बाबू और याकूब साहब के निर्देशन में विशेष अभ्यास किया था, ताकि देश के महान हॉकी खिलाड़ी दद्दा ध्यानचंद के साथ मैदान साझा करते हुए ललितपुर का नाम रोशन किया जा सके। शो मैच के दौरान दद्दा ध्यानचंद ने ललितपुर के खिलाड़ियों को हॉकी की बारीकियों और खेल की तकनीक से परिचित कराया। उन्होंने स्वयं

मैदान में उतरकर खेलते हुए खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया। उस दौर के खिलाड़ियों के लिए यह अवसर केवल एक मैच नहीं, बल्कि हॉकी के महानायक से सीखने और उनके साथ खेलने का अविस्मरणीय अनुभव था। स्वर्गीय मथुरा प्रसाद श्रीवास्तव का दद्दा ध्यानचंद और उनके छोटे भाई कैप्टन रूप सिंह से बेहद आत्मीय संबंध था। वे झांसी हीरोज टीम में दोनों महान खिलाड़ियों के साथ हॉकी खेलते थे। इतना ही नहीं, तीनों झांसी के मैकडोनल हाई स्कूल में सहपाठी भी रहे। यही विद्यालय आज बिपिन बिहारी कॉलेज के नाम से जाना जाता है।इन खिलाड़ियों ने उस दौर में ललितपुर में हॉकी की पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज जब खेल दिवस के अवसर पर हम दद्दा ध्यानचंद जैसे महान खिलाड़ियों को याद करते हैं, तब उनके साथ मैदान साझा करने वाले उन स्थानीय खिलाड़ियों और खेलप्रेमियों को

ललितपुर के इन खिलाड़ियों ने बढ़ाया था जिले का गौरव :

उस ऐतिहासिक शो मैच में ललितपुर के प्रमुख खिलाड़ियों में श्री गोविंद दास अग्रवाल, गौरीशंकर सिन्हा, वृंदावन लाल, मोहम्मद अनीस, सैयद सेव अली, सरदार गुरमुख सिंह, सरदार स्वर्ण सिंह, पैट्रिक विलियम और परमानंद हुँडेत सहित अनेक खिलाड़ी शामिल रहे।

याद करना भी उतना ही आवश्यक है, जिन्होंने उस दौर की खेल संस्कृति को जीवित रखा।

सरदार गुरमुख सिंह, जो आज भी हमारे बीच हैं, उस ऐतिहासिक मैच की यादों को बेहद रोचक अंदाज में सुनाते हैं। उनके संस्मरणों में वह दौर आज भी जीवंत हो उठता है, जब ललितपुर की पुलिस लाइन का मैदान हॉकी के जादूगर दद्दा ध्यानचंद की उपस्थिति का साक्षी बना था। खेल दिवस पर उन सभी महान खिलाड़ियों, खेलप्रेमियों और हॉकी को समर्पित व्यक्तित्वों को सादर नमन, जिनके प्रयासों से ललितपुर की खेल विरासत ने एक गौरवशाली अध्याय लिखा।

"ना रुकी थी वक्त की गर्दिश, ना ज़माना बदला,
पेड़ सूखा तो परिंदों ने ठिकाना बदला"

वक्त बदल गया, मैदान बदल गए, लेकिन दद्दा ध्यानचंद और उनके दौर की हॉकी की स्मृतियां आज भी ललितपुर की मिट्टी में सांस लेती हैं।

आठ गांवों के 10 हजार ग्रामीण मोबाइल नेटवर्क से महरूम

6 किलोमीटर के दायरे में नहीं है टेलीकॉम कंपनी का टावर

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

ग्रामीण अंचलों में डिजिटल इंडिया के दावों के बीच मोबाइल नेटवर्क की बदहाल स्थिति ग्रामीणों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बनी हुई है। जिले के आठ गांवों के करीब 8 से 10 हजार मोबाइल उपभोक्ता लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की समस्या से जूझ रहे हैं। हालात यह हैं कि जरूरी फोन करने के लिए ग्रामीणों को अपने घरों से करीब 200 से 300 मीटर दूर खेतों अथवा रास्तों पर जाकर नेटवर्क तलाशना पड़ता है। मोबाइल नेटवर्क की समस्या से पाचौनी, बरखिरिया, इमलिया, कारीटोरन, धोवनखेरी, खड़ोबरा, पठापुरा और खुशीपुरा गांवों के ग्रामीण परेशान हैं। ग्रामीणों का कहना है कि करीब छह किलोमीटर के क्षेत्रफल में किसी भी टेलीकॉम कंपनी का मोबाइल टावर नहीं है। इसके चलते मोबाइल पर बात करना तो दूर, इंटरनेट सेवा का इस्तेमाल करना भी मुश्किल बना हुआ है। ग्रामीणों के मुताबिक नेटवर्क की समस्या केवल रोजमर्रा के संपर्क तक सीमित नहीं है, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में यह गंभीर समस्या बन जाती है। किसी व्यक्ति के बीमार पडऩे या दुर्घटना होने पर एम्बुलेंस, पुलिस अथवा अन्य आवश्यक सेवाओं से संपर्क करने के लिए भी ग्रामीणों को नेटवर्क वाले स्थान की तलाश में घर से बाहर निकलना पड़ता है। इससे आपात स्थिति में समय पर सहायता मिलने में परेशानी हो सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं से संबंधित ऑनलाइन प्रक्रियाओं का लाभ लेने में भी दिक्कतें आ रही हैं। पंचायत स्तर पर होने वाले ऑनलाइन कार्य प्रभावित हैं। कई जरूरी सूचनाएं और सेवाएं भी समय पर ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रही हैं। नेटवर्क की कमी का सबसे अधिक असर गांवों के छात्र-छात्राओं पर पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कोविड काल के बाद शिक्षा व्यवस्था में ऑनलाइन माध्यम का महत्व बढ़ा है, लेकिन इन गांवों के बच्चे पर्याप्त इंटरनेट सुविधा के अभाव में डिजिटल कक्षाओं और ऑनलाइन शैक्षणिक सामग्री का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होने के साथ उनके शैक्षणिक भविष्य को लेकर भी चिंता बनी हुई है। समस्या से परेशान सभी आठ गांवों के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर क्षेत्र में शीघ्र मोबाइल टावर स्थापित कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से दूरसंचार कंपनियों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई कराने की अपील की है, ताकि क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध हो सके। ग्रामीणों का कहना है कि मोबाइल नेटवर्क आज के समय में केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि शिक्षा, सरकारी सेवाओं, डिजिटल भुगतान, रोजगार और आपातकालीन सेवाओं की महत्वपूर्ण आवश्यकता बन चुका है। ऐसे में गांवों में नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। ज्ञापन की प्रतिलिपि जिले के सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों को भी सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई है। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन और दूरसंचार कंपनियां उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द मोबाइल टावर स्थापित कराने की दिशा में प्रभावी कदम उठाएंगी।

मेडिकल कॉलेज में ब्रांड डेड घोषित की गई मामी के शव को नहीं मिला सरकारी शव वाहन

» अपनी ही व्हीलचेयर पर शव रख कर करीब बीस किमी दूर गदयाना के लिये ममरे भाई के साथ निकला भांजा

» रास्ते में देख ग्रामीण रोककर एंबुलेंस बुलाकर शव घर तक शव ले जाने की व्यवस्था की, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

लिव इन रिलेशनशिप में भांजे के साथ रहने वाली महिला की तबीयत खराब होने पर भांजे ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के दौरान मृतक मृतक घोषित कर दिया। महिला की मौत के बाद उसके घर तक सब ले जाने के लिए मेडिकल कॉलेज के स्टाफ ने युवक को शव वाहन उपलब्ध नहीं कर पाया, बल्कि इधर-उधर की बातों में घूमकर उसे शव घर ले जाने के लिए कह दिया। जिसके बाद वह है अपनी ही व्हील चेयर पर अपनी मामी का शव रख कर जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर अपने गांव जाने के लिए निकला, लेकिन रास्ते में एक गांव के ग्रामीणों से रोक लिया और उसकी समस्या को देखते हुए तत्काल 108 एंबुलेंस को बुलाकर मृतक महिला का शव उसके घर तक भिजवाए। यह घटना मेडिकल कॉलेज प्रशासन की संवेदनहीनता को उजागर करने के लिए काफी है। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। हालांकि मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदारों ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने हुए मामले में मृतक के तीमारदार द्वारा शव वाहन ने माँगने का हवाला दिया।

मिली जानकारी के अनुसार थाना बार क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम गदयाना निवासी राजू सेन पिछले करीब 2 वर्षों से अपने रिश्ते की मामी रश्मि पत्नी मनीराम के साथ लिव इन रिलेशनशिप में शहर के मोहल्ला नेहरू नगर में रह रहा था, उसके पति की पूर्व में मृत्यु हो गई थी। बताया गया है कि महिला को समय से पीलिया जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थी, जिसका इलाज चल रहा था। लेकिन इसी बीच शुक्रवार की सुबह महिला की अचानक हालत बिगड़ गई, इसके बाद राजू रश्मि को इलाज के लिए लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचा, जहां उसके साथ उसका 12 वर्षीय पुत्र आशिक भी था। बताया गया है कि मेडिकल कॉलेज में डाक्टरी परीक्षण के दौरान महिला को मृतक घोषित कर दिया। क्योंकि शुक्रवार को दिन भर बरसात होती रही इसीलिए राजू महिला के शव को घर नहीं ले जा सका। शाम करीब 5:00 बजे जब बरसात थमी, इसके बाद महिला के शव को उसके घर तक भेजने के लिए मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉक्टर और अन्य स्टाफ द्वारा युबक को शव वहान उपलब्ध नहीं कराया गया, बल्कि उसे इधर-उधर की बातों में घूमकर शव को अपने निजी साधन से घर तक ले जाने की कई बार सलाह दी गई। इसके बाद राजू सेन महिला कश्यप उसकी ही अपनी व्हीलचेयर पर लेकर कंबल से ढक कर करीब 20 किलोमीटर दूर अपने गांव जाने के लिए पैदल ही निकल पड़ा। बताया गया है कि जैसे ही शाम करीब 7:00 बजे राजू सेन आशिक के साथ ग्राम रजवारा के निकट पहुंचा, तभी वहां से निकलने वाले स्थानीय ग्रामीणों ने उसे देख लिया और रोक कर पूरी घटना की जानकारी ली। जब ग्रामीणों को पता चला कि व्हीलचेयर पर मृतक महिला का शव रखा हुआ है, जो ग्राम गदयाना तक जाएगा, तो ग्रामीणों की संवेदनाएं जाग उठी और उन्होंने युबक को रोककर तत्काल एंबुलेंस भिलाई और उसमें शव को रख कर युवक को गांव तक भेजा। इस मामले ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन की लचर कार्य प्रणाली तो उजागर की ही है, इसके साथ ही यह भी उजागर किया कि मेडिकल कॉलेज में तैनात डॉक्टरों और अन्य मेडिकल स्टाफ की संवेदनाएं मर चुकी हैं। उन्हें किसी की मौत या परेशानी से कोई फर्क नहीं पड़ता। हालांकि इस मामले में जब मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ गजेंद्र सिंह से बात की गई, तो उन्होंने इस मामले से अपना पल्ला झाड़ने हुए सिर्फ इतना कहा कि युवक को एंबुलेंस से शव भेजने की सलाह दी गई थी, लेकिन उसने इंकार कर दिया और वह अपनी ट्राई साइकिल पर महिला का शव लेकर चला गया। अब मुख्य चिकित्सा अधीक्षक के इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह तो सिर्फ राजू सेन ही बता सकता है।

मेजर ध्यानचंद की जयंती पर मनाया राष्ट्रीय खेल दिवस

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

पं.रुद्र नारायण त्रिवेणी शर्मा मेमोरियल हाईस्कूल खड़ोवरा में हॉकी के महान खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को खेलों के महत्व के साथ ही मेजर ध्यानचंद के जीवन एवं देश के प्रति उनके योगदान से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय परिसर में मेजर ध्यानचंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को मेजर ध्यानचंद के जीवन, संघर्ष, खेल प्रतिभा और देश के लिए उनके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलकूद गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिक्षकों ने कहा कि खेल केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रधानाचार्य ने कहा कि मेजर ध्यानचंद का जीवन और उनकी असाधारण खेल प्रतिभा देश के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विद्यार्थियों से खेलों को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ, अनुशासित और सक्रिय जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नियमित खेलकूद से विद्यार्थियों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है तथा उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ मिल-जुलकर कार्य करने की क्षमता भी विकसित होती है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न खेल गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया गया। विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सफाईकर्मी से मारपीट और जातिसूचक गाली-गलौज का आरोप

» ड्यूटी के दौरान विवाद के बाद लात-घूंसों से पीटने और जान से मारने की धमकी देने का दावा

» कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज न होने पर एसपी-डीएम से लगाई गुहार

स्वतंत्र प्रभात | ललितपुर

नगर पालिका परिषद के वार्ड नंबर 10 कटरा बाजार में ड्यूटी के दौरान आउटसोर्सिंग सफाईकर्मी के साथ मारपीट, अभद्रता और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित सफाईकर्मी गोपाल बाल्मीकि ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। शिकायत पत्र पर अन्य सफाई कर्मचारियों और साथियों के समर्थन में हस्ताक्षर भी बताए गए हैं। पीड़ित गोपाल के मुताबिक वह नगर पालिका परिषद में आउटसोर्सिंग सफाई कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं और वार्ड नंबर 10 कटरा बाजार में सफाई की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। आरोप है कि 28 अगस्त 2026 की सुबह करीब 9.30 बजे वह अपने निर्धारित कार्यक्षेत्र में सफाई कर रहे थे। इसी दौरान वहां मौजूद खंभू जोगी और उसके पुत्र अंकित जोगी ने उन्हें कूड़ा डालने के लिए बुलाया।

शिकायतकर्ता का आरोप है कि पास स्थित मांस की दुकान के सामने लंबी लाइन होने और अधिक मात्रा में कचरा होने के कारण उसने अपनी ओर से पूरा कचरा भरने में असमर्थता जताई। इसी बात को लेकर कथित तौर पर अंकित जोगी नाराज हो गया और उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने लगा। पीड़ित ने आरोप लगाया कि विरोध करने पर दोनों आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। इसके बाद लात-घूंसों से मारपीट की गई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि उसे शटर से टिकाकर भी पीटा गया। पीड़ित के मुताबिक आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी, जिसके बाद वह और उसका परिवार भयभीत है। गोपाल का कहना है कि घटना के बाद उसने थाना कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन उसके अनुसार अभी तक पुलिस की ओर से मुकदमा दर्ज कर कोई प्रभावी कानूनी कार्रवाई नहीं की गई है। कार्रवाई नहीं होने से परेशान होकर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक और जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। पीड़ित ने उच्चाधिकारियों से आरोपियों के खिलाफ जांच कर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई कराने तथा सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। वहीं, मामले में पुलिस की ओर से आधिकारिक कार्रवाई अथवा आरोपों की पुष्टि संबंधी बयान सामने नहीं आया है। घटना को लेकर सफाई कर्मचारियों में भी नाराजगी बताई जा रही है। साथियों ने पीड़ित का समर्थन करते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कर्मचारियों का कहना है कि ड्यूटी के दौरान सफाईकर्मियों के साथ इस प्रकार की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई होना जरूरी है, ताकि कर्मचारी बिना भय के अपना काम कर सकें। शिकायती पत्र देते समय पार्षद अफजुल रहमान, गोपाल, संजय कुमार बाल्मीकि, नेतराम बाल्मीकि, प्रियंक कुमार, पुष्पेन्द्र, विक्रम, पंचम, विवेक, धर्मेंद्र, रामू, सानू, रहमान, राहुल, सोहेल, प्रदीप कुमार, रवि, जिनेन्द्र, अरविन्द महेन्द्र के अलावा अनेकों कर्मी मौजूद रहे।

बारिश के चलते नगर से गांवों तक बिजली संकट

दो दर्जन गांवों में 10 से 15 घंटे तक आपूर्ति रही बाधित

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। बारिश और तेज हवाओं के चलते बिजली आपूर्ति व्यवस्था भी चरमरा गई। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक कई जगह लाइन में फाल्ट और तार टूटने से घंटों बिजली गुल रही। ग्रामीण क्षेत्रों में तो 10 से 15 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से उपभोक्ताओं को परेशानी का सामना करना पड़ा। बिजली नहीं आने से पेयजल संकट भी गहरा गया।

लगातार बारिश के कारण कई स्थानों पर बिजली लाइनों में फाल्ट आ गए। वहीं तेज हवाओं से कई जगह तार टूट गए। कई जगह ट्रांसफर खराब हुए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक आपूर्ति बाधित रही। फाल्ट ठीक करने में बारिश के बीच विद्युत विभाग के कर्मचारियों को भी परेशानी उठानी पड़ी। इधर, लंबे समय तक बिजली नहीं आने से उपभोक्ताओं में विभाग के प्रति नाराजगी बनी रही। बृहस्पतिवार शाम करीब सात बजे आपूर्ति बहाल हुई। इसके बाद शुक्रवार सुबह से फिर बिजली नहीं आई। शुक्रवार की रात बिजली शुरू हुई और बन्द होती रही। शनिवार की सुबह में बिजली आने जाने का सिलसिला जारी रहा।

नगर में भी दिनभर बिजली की आंख-मिचौली

नगर क्षेत्र में भी शुक्रवार रात लाइन में फाल्ट आने से दो नंबर फीडर की आपूर्ति ठप हो गई। शनिवार सुबह से नगर के दोनों फीडरों में बिजली के आने-जाने का सिलसिला जारी रहा। इससे नगरवासियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश से पहले कराए गए कार्यों पर उठे सवाल

उपभोक्ताओं का आरोप है कि बारिश शुरू होने से पहले विद्युत विभाग ने लाइनों के आसपास पेड़ों की डालियों और झाड़ियों की कटाई के साथ फाल्ट रोकने तथा लाइनों को दुरुस्त करने का कार्य कराया था। इस दौरान कई घंटे बिजली आपूर्ति भी बाधित रही थी। इसके बावजूद बारिश शुरू होते ही जगह-जगह फाल्ट आने से विभागीय तैयारियों पर सवाल उठ रहे हैं। उपभोक्ताओं ने उच्चाधिकारियों से बारिश से पहले कराए गए कार्यों की जांच कराने की मांग की है, ताकि इसकी हकीकत सामने आ सके।

फाल्ट ठीक कर आपूर्ति बहाल कराने में जुटा विभाग

जेई गौरव कुमार ने बताया कि विद्युत आपूर्ति पूरी तरह सुचारु कर दी गई है ।कई जगह ट्रांसफार्मर डैमेज हुए हैं जिनको बदलने का कार्य किया जा रहा है।

अन्ना जानवर से टकराई बाइक, युवक की मौत

हाईवे के गड्ढे में गिरी बाइक, दंपती की मौत, दो मासूम घायल

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक समेत दंपती की मौत हो गई, जबकि दो मासूम गंभीर रूप से घायल हो गए। पहला हादसा तालबेहट बाईपास स्थित जिओ पंप के पास हुआ, जहां अन्ना जानवर से बाइक टकराने पर युवक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, जखौरा क्षेत्र में कडेसरा कलां हाईवे पर गहरे गड्ढे में बाइक गिरने से दंपती की उपचार के दौरान मौत हो गई।

अन्ना जानवर से टकराई बाइक, युवक की मौत

दतिया निवासी सोनू पाल (28) पुत्र ज्ञान सिंह पाल अपने भाई इंद्रपाल के साथ बाइक से बीना से दतिया घर लौट रहा था। तालबेहट बाईपास स्थित जिओ पंप के समीप अचानक बाइक के सामने अन्ना जानवर आ गया। बाइक जानवर से टकरा गई। हादसे में सोनू पाल गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी।

हाईवे के गड्ढे में गिरी बाइक, दंपती की मौत

दूसरा हादसा थाना जखौरा क्षेत्र के कडेसरा कलां हाईवे पर हुआ। ग्राम राजपुर कोटरा निवासी शिशुपाल (30) पुत्र प्रकाश अपनी पत्नी छाया (25) और मासूम बच्चों अर्पिता (3) व अरमान (5) के साथ बाइक से ससुराल घिसौली से घर लौट रहा था। कडेसरा कलां हाईवे पर बाइक अचानक सड़क के गहरे गड्ढे में गिरकर अनियंत्रित हो गई। हादसे में चारों गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पीआरवी-2595 के पुलिसकर्मियों ने सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने चारों को गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान शिशुपाल और उसकी पत्नी छाया ने दम तोड़ दिया। वहीं दोनों मासूम बच्चों का उपचार जारी है। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

चार नामजद समेत लोगों पर लाठी-डंडों से हमला करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

स्वतंत्र प्रभात | तालबेहट

कोतवाली क्षेत्र के ग्राम गूगर निवासी खुशीराम अहिरवार ने चार लोगों पर घर के दरवाजे पर आकर गाली-गलौज और लाठी-डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। तहरीर के अनुसार घटना 28 अगस्त की दोपहर करीब दो बजे की है। खुशीराम खेत की बारी तोड़कर घर लौटा था। आरोप है कि इसी दौरान किशनलाल पाल, दिनेश पाल, हरिलाल पाल और फूलचंद्र पाल निवासी गूगर घर के दरवाजे पर आए और कमलेश पाल की बहू जशोदा पाल को भगाने को लेकर हुए विवाद के संबंध में गाली-गलौज करने लगे। खुशीराम ने गाली देने से मना किया तो आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। बताया गया कि बचाने आए उसके पुत्र धर्मेंद्र, नारायन और पत्नी कुल्ला के साथ भी मारपीट की गई। घटना में सभी के शरीर में चोटें आने का आरोप है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए अपमानित किया और जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित खुशीराम की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पंजाब पुलिस में 1,746 युवाओं को मिली सरकारी नौकरी, मुख्यमंत्री ने सौंपे नियुक्ति पत्र

साढ़े चार साल में पुलिस बल में 13,092 कर्मियों की भर्ती, 3,298 कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया जारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने गुरुवार को पंजाब पुलिस में चयनित 1,746 युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार योग्यता के आधार पर युवाओं को रोजगार देने के साथ-साथ पुलिस बल को लगातार मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले साढ़े चार वर्षों में पंजाब पुलिस में 13,092 कर्मियों की भर्ती की जा चुकी है। इसके अलावा 3,298 कांस्टेबलों की भर्ती प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की 'नो कैश, नो फरमाइश' नीति के तहत बिना किसी पैसे और सिफारिश के केवल योग्यता के आधार पर अब तक 70,840 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। पुलिस बल को और मजबूत करने के लिए सरकार ने जिला कैडर में निरीक्षक, उपनिरीक्षक और सहायक उपनिरीक्षक के 1,600 नए पदों को भी मंजूरी दी है। इन पदों को विभागीय पदोन्नति के माध्यम से भरा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस बल को मजबूत करने का उद्देश्य पंजाब में शांति और सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखना तथा अशांति, आतंकवाद के खतरे और सड़क सुरक्षा जैसी उभरती चुनौतियों से प्रभावी ढंग से निपटना है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर भी नियुक्ति कार्यक्रम की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि जालंधर के पीएपी मैदान में पंजाब पुलिस में शामिल होने वाले 1,746 युवक-युवतियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी चयन पूरी तरह योग्यता के आधार पर किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें पंजाब और देश की सुरक्षा के लिए पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने युवाओं और उनके परिवारों को नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंजाब पुलिस परिवार में उनका स्वागत है।

डॉक्टर के पास ले जाने के बहाने बेटे को कंटेनर में ले गए, हत्या का आरोप

कालिंदी कुंज में युवक की हत्या का खुलासा, पिता समेत दो गिरतार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। दक्षिण-पूर्वी जिला पुलिस ने कालिंदी कुंज इलाके में सुनसान कंटेनर के अंदर मिले 38 वर्षीय युवक के शव की गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। पुलिस ने हत्या के आरोप में मृतक गुल हसन के 64 वर्षीय पिता तालुकदार अंसारी और उसके सहयोगी 49 वर्षीय मोहम्मद वसीम उर्फ अकरम को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, गुल हसन को डॉक्टर के पास ले जाने के बहाने सुनसान स्थान पर ले जाया गया था। वहां कथित तौर पर पत्थर से हमला करने के बाद कपड़े की रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी गई।पुलिस के अनुसार, 23 अगस्त की शाम करीब 7:13 बजे सूचना मिली थी कि एनटीपीसी की दीवार के पास, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से करीब 500 मीटर दूर कच्ची कॉलोनी की गली नंबर-1 में स्थित एक पुराने कंटेनर में एक युवक का शव पड़ा है। स्थानीय स्तर पर इस कंटेनर को 'बबलू का कंटेनर' कहा जाता है। सूचना मिलते ही कालिंदी कुंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शव के सिर पर चोट का निशान था और पास में खून के धब्बे वाला कंक्रीट का पत्थर पड़ा मिला। शुरुआत में मृतक की पहचान नहीं हो सकी।हत्या का मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। मामले की गंभीरता को देखते हुए कालिंदी कुंज थाना, विशेष स्टाफ, मादक पदार्थ निरोधक टीम और एएटीएस की चार टीमें गठित की गईं। पुलिस ने आसपास के इलाके और घटनास्थल तक पहुंचने वाले रास्तों के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू की। कई दिनों तक की गई जांच में पुलिस ने कैमरे-दर-कैमरे मृतक की गतिविधियों का पता लगाया। जांच में सामने आया कि मृतक दो अन्य लोगों के साथ घटनास्थल की ओर गया था। सीसीटीवी फुटेज में तीनों को साथ जाते हुए देखा गया, लेकिन इसके बाद मृतक वापस लौटता नजर नहीं आया। पुलिस ने फुटेज और तकनीकी निगरानी के आधार पर दोनों संदिग्धों की पहचान कर उनकी तलाश शुरू की। दोनों आरोपियों के गोविंदपुरी स्थित एक सिलाई कारखाने में होने की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पुलिस का कहना है कि पूछताछ में पता चला कि गुल हसन मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रहा था। जांच के अनुसार, आरोपियों ने उसे डॉक्टर के पास ले जाने की बात कहकर सुनसान कंटेनर तक पहुंचाया। पुलिस का आरोप है कि वहां मोहम्मद वसीम ने पत्थर से उसके सिर पर वार किया, जबकि तालुकदार अंसारी ने भी उस पर हमला किया। इसके बाद कपड़े के टुकड़ों से बनी रस्सी से कथित तौर पर उसका गला घोंट दिया गया। हत्या के बाद शव को कंटेनर में छोड़ दिया गया।आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में कथित रूप से इस्तेमाल किया गया कंक्रीट का पत्थर, खून लगे कपड़े और कपड़े की रस्सी बरामद की है। पुलिस अब हत्या के पीछे के पूरे कारण का पता लगाने के साथ फोरेंसिक और तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। अंतिम चिकित्सकीय राय और अन्य साक्ष्य मिलने के बाद मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले का खुलासा सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी, स्थानीय सूचना और चार टीमों की संयुक्त जांच के आधार पर किया गया है।

12 ग्राम हेरोइन समेत दो महिलाएं गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना- नशे के खिलाफ चल रही 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत थाना लाडोवाल पुलिस ने दो महिला नशा तस्करों को 12 ग्राम हेरोइन समेत गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई थाना लाडोवाल के एसएचओ एसआई सुखबिंदर सिंह की अगुवाई में की गई। टोल प्लाजा के पास शक के आधार पर पकड़ी गई महिलाएं। जानकारी देते हुए एसएचओ सुखबिंदर सिंह ने बताया कि एसआई जतिंदर कुमार पुलिस पार्टी के साथ 27 अगस्त को इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान पुलिस टीम जब जालंधर की ओर जा रही थी तो लाडोवाल टोल प्लाजा के पास पेट्रोल पंप की तरफ जाने वाले रास्ते पर दो संदिग्ध महिलाएं खड़ी दिखाई दीं। पुलिस ने शक के आधार पर दोनों महिलाओं को नियमानुसार काबू कर उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 12 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इस संबंध में थाना लाडोवाल में मुकदमा नंबर 142 दर्ज कर धारा 21-61-85 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की गई और दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महिंदर कौर पत्नी स्वर्गीय जगजीत सिंह, निवासी गांव भोलेवाल जदीद और सुखबिंदर कौर पत्नी गुरदीप सिंह, निवासी गांव पंज ढेरा, तलवंडी कलां के रूप में हुई है। एसएचओ सुखबिंदर सिंह ने बताया कि दोनों गिरफ्तार महिलाओं की उम्र करीब 45 से 50 वर्ष के बीच है। इनमें से सुखबिंदर कौर के खिलाफ पहले भी नशा तस्करी का एक मामला दर्ज है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को अदालत में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड हासिल किया है। रिमांड के दौरान पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि आरोपी महिलाएं हेरोइन कहां से लेकर आती थीं और इसे किन लोगों को सप्लाई करती थीं।

हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने एम.जी.एन. कॉलेज जालंधर का किया दौरा

जालंधर: पंजाब के लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने आज स्थानीय एम.जी.एन. कॉलेज जालंधर का दौरा किया। इसी कॉलेज से उन्होंने वर्ष 1989-1990 में बी.एड. की शिक्षा प्राप्त की थी। एम.जी.एन. कॉलेज के स्टाफ से रूबरू होते हुए कैबिनेट मंत्री ने शिक्षकों से कहा कि विद्यार्थियों को पूरी लगन और मेहनत से पढ़ाया जाए, ताकि वे शिक्षा हासिल कर जीवन में सफलता प्राप्त कर सकें और खुशहाल एवं विकसित पंजाब के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा पंजाब को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने के लिए गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के अथक प्रयासों के चलते आज पंजाब शिक्षा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन गया है।

'नन्हे कदम' के तहत 410 विद्यार्थियों को बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लुधियाना। बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा और कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'नन्हे कदम' पहल के तहत सरकारी प्राथमिक विद्यालय, शेरपुर खुर्द में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पंजाब बाल अधिकार आयोग की उपाध्यक्ष गुंजीत रुचि बावा ने विद्यालय के 410 विद्यार्थियों से संवाद कर उन्हें उनके अधिकारों और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के दौरान गुंजीत रुचि बावा ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के प्रति गंभीर रहने, आत्मविश्वास मजबूत करने और किसी भी प्रकार के गलत व्यवहार, परेशानी अथवा उपेक्षा का सामना होने पर चुप नहीं रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित, सम्मानजनक और सहयोगी वातावरण में रहने तथा आगे बढ़ने का अधिकार है। उन्होंने विद्यार्थियों को व्यक्तिगत सुरक्षा, भावनात्मक स्वास्थ्य और नशे के दुरुपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बच्चों से कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की परेशानी होती है तो वे अपनी बात माता-पिता, शिक्षकों अथवा किसी भरोसेमंद व्यक्ति के साथ जरूर साझा करें। कार्यक्रम में बाल हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में भी विशेष रूप से जागरूक किया गया। विद्यार्थियों और शिक्षकों को बताया गया कि किसी बच्चे को संरक्षण, सहयोग अथवा तत्काल सहायता की आवश्यकता होने पर समय पर मदद लेना बेहद जरूरी है। विद्यालय के प्रभारी जगमोहन ने 'नन्हे कदम' पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को न केवल उनके अधिकारों की जानकारी देते हैं, बल्कि जरूरत पड़ने पर अपनी बात रखने और सहायता मांगने का आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। कक्षा पांच के एक विद्यार्थी ने कार्यक्रम के बारे में अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि विद्यालय में पहली बार इस तरह का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके माध्यम से उसे अपने अधिकारों के साथ-साथ जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए संपर्क करने की महत्वपूर्ण जानकारी मिली। यह जागरूकता अभियान 'आस एहसास' गैर सरकारी संगठन के सहयोग से आयोजित किया गया। संगठन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को लेखन सामग्री वितरित कर उनका उत्साह बढ़ाया। इससे कार्यक्रम बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक होने के साथ-साथ यादगार भी बना। 'नन्हे कदम' पहल के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने तथा उनके लिए सुरक्षित एवं सहयोगी वातावरण सुनिश्चित करने के प्रयास लगातार किए जा रहे हैं।

श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल सिर्फ नाम का, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी से परेशान क्षेत्रवासी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: श्रीभूमि जिले के दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल में बुनियादी सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को लेकर क्षेत्रवासियों में बढ़ रहा असंतोष जिले के दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल में आवश्यक चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने का आरोप लगाया जा रहा है। गंभीर अथवा विशेषज्ञ उपचार की आवश्यकता पड़ने पर आज भी क्षेत्र के मरीजों को श्रीभूमि सिविल अस्पताल अथवा अन्य स्वास्थ्य केंद्रों का रुख करना पड़ता है। इस स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों में लगातार नाराजगी बढ़ रही है। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि अस्पताल में ईएनटी (कान, नाक एवं गला), त्वचा रोग, स्त्री रोग, नेत्र रोग और दंत चिकित्सा सहित कई महत्वपूर्ण विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियमित सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इसके अलावा हाथ टूटने अथवा हड्डी में चोट लगने जैसी स्थिति में भी आवश्यक प्लास्टर और संबंधित चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने के कारण मरीजों को श्रीभूमि सिविल अस्पताल रेफर कर दिया जाता है।

स्थानीय लोगों का सवाल है कि यदि गंभीर और सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए भी मरीजों को बार-बार दूसरे अस्पतालों में भेजना पड़े, तो दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल को किस हद तक 'मॉडल' कहा जा सकता है? उनका कहना है कि अस्पताल कई मामलों में मरीजों को इलाज उपलब्ध कराने के बजाय दूसरे अस्पतालों में रेफर करने का केंद्र बनकर रह गया है। इस स्थिति का सबसे अधिक असर मरीजों और उनके परिजनों पर पड़ रहा है। इलाज के लिए दूसरे अस्पतालों तक आने-जाने में अतिरिक्त समय और धन खर्च होता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह परेशानी और गंभीर हो जाती है। कई मरीज मजबूरी में श्रीभूमि के निजी चिकित्सकों से उपचार कराने को विवश होते हैं, जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है। क्षेत्रवासियों के अनुसार, श्रीभूमि सिविल अस्पताल में भी इलाज के लिए मरीजों को लंबे समय तक कतार में इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में दुल्लभछड़ा से मरीजों को बार-बार बाहर रेफर किए जाने से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। विशेषकर आपातकालीन परिस्थितियों में विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा का अभाव गंभीर चिंता का विषय बन सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि केवल अस्पताल का नाम बदलने, भवन तैयार करने या बुनियादी ढांचा विकसित करने से स्वास्थ्य व्यवस्था बेहतर नहीं हो सकती। अस्पताल को वास्तव में मॉडल बनाने के लिए पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों एवं विशेषज्ञ डॉक्टरों की नियुक्ति, आवश्यक जांच सुविधाओं, संबंधित विभागों की नियमित सेवाओं तथा मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करना जरूरी है। क्षेत्रवासियों ने इस मामले में असम के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप करने की मांग की है।

लोगों की मांग है कि दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल में जल्द से जल्द आवश्यक विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाए और सभी महत्वपूर्ण विभागों में नियमित चिकित्सा सेवाएं शुरू की जाएं। क्षेत्रवासियों की स्पष्ट मांग है कि दुल्लभछड़ा मॉडल अस्पताल सिर्फ नाम से मॉडल न रहे, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और पूर्ण चिकित्सा सेवाओं के मामले में भी वास्तव में 'मॉडल' बने।

समाज के प्रति समर्पण खींच लाई जन्मभूमि तक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

समाज सेवा बहुत बड़ी सेवा है यह गुण किसी किसी में आता है वह भी अगर उसके कुल खानदान की सोच जब सच्ची होती है तब उस कुल में समाज के प्रति चिंतक व्यक्ति का जन्म होता है। आपको बता दें कि दिल्ली के विधान सभा पटेल नगर में अगर किसी समाज सेवक का नाम लिया जाय तो पहला नाम एस के चौबे का आ ही जाता है, यह किसी को प्रोत्साहित या निराश करने के लिए बोला जा रहा है बल्कि यह वास्तविकता है। एस के चौबे अपने टीम के साथ मिलकर दिल्ली में तो समाज की सेवा बड़े स्तर पर कर ही रहे है जैसे कि शिक्षा के लिए बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना गरीब कन्याओं की शादी करवाना, रेहड़ी, पटरी वालों के लिए संघर्ष करना, झुग्गी झोपड़ी वालों के लिए संघर्ष करना, नशे के खिलाफ संघर्ष करना जैसे तमाम समाजहित का कार्य करते रहते है।अब एस के चौबे द्वारा अपने जन्मस्थली जौनपुर के अपने निज गांव के प्राथमिक विद्यालय को 5 कंप्यूटर भेंट किए। पूछने पर बताएं कि आज कल निजी संस्थानों से बच्चों को शिक्षा दिलाना एक चलन सा हो गया है जबकि सरकारी विद्यालयों में शिक्षित शिक्षक होने के बावजूद भी लोग अपने बच्चों का दाखिला सरकारी विद्यालयों में करवाने से कतराते है जबकि गरीबों के लिए आखिरी आश्रय यह सरकारी विद्यालय ही है ये ऐसे बच्चे होते है जिनको कॉपी पेंसिल भी बड़े मुश्किल से उनके मां बाप दिला पाते है। ऐसे बच्चों को आज के आधुनिक युग की पढ़ाई नसीब हो पाना मुश्किल है इसलिए इन बच्चों के उज्जवल भविष्य और अच्छे शिक्षा हेतु यह उपहार स्वरूप 5 कंप्यूटर दिया गया है। विद्यालय के अध्यापक भी वचनबद्ध है कि अब हम अपना 100% देकर इन बच्चों को मेहनत करके पढ़ाएंगे और इनको निजी संस्थानों में पढ़ने वाले बच्चों से भी बेहतर बनाएंगे। एस के चौबे का कहना है कि अगर हमारे इस कदम से कुछ बच्चे भी अच्छे से पढ़ने लिखने लगे और आगे निकल गए तो जीवन में समाज सेवा का फल मिल जाएगा। बेसिक शिक्षा अधिकारी और खंड विकास अधिकारी से भी एस के चौबे संपर्क में है विद्यालय को जिले में एक स्थान दिलाने के लिए और जल्द ही विद्यालय को स्मार्ट क्लास में बदलने के लिए संकल्पित है। विद्यालय के कुछ खिड़की दरवाजा भी ठीक करवाए और जो छत टपक रहे है उसको मरम्मत कराने के लिए भी बोल दिये है।

आज के समय में जहां एक कमाने खाने वाला आदमी अपना व अपने बच्चों का पेट पालने और खुद के विकास के लिए परेशान है चोरी बेइमानी सब कर रहा है वही एस के चौबे यह जिम्मेदारी निभाते हुए समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए अपनी क्षमतानुसार समाजहित के कार्यों में अपना सहयोग देते रहते है। अभी विगत वर्ष दिल्ली के पटेल नगर में भी एस के चौबे ने बच्चों के अच्छी शिक्षा के लिए कंप्यूटर दान किए थे। आखिरी में चौबे ने बताया कि जो मुझसे हो सका मैने किया अब जिम्मेदारी हमारे गांव और समाज के लोगों का है कि अपने बच्चों को इस विद्यालय तक पहुंचाए, संसाधनों की देख रेख करें और अध्यापकों के शिक्षण गतिविधियों पर भी ध्यान दें।

राखी बांध बहनों ने दिया नशामुक्त जीवन का संदेश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पटियाला। राखी के अवसर पर सरकारी राजिंदरा अस्पताल पटियाला के मॉडल नशा मुक्ति केंद्र में भावुक और प्रेरणादायक माहौल देखने को मिला। उपचार के लिए भर्ती करीब 50 व्यक्तियों की बहनों और सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने उनकी कलाई पर राखी बांधकर उन्हें नशे से दूर रहने और नशामुक्त जीवन जीने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान 'युद्ध नशों के विरुद्ध' मुहिम के तहत नशे की लत से मुक्त हुए व्यक्तियों, जिन्हें 'सूरमा' नाम दिया गया है, ने भी विशेष रूप से भाग लिया। उन्होंने उपचाराधीन व्यक्तियों के साथ अपने अनुभव साझा किए और उन्हें नशे की लत छोड़कर स्वस्थ एवं सम्मानजनक जीवन की ओर लौटने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर नशा मुक्ति मोर्चा के नेता यादविंदर सिंह संधू गोल्डी, मोर्चा इंचार्ज पटियाला देहाती, तथा सर्व प्रेम गैर सरकारी संगठन के प्रतिनिधियों ने भी लोगों से नशे से दूर रहने और राखी के पवित्र अवसर पर नशा न करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। गोल्डी संधू लादेन ने कहा कि 'युद्ध नशों के विरुद्ध' मुहिम के सार्थक परिणाम सामने आ रहे हैं। राजिंदरा अस्पताल के मनोरोग विभाग के प्रमुख डॉ. रजनीश राज और मॉडल नशा मुक्ति केंद्र के प्रभारी डॉ. रोहित गर्ग ने उपचाराधीन व्यक्तियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने उपचार को सफल बनाने के लिए जरूरी सुझाव भी साझा किए। डॉ. रजनीश राज ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के नेतृत्व में मॉडल नशा मुक्ति केंद्र में 'युद्ध नशों के विरुद्ध' मुहिम के तहत अब तक करीब 800 व्यक्तियों का सफलतापूर्वक उपचार किया जा चुका है। डॉ. रोहित गर्ग ने बताया कि मनोरोग विभाग में मेथाडोन अनुरक्षण उपचार क्लिनिक भी संचालित किया जा रहा है। यहां प्रतिदिन करीब 10 मरीजों को नशा छोड़ने के लिए आवश्यक दवा निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाती है। कार्यक्रम में डॉ. अदिति बंसल भी मौजूद रहीं। उपचार के लिए भर्ती व्यक्तियों ने बताया कि वे बुरी संगत के कारण नशे के जाल में फंस गए थे। हालांकि, पंजाब सरकार की मुहिम के तहत मिल रहे उपचार से उन्हें नशे से मुक्ति की उम्मीद जगी है। उन्होंने कहा कि वे नशे का पूरी तरह त्याग कर समाज की मुख्यधारा में लौटने और 'सूरमा' बनने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

सरहद पार तस्करी मॉड्यूल से जुड़े छह आरोपी गिरफ्तार, 2.9 किलो हेरोइन और आठ पिस्तौल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमृतसर। स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) अमृतसर और काउंटर इंटेलिजेंस (सीआई) अमृतसर ने दो अलग-अलग अभियानों में कार्रवाई करते हुए सरहद पार से संचालित हथियार एवं नशा तस्करी मॉड्यूल का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2.9 किलोग्राम हेरोइन, आठ पिस्तौल और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान इंदरपाल सिंह और सिकंदरजीत सिंह, दोनों निवासी गांव भिंडी औलख, अमृतसर, हैप्पी सिंह उर्फ वीरपाल सिंह निवासी कक्कड़, अमृतसर, सुनील मसीह और राजन मसीह, दोनों निवासी माहल, गुरदासपुर तथा प्रदीप सिंह निवासी नूरपुर, अमृतसर के रूप में हुई है। पुलिस टीमों ने नशे और हथियारों की बरामदगी के साथ आरोपियों के कब्जे से एक हुंडई वेन्यू कार संख्या पीबी02एफसी-2504 और स्प्लेंडर मोटरसाइकिल संख्या पीबी 06 बीएच-3784 भी जब्त की है। पुलिस के अनुसार इन वाहनों का इस्तेमाल तस्करी से जुड़ी गतिविधियों में किया जा रहा था। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी सरहद पार से संचालित तस्करी नेटवर्क के संपर्क में थे। वे ड्रोन के माध्यम से भेजी जाने वाली हथियारों और नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त कर उन्हें राज्य में सक्रिय आपराधिक तत्वों तक पहुंचाते थे। उन्होंने कहा कि नेटवर्क के आगे और पीछे जुड़े लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है। पहली कार्रवाई के संबंध में एआईजी सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि काउंटर इंटेलिजेंस अमृतसर की टीम को सूचना मिली थी कि सुनील और राजन ने अवैध पिस्तौलों की बड़ी खेप हासिल की है। दोनों यह खेप अमृतसर के गांव नूरपुर क्षेत्र में अपने साथी प्रदीप सिंह को पहुंचाने वाले थे। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को सात पिस्तौलों के साथ गिरफ्तार कर लिया। दूसरी कार्रवाई में एसएसओसी अमृतसर की टीम ने इंदरपाल सिंह, सिकंदरजीत सिंह और हैप्पी सिंह को 2.9 किलोग्राम हेरोइन तथा एक पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया। एआईजी सुखमिंदर सिंह मान ने बताया कि तस्करी नेटवर्क की पूरी कड़ियों का पता लगाने के लिए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां एवं बरामदगी होने की संभावना है।

इस संबंध में दो अलग-अलग मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला एफआईआर संख्या 53, दिनांक 27 अगस्त 2026 को शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25 और 25(8) तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। दूसरा मामला एफआईआर संख्या 52, दिनांक 27 अगस्त 2026 को एनडीपीएस अधिनियम की धाराओं 27, 25 और 29, शस्त्र अधिनियम की धारा 25 तथा भारतीय वायुयान अधिनियम की धाराओं 25, 26, 27, 28 और 29 के तहत थाना एसएसओसी अमृतसर में दर्ज किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

आयुष्मान लाभार्थियों के लिए राहत, आधार व योजना के डाटा में गलती होने पर करा सकेंगे सुधार

प्रतापगढ़। मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद ने जनपद के आयुष्मान भारत योजना के सभी पात्र लाभार्थियों को सूचित किया है कि यदि उनके आधार कार्ड एवं योजना के स्रोत डाटा में उनका व्यक्तिगत विवरण यथा पिता/पति का नाम, आयु, लिंग एवं पता त्रुटिपूर्ण है,जिसके कारण उनके आयु0कार्ड पेंडिंग अथवा निरस्त हो रहे है, तो इस समस्या के समाधान के लिये उपयुक्त व आवश्यक अभिलेखों के साथ अपना आवेदन निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाकर अपना आवेदन अधीक्षक कार्यालय में आयुष्मान कक्ष में जमा कर सकते हैं। गलत डाटा अपडेट कराने की प्रक्रिया सम्बन्धित अधिकारी द्वारा बीडीएम पोर्टल पर की जायेगी।

लखनऊ मण्डल की जूनियर बालक कबड्डी टीम के गठन हेतु चयन ट्रायल्स 30 अगस्त व 1 सितम्बर को

रायबरेली, क्रीड़ाधिकारी धीरेंद्र कुमार पुरुषोत्तम ने बताया कि खेल निदेशालय, उ0प्र0 लखनऊ के अनुपालन में प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन अयोध्या में 07 से 09 सितम्बर 2026 तक किया जाना निर्धारित है। प्रतियोगिता में लखनऊ मण्डल की टीम प्रतिभाग करेगी। टीम के गठन हेतु जिला एवं मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल्स निर्धारित किए गए हैं। जिला स्तरीय चयन ट्रायल्स का आयोजन 30 अगस्त 2026 को दोपहर 02:00 बजे जिला खेल कार्यालय स्टेडियम, रायबरेली में किया जाएगा। वहीं मण्डलीय ट्रायल्स 01 सितम्बर 2026 को प्रातः 09:00 बजे के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम, लखनऊ में आयोजित होंगे। क्रीड़ाधिकारी ने बताया कि जूनियर बालक वर्ग के लिए खिलाड़ी की जन्मतिथि 01.01.2027 निर्धारित मानक के अनुसार होनी चाहिए। चयन प्रक्रिया में प्रतिभाग करने वाले प्रत्येक खिलाड़ी के लिए सक्षम स्तर से निर्गत एवं प्रमाणित पात्रता प्रमाण-पत्र एवं जन्म प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। पात्रता प्रमाण-पत्र के बिना किसी भी खिलाड़ी को चयन प्रक्रिया में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। प्रत्येक खिलाड़ी को अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा जारी पात्रता प्रमाण-पत्र की दो प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। प्रमाण-पत्र पर खिलाड़ी का फोटो चिपका हुआ एवं प्रधानाचार्य द्वारा सत्यापित होना चाहिए। साथ ही जन्मतिथि अंकों एवं शब्दों दोनों में अंकित होने के साथ प्रधानाचार्य के हस्ताक्षर एवं विद्यालय की मुहर लगी होना अनिवार्य है।

सड़क गड्ढे में बाइक का संतुलन बिगड़ने से रक्षाबंधन पर मायके जा रही महिला की मौत

लालगंज (रायबरेली)। रक्षाबंधन पर मायके जा रही महिला की बाइक से गिरकर मौत हो गई। हादसा शुक्रवार देर शाम बछरावां रोड पर शहजौरा के पास हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। लखनऊ के अलीगंज निवासी शारदा मिश्रा (54) पत्नी स्व. राकेश मिश्रा अपने बेटे लकी मिश्रा के साथ बाइक से फतेहपुर स्थित मायके जा रही थीं। शहजौरा के पास सड़क पर बने गड्ढे में बाइक का संतुलन बिगड़ गया। इससे शारदा सड़क पर गिर गईं। सिर में गंभीर चोट लगने से वह घायल हो गईं। मौके पर मौजूद लोगों की मदद से उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पंचायतनामा की कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

ग्राम पंचायत सिसई पंडित के भ्रष्टाचार को रोकना बीडीओ कुदरहा के लिए बना चुनौती

सचिव व टीए की मेहरबानी से बड़े पैमाने पर सिसई पंडित में चल रहा है भ्रष्टाचार का खेल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कुदरहा बस्ती। विकासखंड कुदरहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिसई पंडित में पटरी सफाई और नाला सफाई के नाम पर सरकारी धन के दुरुपयोग धड़ल्ले से किया जा रहा हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क के किनारे दोनों तरफ बड़ी-बड़ी घास उगी हुई है, जबकि नाले में करीब 10 फीट तक पानी भरा हुआ है। इसके बावजूद मजदूरों के नाम पर हाजिरी दर्ज किए जाने का आरोप लगाया जा रहा है। ग्रामीणों का सवाल है कि जब नाले में पानी भरा हुआ है तो आखिर नाला सफाई का कार्य किस तरह कराया जा रहा है। वहीं, पटरी सफाई के नाम पर भी धरातल पर अपेक्षित कार्य नहीं दिखाई देने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान उर्मिला पर उच्च अधिकारियों की निगरानी से बचते हुए सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया है।

साथ ही सचिव और तकनीकी सहायक की भूमिका पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। मामले में ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत में पूर्व में भी जिम्मेदारों की कथित मिलीभगत से फर्जी भुगतान कराए जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पटरी और नाला सफाई के नाम पर सरकारी धन खर्च किया जा रहा है तो मौके पर कार्य की वास्तविक स्थिति की जांच होनी चाहिए। उनका आरोप है कि एपीओ कुदरहा और बी.डी.ओ कुदरहा द्वारा प्रभावी निगरानी नहीं किए जाने से ग्राम पंचायत में कथित अनियमितताओं पर रोक नहीं लग पा रही है।

अब सवाल यह है कि क्या संबंधित अधिकारी मौके पर स्थलीय जांच कराकर मजदूरों की हाजिरी, कार्य की स्थिति और भुगतान अभिलेखों का सत्यापन करेंगे? जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि सफाई कार्य वास्तव में कराया गया है या सरकारी धन के भुगतान में कोई अनियमितता हुई है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कार्रवाई और सरकारी धन की रिकवरी की मांग की है। खण्ड विकास अधिकारी कुदरहा आलोक कुमार पंकज के लिए ग्राम पंचायत सिसई पंडित के भ्रष्टाचार को रोकना चुनौती बना हुआ है। उक्त प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने जांच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

राखी बांधने मायके जा रही बहन की सड़क हादसे में मौत,भतीजा घायल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

● चौपहिया वाहन ने बाइक में मारी टक्कर, चालक वाहन समेत फरार

लालगंज (रायबरेली)। रक्षाबंधन के दिन भाई की कलाई पर राखी बांधने मायके जा रही बहन की सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसे में बाइक पर साथ जा रहा उसका भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना शुक्रवार को बांदा-बहराइच मार्ग पर शोभवापुर गांव के पास हुई। उन्नाव जिले के बिहार थाना क्षेत्र के नंदूखेड़ा ग्वालामऊ मलौना गांव निवासी ज्ञानवती (62) पत्नी रघुनंदन अपने भतीजे मनोज कुमार के साथ बाइक से फतेहपुर स्थित मायके जा रही थीं। शोभवापुर गांव के पास तेज रफ्तार बेकाबू चौपहिया वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद वाहन चालक गाड़ी समेत मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने दोनों घायलों को अपनी कार से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। चिकित्सकों ने जांच के बाद ज्ञानवती को मृत घोषित कर दिया, जबकि घायल मनोज का उपचार चल रहा है। रक्षाबंधन के दिन हुई इस घटना से परिवार में मातम पसर गया। जिस बहन को भाई की कलाई पर राखी बांधने की उम्मीद थी, उसकी मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। ज्ञानवती की इकलौती बेटी अर्चना का रो-रोकर बुरा हाल है।प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। हादसे के बाद फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

गांव की प्रगति तभी सार्थक है, जब ग्रामीणों के जीवन को बेहतर और सुगम बनाएं - एमएलसी सुभाष यदुवंश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। विधान परिषद सदस्य एवं उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विनियमन समिति के सभापति सुभाष यदुवंश ने शनिवार को विकास खण्ड इटवा की ग्राम पंचायत मूसा में 70 लाख रुपये से अधिक की लागत से बनी विभिन्न परियोजनाओं का, तथा उन्होंने अपने पूर्वांचल विकास निधि योजनांतर्गत पीडब्ल्यूडी रोड से सरजू नहर तक निर्मित सीसी सड़क तथा मनरेगा एवं ग्राम निधि योजना के अंतर्गत निर्मित अन्नपूर्णा भवन, पंचायत भवन एवं लाइब्रेरी का लोकार्पण किया। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य सुभाष यदुवंश ने कहा कि गांव की प्रगति तभी सार्थक है, जब विकास की सुविधाएं सीधे ग्रामीणों के जीवन को बेहतर और सुगम बनाएं। उन्होंने कहा कि सीसी सड़क के निर्माण से ग्रामीणों

को सुगम आवागमन की सुविधा मिलेगी, अन्नपूर्णा भवन से आवश्यक सुविधाओं का विस्तार होगा, पंचायत भवन के माध्यम से ग्रामीणों को विभिन्न सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी तथा लाइब्रेरी से बच्चों और युवाओं को अध्ययन के लिए बेहतर वातावरण मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में डबल इंजन की भाजपा सरकार गांव-गांव तक विकास और जनसुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस दौरान प्रधान संघ मंडल अध्यक्ष व्यास पाण्डेय, प्रधान संघ जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा, इटवा ब्लॉक संघ अध्यक्ष पारस यादव, ग्राम प्रधान ब्रह्मदेव मिश्र, सुभाष यादव, यशोनन्द मिश्र, शलीम, राम कुमार यादव, महेश यादव, श्री रामनरेश यादव, गोवर्धन यादव, भूलन मिश्र, सुभाष सोनी, पवन मौर्या, विजय यादव, खलील सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

थाना उसका बाजार में प्रशासनिक भवन बनने के पश्चात, यह मॉडल थाना बनेगा: प्रभारी मंत्री

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। प्रदेश सरकार मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय,जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर द्वारा जिलाध्यक्ष भाजपा दीपक मौर्या, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह के साथ थाना उसका बाजार के प्रशासकीय भवन (जी+2) के निर्माण कार्य का भूमिपूजन कर एवं शिलापट का अनावरण कर शिलान्यास किया गया। इस अवसर पर प्रदेश सरकार के मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, समन्वय, जनपद प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने जिलाध्यक्ष भाजपा, अन्य जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए, पुलिस विभाग के लोगों को बधाई देते हुए कहा कि आज थाना उसका बाजार में धनराशि रूपये 687.56 लाख की लागत से प्रशासकीय भवन (जी+2) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ किया

है। पुलिसिंग को बेहतर किया है। पुलिस विभाग को संसाधनों से लैस किया है। पुलिस विभाग के जवानों के लिए आवास, कार्यालय, के साथ पुलिस लाइन में बेहतर कार्य किया गया है। थाना उसका बाजार में प्रशासनिक भवन बनने के पश्चात यह मॉडल थाना बनेगा। सरकार ने उत्तर प्रदेश पुलिस का मनोबल बढ़ाने के लिए जो भी करना चाहिए सरकार कर रही है।

जिलाध्यक्ष भाजपा दीपम मौर्या ने प्रभारी मंत्री एवं अन्य सभी का स्वागत करते हुए कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री ने जनता की सेवा का संकल्प लिया है। आप लोगो ने सेवा का अवसर दिया है। आज थाना उसका बाजार में प्रशासकीय भवन (जी+2) के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया गया है। आप लोगो को सुरक्षा देने हेतु प्रशासनिक भवन का निर्माण हा रहा है। इस दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक प्रशान्त कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डा0 सीमा मिश्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिला उपाध्यक्ष भाजपा आशीष शुक्ला, अध्यक्ष नगर पंचायत उसका बाजार प्रतिनिधि हेमन्त जायसवाल एवं अन्य संबधित अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहें।

बिना डीएम की अनुमति सचिवों द्वारा भुगतान का मामला मुख्यमंत्री पोर्टल पर पहुंचा

बीडीओ परसरामपुर को नोटिस जारी कर सात कार्य दिवस में मांगा था जवाब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। जिले के परसरामपुर विकासखंड में ग्राम प्रधानों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद बिना जिलाधिकारी की अनुमति के भुगतान किए जाने के आरोपों का मामला अब मुख्यमंत्री पोर्टल पर पहुंच गया है। जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर द्वारा कथित तौर पर कार्रवाई नहीं किए जाने को लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराते हुए प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने और दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में सचिव राज मंगल दूबे, अभिषेक सोनी, अर्चना वर्मा, अजीत सिंह, आलोक कुमार दिवाकर, तौफीक खान और

गिरजेश वर्मा समेत अन्य सचिवों पर कथित रूप से बिना जिलाधिकारी की अनुमति के भुगतान किए जाने का आरोप लगाया गया है। यदि आरोप सही हैं तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय कर अब तक क्या कार्रवाई की गई, इसे लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि जिला पंचायत राज अधिकारी की ओर से खंड विकास अधिकारी परसरामपुर को नोटिस जारी कर सात कार्य दिवस के भीतर जवाब मांगा गया था। सूत्रों के अनुसार, खंड विकास अधिकारी द्वारा नोटिस का जवाब भी दे दिया गया है। इसके बावजूद संबंधित सचिवों के खिलाफ अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि नोटिस का जवाब मिलने के बाद भी दोषी पाए जाने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय मामले को ठंडे बस्ते में डालने का प्रयास किया जा रहा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। जिला पंचायत राज अधिकारी घनश्याम सागर के अक्टूबर माह में सेवानिवृत्त होने की बात भी कही जा रही है। इसी को लेकर विभागीय मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं, मामले में लेन-देन कर प्रकरणों को निपटाने के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। मामले को लेकर सवाल उठ रहा है कि यदि बिना जिलाधिकारी की अनुमति के करोड़ों रुपये के भुगतान किए जाने की शिकायत सही है तो जिम्मेदार सचिवों और अन्य संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई कब होगी? शिकायत के बाद अब मुख्यमंत्री पोर्टल पर हुई कार्रवाई की स्थिति पर भी लोगों की नजर बनी हुई है।

भाजपा को बड़ा झटका, पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला ने थामा सपा का दामन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला ने समर्थकों के साथ सपा का दामन थाम लिया। अखिलेश यादव ने लखनऊ में पार्टी की सदस्यता दिलाई। रानीगंज के सियासी समीकरणों पर चर्चा तेज हो गई है। जिले की राजनीति में शनिवार को उस समय हलचल तेज हो गई, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला ने अपने समर्थकों के साथ समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उन्हें विधिवत पार्टी की सदस्यता दिलाई। राम शिरोमणि शुक्ला के सपा में शामिल होने को प्रतापगढ़ की सियासत में भाजपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। खासकर रानीगंज क्षेत्र में उनके राजनीतिक प्रभाव और समर्थकों के बीच पकड़ को देखते हुए इस दल-बदल ने आगामी चुनाव को लेकर नए सियासी समीकरणों की चर्चा चालू हो गई है।राम शिरोमणि शुक्ला पेशे से अधिवक्ता हैं और इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। वह रानीगंज विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के टिकट पर विधायक भी रह चुके हैं। क्षेत्र में उनकी मजबूत पकड़ और लंबे समय से सक्रिय राजनीतिक संपर्कों के चलते उनके सपा में जाने को महज व्यक्तिगत राजनीतिक फैसला नहीं, बल्कि क्षेत्र की राजनीति में महत्वपूर्ण घटनाक्रम के तौर पर देखा जा रहा है।सपा में शामिल होने के दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक भी मौजूद रहे। अखिलेश यादव की मौजूदगी में हुए इस घटनाक्रम के बाद सपा खेमे में उत्साह है, वहीं भाजपा के लिए इसे संगठनात्मक स्तर पर महत्वपूर्ण झटका माना जा रहा है।

नेपाल में अचानक बढ़ी नदी की बहाव, पत्थर पर बैठा सिद्धार्थनगर का युवक बहा, शव बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

इटवा (सिद्धार्थनगर)। नेपाल में जलप्रलय के बीच एक दर्दनाक हादसे में इटवा निवासी 34 वर्षीय युवक पानी में बह गया। बाद में उसका शव बरामद हुआ। युवक की मौत से स्वजन पर गमों का पहाड़ टूट पड़ा। नगर पंचायत इटवा निवासी प्रभात सोनी पुत्र अवधेश सोनी शुक्रवार को नेपाल गए थे। बताया जाता है कि बुटवल में वह और स्वजन के साथ नदी के निकट पत्थर पर बैठे थे। अचानक पानी की धारा तेज और प्रभात सोनी को उसमें बहा ले गई। बताया जाता है कि सिर के पास पत्थर की चोट भी लगी। स्वजन घटना देख चीखना, चिल्लाना और शोर मचाना शुरू किए। नेपाली प्रशासन को भी खबर हुई तो फिर खोजबीन शुरू हुई। शनिवार को दोपहर में उनका शव मिलने की खबर है। जिसे पुलिस ने कब्जे में लेकर विधिक कार्यवाही शुरू कर दी है।

प्रभात सोनी रक्षाबंधन के दिन अपनी माता को लेकर ननिहाल गए थे। मऊ-जिगिनिहवा जाने के बाद प्रभात सोनी, छोटा भाई शिवा सोनी, माता व और मामा के घर के कुछ लोगों के साथ सभी नेपाल चले गए। नदी के बीच बैठे ही थे कि अचानक पानी की धारा बढ़ी और उसी में प्रभात को बहा ले गई। प्रभात सोनी दो भाइयों में सबसे बड़े थे। इनसे छोटा भाई शिवा सोनी था। प्रभात की शादी हो चुकी थी। पत्नी के अलावा दो बेटियां हैं। इसमें बड़ी लड़की चार वर्ष और छोटी लड़की डेढ़ वर्ष है। पानी में बहने और मौत की खबर पर उनके घर पर भारी भीड़ एकत्रित हो गई। पूर्व शिक्षा मंत्री डा. सतीश द्विवेदी भी प्रभात सोनी के घर पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधीक्षक और नेपाल में कुछ राजनीतिज्ञों को फोन पर जानकारी देते हुए यथासंभव सहायता की मांग की। प्रभारी निरीक्षक इटवा अनिल कुमार दुबे भी पहुंचे। वे भी अपने स्तर से जानकारी जुटाने में जुट गए। बाद में पता चला कि शव बरामद हो गया है।

भाजपा जिला संगठन की बैठक संपन्न, प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने पदाधिकारियों से किया संवाद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय पर शनिवार को प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री श्रम एवं सेवायोजन ,समन्वय एवं जनपद के प्रभारी मंत्री अनिल राजभर की उपस्थिति में जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ प्रभारी मंत्री एवं जिलाध्यक्ष सहित उपस्थित पदाधिकारियों द्वारा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। बैठक के दौरान प्रभारी मंत्री अनिल राजभर ने जिला पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्षों से सीधे संवाद करते हुए संगठनात्मक गतिविधियों, आगामी कार्यक्रमों तथा बूथ स्तर पर संगठन की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पदाधिकारियों के सुझाव एवं विचार भी सुने और संगठन को और अधिक सशक्त, सक्रिय एवं जनसरोकारों से जोड़ने को लेकर आवश्यक

दिशा-निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की वास्तविक ताकत उसके समर्पित कार्यकर्ता हैं। संगठन की मजबूती के लिए प्रत्येक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारियों का पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करते हुए पार्टी की विचारधारा एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना चाहिए। उन्होंने आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने तथा बूथ स्तर तक संगठन को और मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। जिलाध्यक्ष दीपक मौर्या ने बैठक में उपस्थित प्रभारी मंत्री अनिल राजभर का स्वागत करते हुए संगठन की विभिन्न गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कि जिले में भाजपा का संगठन निरंतर मजबूती की ओर अग्रसर है और कार्यकर्ता पूरी ऊर्जा एवं समर्पण के साथ पार्टी के कार्यक्रमों को सफल बनाने में जुटे हैं। बैठक में जिला के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष एवं पार्टी के प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीजे स्टेंट विवाद पर विद्या अस्पताल के संचालक का सफाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। बर्डपुर स्थित विद्या अस्पताल पर मरीज के पेट में 'डीजे स्टेंट' छोड़ने के लगे आरोपों पर अस्पताल संचालक अजय यादव की ओर से कड़ा पक्ष सामने आया है। अजय यादव ने आरोपों को एक सिरे से खारिज करते हुए इसे अस्पताल और उनकी छवि को धूमिल करने की सोची-समझी साजिश करार दिया है। 'चिकित्सीय प्रक्रिया के तहत दूसरा स्टेंट नहीं निकाला गया।मामले पर अपना रुख स्पष्ट करते हुए अजय यादव ने कहा कि इलाज में किसी तरह की चिकित्सीय लापरवाही नहीं हुई है। मरीज के इलाज के दौरान दो 'डीजे स्टेंट' डाले गए थे। इलाज के बाद प्रक्रिया के तहत एक स्टेंट निकाल दिया गया था, जबकि मरीज के गुर्दे (किडनी) में सूजन होने के कारण चिकित्सकीय परामर्श के अनुसार दूसरे स्टेंट को उस समय नहीं निकाला गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग है जो अज्ञानता के कारण चिमटी चिमटा बोलकर भ्रम फैलाया जा रहा है ।जबकि वह डीजे स्टैंट है (किड़नी) गुर्दे के ऑपरेशन के बाद डीजे स्टैंट डालना अनिवार्य होता है।

डॉ.अजय यादव ने पुलिस कार्रवाई की प्रक्रिया पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि खुद मरीज रमेश पटवा की ओर से कोई तहरीर या शिकायती पत्र नहीं दिया गया है, बल्कि किसी अन्य बाहरी व्यक्ति द्वारा यह शिकायत दर्ज कराई गई है। थाना मोहाना पुलिस को मुकदमा दर्ज करने से पहले स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम से जांच करानी चाहिए थी। यदि विभागीय जांच में लापरवाही की बात सामने आती, तब कानूनी कार्रवाई करना उचित होता। लेकिन बिना किसी जांच-पड़ताल के महज दो घंटे के भीतर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। संचालक डॉ.अजय यादव का कहना है कि उन्हें और उनके अस्पताल को बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो चलाकर लगातार साजिश रची जा रही है। उन्होंने कहा कि वे स्वास्थ्य विभाग की किसी भी निष्पक्ष जांच का सामना करने को तैयार हैं, जिससे मामले की सच्चाई पूरी तरह से सामने आ जाएगा।

मोटरसाइकिल से गिरकर घायल युवक की मौत, इलाज के दौरान तोड़ा दम

महराजगंज, रायबरेली। शुक्रवार दोपहर मोटरसाइकिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हुए 38 वर्षीय रामचंद्र की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक रामचंद्र पुत्र कन्हैया लाल, निवासी कोटवा मदनिया, महराजगंज के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को करीब 1:55 बजे रामचंद्र मोटरसाइकिल से गिरकर महराजगंज दूध डेयरी के पास घायल हो गए। परिजन उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। हालांकि, रेफर किए जाने के बाद परिजन उन्हें तत्काल जिला अस्पताल नहीं ले जा सके और वह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र महराजगंज में ही रहे। शाम तक उपचार के दौरान रामचंद्र की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची महराजगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी जगदीश यादव ने बताया कि मोटरसाइकिल से गिरने के कारण रामचंद्र के घायल होने की सूचना मिली थी। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले में आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

शौचालय विवाद में मारपीट, तीन गिरफ्तार

दुर्गागंज। भौथर गांव में शौचालय निर्माण को लेकर हुए विवाद में मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में दुर्गागंज पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अतुल, बाकेलाल और अमन चौहान को गौरा तिराहा के पास से पकड़ा। पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने कार्रवाई की। गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार, भौथर निवासी फूलचन्द चौहान ने दो अगस्त को थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि शौचालय निर्माण को लेकर विपक्षी पक्ष ने उनके और परिजनों के साथ गाली-गलौज व मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी।